@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 7 जुलाई 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 243 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

देश के कई राज्यों में आफत बनी बारिश

महाराष्ट्र में 3 दिन से बारिश, रेलवे ट्रैक, एक्सप्रेस-वे बंद:लोगों को घर में रहने की सलाह

एजेंसी
मुंबई। देश के कई राज्यों में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। महाराष्ट्र में तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है। मुंबई-पुणे रेल रूट पर करजत-लोनावला के भोर घाट सेक्शन में दो जगह लैंडस्लाइड हो गई। तीनों रेलवे लाइनें प्रभावित हो गईं। 20 ट्रेनों को कैंसिल करना पड़ा। उधर, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भी लैंडस्लाइड होने से रास्ता बंद हो गया। मुंबई में कल से 75kmph की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं, 142 पेड़ उखड़ गए।

मुंबई में बारिश के कारण महाराष्ट्र विधानसभा की कार्यवाही स्थगित

मुंबई और आसपास के इलाकों में भारी बारिश के रेड अलर्ट को देखते हुए महाराष्ट्र विधानसभा की सोमवार की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। मुख्यमंत्री देवेंद्र

फडणवीस ने कहा कि प्रशासन अलर्ट पर है। उन्होंने लोगों से बेवजह यात्रा नहीं करने की अपील की। वहीं, रविवार को तेज हवाओं के बीच 350 पेड़ गिरने की घटनाएं दर्ज की गईं।

मुंबई में प्राइवेट ऑफिस को वर्क फ्रॉम होम का निर्देश

मुंबई में लगातार हो रही भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया है। मुंबई में बारिश के चलते निजी कंपनियों से कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम (घर से काम) करने को कहा गया है। वहीं, गैर-जरूरी और सेमी-गर्वनमेंट ऑफिस में आधे दिन की छुट्टी घोषित की गई है। बीएमसी ने आज सरकारी, प्राइवेट और नगर निगम के सभी स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी है।

उत्तराखंड में लगातार बारिश से भूस्खलन

बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग सहित कई प्रमुख मार्ग ठप

देहरादून । उत्तराखंड में सोमवार रात भर हुई लगातार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह से बाधित कर दिया, जिससे भूस्खलन हुआ, बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग सहित कई प्रमुख मार्ग अवरुद्ध हो गए और कई ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क टूट गया। मौजूदा मौसम की स्थिति को देखते हुए अधिकारियों ने प्रभावित जिलों में स्कूलों को बंद करने का भी आदेश दिया। मलबा और लगातार पत्थर गिरने के कारण भानारपानी, गुलाबकोटी और

बिरही-निजमूला सहित कई स्थानों पर बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि मरम्मत का काम जारी है जबकि जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर इन हिस्सों पर वाहनों की आवाजाही निलंबित कर दी गई है। रुद्रप्रयाग में, गढ़वाल क्षेत्र के ऊपरी इलाकों में लगातार भारी बारिश के बाद अलकनंदा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने के कारण नमामी घाट पूरी तरह से जलमग्न हो गया। जिला प्रशासन के अनुसार, ऊपरी हिमालयी क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण अलकनंदा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मिले थलसेना प्रमुख

एजेंसी
नई दिल्ली । भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने भारत की राष्ट्रपति एवं तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट की है। जनरल धीरज सेठ अपनी पत्नी कोमल सेठ के साथ राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात करने पहुंचे थे। यह मुलाकात भारतीय सैन्य नेतृत्व और राष्ट्र के सर्वोच्च संवैधानिक पद के बीच परंपरागत संवाद एवं विश्वास का महत्वपूर्ण प्रतीक मानी जाती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दलाई लामा को जन्मदिन की बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके शांति, सद्भाव और वैश्विक कल्याण के संदेश की सराहना की। प्रधानमंत्री ने उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए कहा कि उनका नैतिक एवं आध्यात्मिक नेतृत्व दुनिया भर के लोगों के लिए प्रेरणास्रोत रहा है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा, 'परम पावन दलाई लामा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। शांति और सद्भाव का उनका संदेश दुनिया भर के लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। उनकी नैतिक और आध्यात्मिक शक्ति तथा वैश्विक कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता प्रशंसनीय है। मैं उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। '

पश्चिम बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव का एलान

इन सीटों पर 24 जुलाई 2026 को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा

एजेंसी
नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा कर दी है। आयोग के अनुसार, इन सीटों पर 24 जुलाई 2026 को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा और उसी दिन शाम पांच बजे मतगणना भी कराई जाएगी। निर्वाचन कार्यक्रम के तहत 7 जुलाई को अधिसूचना जारी होगी, जबकि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई तय की गई है। 15 जुलाई को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 17 जुलाई तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे। चुनाव प्रक्रिया 27 जुलाई तक पूरी कर ली जाएगी।

गुजरात के मंझलपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा

चुनाव आयोग ने सोमवार को गुजरात की मंझलपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी। इसके साथ ही चुनावी प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। यह सीट भाजपा के आठ बार के विधायक योगेश पटेल के निधन के बाद 2 जून को खाली हुई थी। अधिसूचना के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 13 जुलाई निर्धारित की गई है। नामांकन पत्रों की जांच 14 जुलाई को होगी, जबकि उम्मीदवार 16 जुलाई तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। यदि आवश्यक हुआ तो 30 जुलाई को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतगणना और पूरी चुनाव प्रक्रिया 4 अगस्त तक पूरी कर ली जाएगी।

राहुल गांधी ने राजस्थान के बस-ट्रक बॉडी बिल्डर्स से की मुलाकात

समस्याएं सुनी

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राजस्थान के स्थानीय बस और ट्रक बॉडी बिल्डर्स से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने समस्याएं सुनीं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की एमएसएमई विरोधी नीतियां छोटे उद्योगों का गला घोंट रही हैं और इसी कारण यह उद्योग संकट में हैं। राहुल गांधी ने इस मुलाकात की जानकारी एक्स पर सोमवार को दी। उन्होंने कहा कि इन कारीगरों की विश्वस्तरीय कारीगरी फेरारी और रोल्स रॉयस जैसी कंपनियों के स्तर की है, लेकिन उन्हें सम्मान और सहयोग देने के बजाय नियमों के बोझ तले दबाया जा रहा है। छोटे उद्योगों के बंद होने से केवल फैक्ट्रियां ही नहीं बंद होतीं, बल्कि भारत का हुनर हारता है और मेहनतकश कारीगर बेरोजगार होता है। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी ऐसे कारीगरों का हक उनसे नहीं छिनने देगी।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

● कांगपोकपी में हमले में महिला और बच्चा घायल

एनएच-37 पर 24 घंटे का बंद

एजेंसी
नई दिल्ली। मणिपुर में लंबे समय से जारी जातीय तनाव के बीच एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। कांगपोकपी जिले के थिंगखोंगजांग (थिंगखोजांग) कुकी गांव पर हुए कथित सशस्त्र हमले में एक महिला और एक बच्चा घायल हो गए। घटना के बाद कुकी संगठनों ने सोमवार से राष्ट्रीय राजमार्ग-37 (एनएच-37) पर 24 घंटे के बंद का एलान कर दिया है। साथ ही स्वतंत्र न्यायिक जांच, दोषियों की गिरफ्तारी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग उठाई है। हालांकि, सरकार की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, रविवार शाम गांव के लोग चर्च में प्रार्थना कर रहे थे, तभी हथियारबंद हमलावरों ने गांव पर गोलीबारी की और विस्फोटक फेंके। हमले के दौरान कई घरों में आग लगाए जाने का भी दावा किया गया है। इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना में घायल महिला के पैर में गोली लगने की बात कही जा रही है, जबकि एक बच्चा भी घायल

हुआ। दोनों को पहले असम राइफल्स के न्यू कैथेलमणबी शिविर में प्राथमिक उपचार दिया गया और बाद में इम्फाल स्थित रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आरआईएमएस) भेजा गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि हमले के पीछे एनएससीएन (आईएम) और जेडयूएफ-के के उग्रवादी शामिल थे, हालांकि सुरक्षा एजेंसियों की ओर से अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की गई है।घटना के बाद कुकी समुदाय के शीर्ष संगठन 'कुकी इनपी मणिपुर' (केआईएम) ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे आम नागरिकों पर सुनियोजित हमला बताया। संगठन का आरोप है कि भारी हथियारों से लैस हमलावरों ने गांव में घुसकर गोलीबारी की, घरों में आग लगाई और महिलाओं व बच्चों को निशाना बनाया, जबकि निकट ही केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का शिविर मौजूद था।

नेम्मेली परियोजना की शिलान्यास पट्टिका हटाने पर द्रमुक ने लगाया राजनीतिक दुर्भावना का आरोप

अधिकारियों ने दी सफाई

एजेंसी
चेन्नई। चेन्नई के नेम्मेली स्थित समुद्री जल को पेयजल में बदलने वाली महत्वाकांक्षी परियोजना की शिलान्यास पट्टिका हटाए जाने को लेकर तमिलनाडु की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नाम वाली शिलान्यास पट्टिका हटाए जाने पर द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) ने सरकार पर राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित कार्रवाई का आरोप लगाया है। वहीं, संबंधित विभाग के अधिकारियों ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि पट्टिका को केवल मरम्मत और संरक्षण के उद्देश्य से अस्थायी रूप से हटाया गया है।दरअसल, चेन्नई में लगातार बढ़ती पेयजल की मांग को पूरा करने के लिए वर्ष 2006 में तत्कालीन द्रमुक सरकार के कार्यकाल में नेम्मेली समुद्री जल शोधन परियोजना की शुरुआत की गई थी। उस समय स्थानीय प्रशासन मंत्री रहे एम.के. स्टालिन ने इस परियोजना के क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाई थी। बाद में मुख्यमंत्री बनने पर उन्होंने शहर की बढ़ती आबादी और जल आवश्यकताओं

को ध्यान में रखते हुए 24 फरवरी 2024 को नेम्मेली में दूसरी बड़ी समुद्री जल शोधन परियोजना की आधारशिला रखी। वर्तमान में इस परियोजना का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। विवाद तब शुरू हुआ, जब वर्तमान मुख्यमंत्री विजय के प्रस्तावित दौरे से पहले परियोजना परिसर से एम.के. स्टालिन के नाम वाली शिलान्यास पट्टिका हटाए जाने की जानकारी सामने आई। इसके बाद द्रमुक ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध का मामला बताते हुए सरकार पर तीखा हमला बोला। द्रमुक ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंचों पर जारी बयान में आरोप लगाया कि सत्ता में आए 50 दिनों से अधिक समय बीत जाने के बावजूद सरकार जनता के लिए कोई नई और प्रभावी योजना नहीं ला सकी है। पार्टी का कहना है कि पिछली द्रविड़ मॉडल सरकार के दौरान शुरू की गई ।

देश की एकता से समझौता करने वालों को इतिहास ने नकारा : सीएम योगी

'देश की अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले राष्ट्रनायक थे। '

एजेंसी
लखनऊ । यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर उन्हें भारत माता का महान सपूत, प्रखर स्वतंत्रता सेनानी और दूरदर्शी राष्ट्रवादी बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे' का उद्घोष किया था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 का निरसन हटाकर साकार किया। लखनऊ में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक शिक्षाविद या राजनेता नहीं थे, बल्कि देश की अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले राष्ट्रनायक थे। उन्होंने कहा कि मात्र 33 वर्ष की आयु में कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति बने मुखर्जी ने शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में उल्लेखनीय योगदान दिया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश के विभाजन के समय जब पूरे बंगाल को पाकिस्तान में मिलाने की कोशिश हो रही थी, तब डॉ. मुखर्जी उसके खिलाफ मजबूती से खड़े हुए। उन्होंने कहा कि आज पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा है तो उसमें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भूमिका को कभी भुलाया नहीं जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्र भारत के पहले खाद्य

एवं उद्योग मंत्री के रूप में भी डॉ. मुखर्जी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया लेकिन देशहित के मुद्दों पर समझौता न करते हुए उन्होंने मंत्रिमंडल छोड़ दिया और बाद में भारतीय जनसंघ की स्थापना की।उन्होंने कहा कि कश्मीर की परमिट व्यवस्था और विशेष दर्जे के खिलाफ डॉ. मुखर्जी का आंदोलन देश की एकता का प्रतीक था। योगी ने कहा कि वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 हटाकर केंद्र सरकार ने बाबा साहब के संविधान को जम्मू-कश्मीर में पूरी तरह लागू किया।

स्वदेशी स्टेल्थ फ्रिगेट महेन्द्रगिरी समुद्री बेड़े में शामिल होने को तैयार

•भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ेगी •हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की निगरानी क्षमता और ऑपरेशनल पहुंच में होगी

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े में एक और एडवांस्ड स्टेल्थ फ्रिगेट महेन्द्रगिरी शामिल होने के लिए तैयार है। विशाखापत्तनम में 11 जुलाई को महेन्द्रगिरी को ऐसे समय में शामिल किया जाएगा, जब भारत के पूर्वी समुद्री तट का रणनीतिक और समुद्री महत्व लगातार बढ़ रहा है। महेन्द्रगिरी के नौसेना में शामिल होने से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की निगरानी क्षमता और ऑपरेशनल पहुंच में काफी बढ़ोतरी होगी। नौसेना के कैप्टन विवेक मधवाल ने कहा कि प्रोजेक्ट 17ए वर्ग का छठा स्टेल्थ फ्रिगेट 'महेन्द्रगिरी' केवल एक जहाज नहीं है, बल्कि यह 'मेक इन इंडिया' की भावना और हमारे स्वदेशी शिपयार्ड की इंजीनियरिंग क्षमताओं का 6,670 टन का अवतार है। भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो में इन-हाउस डिजाइन और मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में निर्मित यह फ्रिगेट पहले के डिजाइनों की तुलना में एक पीढ़ी की छलांग है। 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ यह जहाज

घरेलू औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र की परिपक्वता को उजागर करता है, जो अब 200 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में फैला हुआ है।संयुक्त डीजल या गैस प्रणोदन संयंत्र से संचालित महेन्द्रगिरी को 'उच्च गति-उच्च धीरज' बहुमुखी प्रतिभा और बहुआयामी समुद्री संचालन के लिए डिजाइन किया गया है। जहाज का हथियार सूट विश्वस्तरीय है, जिसमें सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और एक विशेष पनडुब्बी रोधी युद्धक सूट है। इन प्रणालियों को अत्याधुनिक कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से मूल रूप से एकीकृत किया गया है, जिससे चालक दल सटीकता के साथ खतरों का जवाब दे सकता है। स्टेल्थ फ्रिगेट का लचीला मिशन प्रोफाइल इसे उच्च-तीव्रता वाले मुकाबले से लेकर मानवीय सहायता और आपदा राहत तक के लिए आदर्श बनाता है। कैप्टन मधवाल ने कहा कि हमारी नौसेना चाहे फारस की खाड़ी हो या मलक्का स्ट्रेट, हिंद महासागर में लगातार अपनी मौजूदगी बनाए रखती है। जब भी कोई संकट आता है, चाहे वह निकासी ऑपरेशन हो या मानवीय सहायता देना हो, हमारी नेवी हमेशा सबसे आगे रहती है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड- इस 'पाप' में शामिल हर व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी : महंत नृत्य गोपाल दास

अयोध्या(एजेंसी)। (ईएमएस)। राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी मामले को लेकर जारी विवाद के बीच सोमवार को हुई श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अहम बैठक से पहले ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास ने पहली बार सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में हुई कथित चोरी की घटना से वह बेहद आहत हैं और उन्हें विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मामले में दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाएंगे। बैठक से पहले जारी बयान में महंत नृत्य गोपाल दास ने कहा कि यह केवल चोरी का मामला नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी भी व्यक्ति को निजी लाभ या राजनीतिक उद्देश्य से बयानबाजी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कथित 'पाप' में शामिल प्रत्येक व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। सूत्रों के मुताबिक महंत नृत्य गोपाल दास हाल ही में स्वास्थ्य संबंधी कारणों से लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती हुए थे। तीन जुलाई को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बावजूद उनके सोमवार की बैठक में शामिल होने की संभावना नहीं है। पहले उनके वर्चुअल माध्यम से जुड़ने की चर्चा थी, लेकिन अब इसके भी संकेत नहीं हैं।

गुजरात में शेरनी ने किया किसान पर हमला : आधे घंटे तक रहा जबड़े में हाथ

भावनगर (एजेंसी)। गुजरात के भावनगर जिले के गरजिया गांव में सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जब एक शेरनी ने कालूभाई बोगभाई परमार नामक किसान पर हमला किया। कालूभाई जब सुबह 10-30 बजे अपनी गाय को चारा खिलाने जा रहे थे, तभी शेरनी ने पीछे से उनकी पीठ पर वार कर उन्हें जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद शेरनी ने उनका हाथ करीब आधे घंटे तक अपने जबड़े में दबाए रखा। कालूभाई ने अपनी जान बचाने के लिए लगातार संघर्ष किया और शेरनी को खरोंचा, जिसके बाद उसने उनका हाथ छोड़ दिया। घायल होने के बावजूद कालूभाई तुरंत वहां से भागने में सफल रहे। हमले से कुछ देर पहले, शेरनी ने हेमूभाई गढ़वी नामक एक अन्य व्यक्ति पर भी हमला करने की कोशिश की थी। हेमूभाई ने बताया कि शेरनी उनकी भैंस के पास थी और जब उन्होंने भगाने की कोशिश की, तब वह सीधे उनकी ओर दौड़ी। वे बाल-बाल बचे और भागकर अपने भाई के घर में घुसकर दरवाजा बंद किया। यह घटना तब हुई है जब भावनगर जिला, गिर नेशनल पार्क के निकट होने के कारण, अक्सर जंगली शेरों की रिहायशी इलाकों और खेतों में मौजूदगी से जूझता रहता है। इस घटना के बाद गरजिया गांव और आसपास के इलाकों के पशुपालकों में अपने पशुओं और परिवार की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता और दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद टीम डेढ़ घंटे के भीतर मौके पर पहुंच गई और शेरनी को पकड़ने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। पालीताना तालुका पंचायत सदस्य चेतन डाभी ने वन विभाग से अपील की है कि वे इस क्षेत्र के शेरों को सुरक्षित रूप से जंगल में वापस छोड़ दें, क्योंकि ग्रामीण कई बार सुरक्षा व्यवस्था की कमी के बारे में सूचित कर चुके हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

भैरव बाबा के मंदिर में वीआईपी दर्शन से 45 दिन में 3.09 करोड़ की आय

उज्जैन (एजेंसी)। काल भैरव मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए शुरू की गई 500 रुपये की वीआईपी (शीघ्र दर्शन) व्यवस्था मंदिर प्रबंधन के लिए आय का बड़ा माध्यम बन गई है। 20 मई से 3 जुलाई तक 45 दिनों में इस व्यवस्था से मंदिर को 3 करोड़ 9 लाख 27 हजार रुपये की आय हुई है। मंदिर प्रबंधन के अनुसार वीआईपी श्रद्धालुओं के लिए अलग प्रवेश मार्ग बनाया गया है, जिससे सामान्य दर्शन व्यवस्था भी सुचारु बनी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि प्राप्त आय का उपयोग मंदिर की सुविधाओं, रखरखाव और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं विकसित करने में किया जाएगा।

दक्षिण के चार राज्यों में हटे 22.14 लाख मतदाताओं के नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत दक्षिण भारत के चार राज्यों की ड्राफ्ट मतदाता सूची से कुल 22.14 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। चुनाव आयोग के अनुसार यह कार्रवाई मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाने के उद्देश्य से की गई है। हटाए गए नामों में कर्नाटक के 6.12 लाख, आंध्र प्रदेश के 5.80 लाख, तमिलनाडु के 5.40 लाख और तेलंगाना के 4.82 लाख मतदाता शामिल हैं। आयोग का कहना है कि यह केवल ड्राफ्ट सूची है और अंतिम सूची जारी होने से पहले सभी दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। जिन मतदाताओं के नाम सूची से हट गए हैं, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत दावा या आपत्ति दर्ज कराकर अपने दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं। सत्यापन के बाद पात्र पाए जाने पर उनके नाम दोबारा मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे। चुनाव आयोग ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय रहते अपनी मतदाता जानकारी की जांच करें और किसी भी त्रुटि की स्थिति में निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन अवश्य करें।

कर्नाटक में बिना हेडलाइट चल रही बसें, विपक्ष ने लगाए सरकार पर अनदेखी के आरोप

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में सरकारी बस सेवाओं को लेकर विवाद गहरा गया है। सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ वीडियो और तस्वीरों में दावा किया गया कि कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम की कुछ बसें हेडलाइट खराब होने से रात में मोबाइल की टॉर्च के सहारे चलाई जा रही हैं। दावा किया जा रहा है राज्य सरकार के पास फंड नहीं है, जिसके चलते इन बसों की लाइटों को ठीक नहीं करवाया गया। हालांकि इस पूरे मामले को लेकर विपक्ष ने राज्य सरकार पर परिवहन व्यवस्था की अनदेखी के आरोप लगाए हैं। वहीं इस पूरे मामले में केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारास्वामी ने एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि भारी उद्योग मंत्रालय ने पीएम ई-ड्राइव स्कीम के तहत 4,500 इलेक्ट्रिक बसें आवंटित की थीं। दिसंबर 2025 में ही कन्फर्मेशन मिलने के बावजूद राज्य सरकार लेटर ऑफ़ अवार्ड तक जारी नहीं कर पाई है, जिससे पूरी प्रक्रिया रुकी गई है।

नितिन नवीन को लेकर भाजपा और आप में जुबानी जंग

-पीएम मोदी और अरविंद केजरीवाल के बीच सोशल मीडिया पर हुई तकरार

-आप कौन हैं, टिप्पणी से शुरू हुआ था विवाद, राम मंदिर मुद्दे तक पहुंचा राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच सोशल मीडिया पर शुरू हुई जुबानी जंग अब और तेज हो गई है। विवाद की शुरुआत आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की एक टिप्पणी से हुई थी, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना नाम लिए प्रतिक्रिया दी। इसके जवाब में केजरीवाल ने भी प्रधानमंत्री के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए राम मंदिर से जुड़े मुद्दे उठाए हैं।

यहां बताते चलें कि पूरा विवाद रविवार को उस समय शुरू हुआ, जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन लखनऊ दौरे पर शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में उन्होंने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल यह भ्रम न पालें कि हिंदू समाज उनके बहकावे में आने वाला है।

नितिन नवीन के इस बयान से संबंधित भाजपा की एक पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए दिल्ली के पूर्व सीएम और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने संक्षिप्त टिप्पणी की, आप कौन हैं? इसके बाद यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई और चर्चा का विषय बन गई। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पत्रकार पीयूष पद्माकर की एक पोस्ट का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए लिखा कि यह सादगी और सरलता हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए गर्व की बात है। पीयूष पद्माकर ने अपनी पोस्ट में नितिन नवीन के छात्र जीवन और राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए उन्हें विनम्र और सरल व्यक्तित्व का नेता बताया था। राजनीतिक हलकों में प्रधानमंत्री की इस पोस्ट को केजरीवाल की टिप्पणी का अप्रत्यक्ष जवाब माना गया। प्रधानमंत्री मोदी की पोस्ट के बाद अरविंद केजरीवाल ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री ने नितिन नवीन के बारे में जानकारी देने के लिए धन्यवाद, लेकिन साथ ही सवाल किया कि देश यह जानना चाहता है कि राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी, जमीन घोटाले और निर्माण में कथित अनियमितताओं के आरोपों में कार्रवाई कब होगी और दोषियों को सजा क्यों नहीं दी जा रही है।

केजरीवाल की इस प्रतिक्रिया के बाद राम मंदिर से जुड़े मुद्दे भी राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गए हैं। फिलहाल भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच सोशल मीडिया के जरिए आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है, जिससे राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया है।

भारत की शरण में तिब्बती संघर्ष- दलाई लामा के 91वें जन्मदिन पर विशेष

नई दिल्ली (एजेंसी)। बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा अपना 91वां जन्मदिन मना रहे हैं। खुद को एक साधारण भिक्षु कहने वाले दलाई लामा ने बीते 60 सालों से अधिक समय से तिब्बत के लोगों और उनके हितों के लिए अथक प्रयास किए हैं। इस वैश्विक संघर्ष में भारत उनकी कर्मभूमि रहा है, जिसने उनके मिशन को एक नया जीवन दिया। 14वें दलाई लामा, ल्हामो धोंदुप का जन्म 06 जुलाई 1935 को किंघई प्रांत के एक किसान परिवार में हुआ था और महज दो साल की उम्र में उन्हें तिब्बत के आध्यात्मिक नेता के 14वें अवतार के रूप में पहचाना गया। साल 1950 में चीन ने तिब्बत पर शांतिपूर्ण मुक्ति का दावा कर कब्जा किया। किशोर दलाई लामा ने शुरुआती दौर में चीनी नेताओं से मुलाकातें कीं, लेकिन तिब्बत में चीनी दमन और ज्यादतियां जल्द ही मुखर होने लगीं। मार्च 1959 में, दलाई लामा को बिना अंगरक्षक के एक चीनी जनरल द्वारा नृत्य प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया, इस आंमत्रण ने अपहरण की आशंकाओं को जन्म दिया। हजारों तिब्बतियों ने उनके महल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, और चीनी हमले की अफवाहों के बीच 17 मार्च 1959 की रात को, तत्कालीन 23 वर्षीय दलाई लामा को सैनिक वेश में अपने परिवार और शीर्ष अधिकारियों के साथ ल्हासा से भागना पड़ा। उन्होंने भारतीय वाणिज्य दूत से भारत में शरण का अनुरोध किया। भारत ने, तिब्बत को हमेशा एक स्वतंत्र देश मानते हुए (हालांकि 1954 में पंचशील समझौते के तहत चीन के तिब्बत क्षेत्र के रूप में स्वीकार किया गया था), दलाई लामा का स्वागत किया। कुछ समय अरुणाचल प्रदेश के तवांग मठ में रुकने के बाद, पंडित नेहरू से मुलाकात के बाद 03 अप्रैल 1959 को उन्हें औपचारिक रूप से शरण दी गई। हिमाचल प्रदेश का धर्मशाला जल्द ही चीनी दमन से भाग रहे हजारों तिब्बती शरणार्थियों का घर बन गया और दलाई लामा ने भी वहीं स्थायी निवास बनाकर निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना की। भारत के इस साहसिक कदम ने चीन को नाराज कर दिया।

करूर भगदड़: सीएम और मंत्रियों की बयानबाजी रोकने की याचिका पर आज सुनवाई

– डीएमके नेता आरएस भारती ने दायर की याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु के करूर भगदड़ मामले में मंगलवार को सुनवाई करेगा। यह सुनवाई द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) द्वारा दाखिल की गई याचिका पर होगी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राज्य के मुख्यमंत्री विजय और कुछ मंत्री सीबीआई जांच को प्रभावित करने वाले सार्वजनिक बयान दे रहे हैं। जस्टिस अहसनुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस शील नागु की पीठ महत्वपूर्ण मामले को सुनेगी, जिसमें गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और मंत्रियों की बयानबाजी पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है।

दरअसल डीएमके नेता आरएस भारती ने अपनी याचिका में मंत्री आधव अर्जुन के बयानों का हवाला दिया है, जो इस मामले में खुद एक आरोपी हैं। याचिका में कहा गया है कि अर्जुन ने हाल ही में सार्वजनिक कार्यक्रम में हिसाब बराबर करना है जैसे भड़काऊ बयान दिए और करूर भगदड़ के लिए पिछली डीएमके सरकार को जिम्मेदार ठहराया। डीएमके का आरोप है कि इसतरह के बयान जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप करते हैं और राजनीतिक लाभ के लिए जनता की राय को प्रभावित करने का प्रयास है, जो सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में चल रही सीबीआई जांच के लिए अनुचित है।

याचिका में मुख्यमंत्री विजय के आगामी करूर दौरे पर भी चिंता जाहिर की गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय 10 जुलाई को करूर जाकर भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों को सरकारी सहायता और अनुकंपा नियुक्तियां प्रदान कर सकते हैं। डीएमके का मानना है कि यह कदम भी जांच को प्रभावित कर सकता है और पीड़ितों या उनके परिवारों को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर सकता है। डीएमके की याचिका में कोर्ट से आग्रह किया गया है कि सीबीआई जांच की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित पक्षों, विशेषकर सत्ता में बैठे लोगों को सार्वजनिक बयानबाजी से रोका जाए।

यह मामला बीते साल 27 सितंबर को करूर जिले में हुई एक भीषण भगदड़ से जुड़ा है। मुख्यमंत्री विजय की एक चुनावी रैली के दौरान भारी भीड़ और कथित कुप्रबंधन के कारण हुई घटना में 41 लोगों की जान चली गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंपी थी, जिसकी निगरानी पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी के नेतृत्व वाली एक समिति कर रही है।

इजरायली पीएम नेतन्याहू ने की भारत की तारीफ... कांग्रेस को लगी मिर्ची

मोदी सरकार पर इजरायल के प्रति अंधभक्ति का लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल ही में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बयान पर प्रतिक्रिया देकर भारत और भारतीयों की जमकर तारीफ की थी। उपराष्ट्रपति वेंस ने इजरायल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ने की बात कही थी, जिसके जवाब में नेतन्याहू ने दावा किया था कि मित्र राष्ट्र भारत इजरायल के साथ मजबूती से खड़ा है। हालांकि, उनके बयान ने भारतीय राजनीति में हलचल मचा दी है। कांग्रेस ने न केवल नेतन्याहू,बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी निशाने पर लेकर भारत के मूल्यों से विश्वासघात बताया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने नेतन्याहू के दावे को सीधे तौर पर खारिज किया कि उन्हें भारत से जबरदस्त समर्थन प्राप्त है। कांग्रेस नेता रमेश ने लिखा, पीएम नेतन्याहू गलत हैं। उन्होंने मोदी सरकार पर इजरायल के प्रति अंधभक्ति का आरोप लगाकर कहा कि करोड़ों भारतीय इजरायल द्वारा गाजा में किए जा रहे नरसंहार की निंदा करते हैं, जिसमें बच्चों को भी बख्शा नहीं गया है। कांग्रेस नेता रमेश ने वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के जबरन विस्थापन, ईरान पर भारी हवाई हमलों और दक्षिणी लेबनान में क्रूर सैन्य हमलों की भी कड़ी निंदा की। उन्होंने इन कार्रवाइयों को मानवता पर सीधे हमले बताया।

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी की पत्थर जैसी चुप्पी को भारत की सभ्यतागत विरासत और मूल्यों के साथ विश्वासघात बताया। उनके अनुसार, स्वयंघोषित विश्वगुरु की इजरायल की इन कार्रवाइयों पर ऐसी चुप्पी पूरी तरह अस्वीकार्य है। कांग्रेस नेता रमेश ने स्पष्ट किया कि नेतन्याहू जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़े नेता से तमगा मिलना भारत के लिए कोई सम्मान की बात नहीं है। उन्होंने दावा किया कि नेतन्याहू के प्रति खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जिन्हें प्रधानमंत्री मोदी अपना अच्छा मित्र मानते हैं, निराशा और गुस्से में हैं।

दरअसल, पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध रोकने की डील को लेकर इजरायल और डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन में मतभेद सामने आए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इजरायली पीएम नेतन्याहू से कहा था कि उन्हें समझना चाहिए कि इजरायल अब दुनिया में अलग-थलग पड़ चुका है और उसे केवल अमेरिका जैसी बड़ी ताकत का साथ मिल रहा है। वेंस के बयान पर प्रतिक्रिया देकर नेतन्याहू ने अमेरिका को याद दिलाया कि भारत जैसे विशाल और शक्तिशाली देश के लोगों का जबरदस्त समर्थन प्राप्त है। कांग्रेस को बेंजामिन नेतन्याहू की यही बात खटक गई और केंद्र सरकार को घेर लिया है।

एलओसी पर मंडराता नजर आया पाक ड्रोन, भारतीय सेना ने चलाया तलाशी अभियान

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिलों में आतंकवादियों की घुसपैठ और हथियारों की तस्करी के लिए पाकिस्तानी साजिशें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। सोमवार तड़के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे अग्रिम इलाकों में एक बार फिर संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन की हलचल देखी गई। ड्रोन की इस संदिग्ध गतिविधि के बाद भारतीय सेना और स्थानीय पुलिस ने पूरे इलाके को घेरकर एक बड़े स्तर पर तलाशी अभियान की शुरुआत की है। अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक यह घटना रविवार देर रात की है, जिसके बाद सोमवार सुबह होते ही सुरक्षाबलों ने चप्पे-चप्पे को खंगालना शुरू कर दिया। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक रविवार और सोमवार की दरमियानी रात राजौरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर के अग्रिम गांवों मीनका और बेरीपट्टन के आसमान में एक उड़ती हुई संदिग्ध वस्तु देखी गई। यह वस्तु हूबहू एक सैन्य या जासूसी ड्रोन जैसी लग रही थी। एलओसी के बिल्कुल करीब स्थित इन गांवों के ऊपर यह ड्रोन कुछ समय तक मंडराता रहा। भारतीय सीमा में घुसपैठ करने के कुछ ही मिनटों बाद यह संदिग्ध ड्रोन वापस पाकिस्तान की सीमा की ओर लौट गया। सीमा पर तैनात सतर्क जवानों ने जैसे ही इसकी भिनभिनाहट सुनी और रोशनी देखी, तुरंत पूरे सुरक्षा तंत्र को हाई अलर्ट पर डाल दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन के वापस लौट जाने के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने बिना वक्त गंवाए मीनका और बेरीपट्टन समेत आसपास के पूरे जंगली और मैदानी इलाके की घेराबंदी कर दी। सोमवार सुबह पहली किरण के साथ ही सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान शुरू किया। आमतौर पर सीमा पार से आने वाले इन ड्रोनों का इस्तेमाल पाकिस्तान में बैठे आतंकी आका दो मुख्य मकसदों के लिए करते हैं। घाटी में सक्रिय आतंकियों के लिए आईईडी, पिस्तौल, ग्रेनेड या अत्याधुनिक राइफलें गिराना।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने राहुल गांधी का ज़िक कर पीएम मोदी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत द्वारा मानसिक रूप से अस्थिर बताए जाने के बाद पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बौखलाहट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की विश्वसनीयता पर सवाल उठा दिया हैं। उन्होंने कहा कि उन पर निजी हमले न, तब भारत की समस्याओं का समाधान करे और न ही देश-विदेश में पीएम मोदी की गिरती साख को बहाल करे। भारतीय मिसाइल हमलों को रोकने में विफल रहने वाले आसिफ ने फिर भारत पर प्रोपेगेंडा फैलाने का आरोप लगाकर दावा किया कि उन पर किए जा रहे हमले मोदी की अंतरराष्ट्रीय छवि और उन्हें मिले विदेशी सम्मानों से जुड़े सवालों से ध्यान भटकाने की कोशिश है।

अपने पोस्ट में ख्वाजा आसिफ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जिक्र किया, जिन्होंने पहले पीएम मोदी को मिले पुरस्कारों की आलोचना की थी। आसिफ ने दावा किया कि राहुल गांधी भी मोदी को मिले पुरस्कारों को एआई-जनरेटेड या खुद से मैनेज किए बता चुके हैं, जिससे एक वैश्विक धोखेबाज के रूप में उनकी प्रतिष्ठा बढ़ी है। पाकिस्तानी मंत्री ने रिपोर्ट का हवाला देकर कहा कि विदेशी अखबार ने

भी मोदी को मिले कुछ पुरस्कारों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा कि मोदी के विदेशों से नकली सम्मान हासिल करने के हताश प्रयास उनकी उस साख को स्थिर करने की कोशिश है, जो देश में दयनीय रूप से अस्थिर है, खासकर पिछले साल पाकिस्तान से मिली हार के बाद।

दरअसल, पाकिस्तानी सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार और रक्षा मंत्री आसिफ जैसे कई पाकिस्तानी नेता प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया के देशों से मिले सर्वोच्च सम्मानों को पचा नहीं पा रहे हैं। वे मोदी पर इन सम्मानों को सोच-समझकर किए गए जनसंपर्क अभियान में बदलने का आरोप लगाते हैं। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वर्ष 2016 से अब तक दुनिया के 34 विभिन्न देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से सर्वोच्च नागरिक और राजकीय सम्मान मिल चुके हैं। वह इतिहास में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय सम्मान पाने वाले भारतीय नेता हैं। पीएम मोदी को नॉर्वे, स्वीडन, इजरायल, रूस (सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द अपोस्टल), फ्रांस (सर्वोच्च नागरिक और सैन्य सम्मान), अमेरिका (लीजन ऑफ मेरिट-चीफ कमांडर डिग्री), कुवैत, मिस्र, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, मालदीव, फिलीस्तीन और अफगानिस्तान जैसे देशों से सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुए हैं।

भरत तिवारी एनकाउंटर पर अलग-थलग पड़े अशोक चौधरी

-मंत्री के बयान से जेडीयू ने बनाई दूरी, न्यायिक जांच के बीच सियासी हलचल तेज

पटना (एजेंसी)। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के भरत तिवारी कथित एनकाउंटर मामले को लेकर जनता दल (यूनाइटेड) के भीतर अलग-अलग राय सामने आती दिख रही है। बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी द्वारा एनकाउंटर पर सवाल उठाने और पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद अब उनकी ही पार्टी ने उनके बयान से दूरी बना ली है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री श्रवण कुमार ने स्पष्ट किया है कि अशोक चौधरी की टिप्पणियां उनकी व्यक्तिगत राय हैं, न कि पार्टी या बिहार सरकार का आधिकारिक रुख।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रवण कुमार ने कहा, कि भरत तिवारी के घर अशोक चौधरी का दौरा भी निजी था और उसे सरकार या पार्टी के रुख के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए यह भी कहा कि सार्वजनिक

जीवन में नेताओं को सोच-समझकर बयान देना चाहिए, ताकि किसी तरह का भ्रम पैदा न हो। दरअसल, अशोक चौधरी ने 5 जुलाई को भोजपुर जिले के बिलौटी गांव पहुंचकर भरत तिवारी के परिजनों से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने कथित मुठभेड़ पर सवाल उठाए थे और भरत तिवारी को बहादुर संतान बताते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा निष्पक्ष जांच की बात कही थी। उन्होंने परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा भी दिया था।

मुलाकात के बाद अशोक चौधरी ने कहा था कि उन्हें मामले के कई ऐसे पहलुओं की जानकारी मिली है, जिनसे वे पहले अवगत नहीं थे। उन्होंने कहा कि वह इन सभी तथ्यों से मुख्यमंत्री को अवगत कराएंगे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी साझा करेंगे। उन्होंने पीड़ित परिवार को आश्वस्त किया कि मामले में निष्पक्ष जांच होगी और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। गौरतलब है कि भोजपुर जिले में 17 जून को हुई कथित पुलिस मुठभेड़ में भरत तिवारी की मौत के बाद इस मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया था। बढ़ते विवाद के बीच बिहार सरकार पहले ही इस घटना की न्यायिक जांच के आदेश दे चुकी है। अब अशोक चौधरी के बयान से पार्टी द्वारा दूरी बनाए जाने के बाद इस मुद्दे पर जेडीयू के भीतर मतभेद की चर्चा भी तेज हो गई है।

केतन हत्याकांड: सिया ने राजा रघुवंशी केस और कस्टडी में हिंसा पर की थी रिसर्च

पुणे (एजेंसी)। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड की मुख्य आरोपी सिया गोयल ने वारदात को अंजाम देने से पहले इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड का गहन अध्यान किया था। पुलिस ने सिया के मोबाइल फोन की सर्च हिस्ट्री से पता लगाया है कि सिया ने पुलिस हिरासत में महिलाओं के साथ मारपीट की संभावनाओं पर भी इंटरनेट पर सर्च किया था। यह चौंकाने वाली जानकारी सिया के दोनों मोबाइल फोन की जांच से सामने आई है, जिसमें से एक हाल ही में उसके बेडरूम से जब्त किया है।

सिया और उसके प्रेमी चेतन चौधरी पर 18 जून को केतन को पुणे के लोहगढ़ किले से 400 फीट गहरी खाई में धक्का देने का आरोप है। फिलहाल दोनों आरोपी 16 जुलाई तक येरवदा जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना के अगले ही दिन सिया केतन के घर पहुंचकर उसके पिता को सांत्वना देती रही और बोली कि केतन उन्हें ऊपर से देख रहा है। जांच में सामने आया कि 18 से 23 जून तक दोनों आरोपी सामान्य जिंदगी जीते रहे और गिरफ्तारी के बाद भी उनके चेहरों पर पछतावा नहीं दिखा।

जांच में पता चला है कि केतन की हत्या का प्लान 31 मई को तब सूझा जब केतन ने सिया से ट्रेकिंग के लिए लोहगढ़ किले चलने को कहा। हत्या को अंजाम देने से पहले दो बार असफल कोशिशें की गईं। 5 जून को सिया ने बाली की यात्रा रोकने के लिए केतन का पासपोर्ट छिपाया। इसके बाद 14 जून को सिया ने केतन को दोबारा धक्का दिया, लेकिन वह पेड़ के सहारे बच गया और सिया ने सांप का बहाना बनाकर अपनी हरकत को छिपाया। अंततः 18 जून को प्री-वेडिंग फोटोशूट के बहाने केतन को किले पर बुलाया गया, जहां चेतन के साथ मिलकर उसे खाई में धकेल दिया गया।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि केतन की हत्या का दूसरा आरोपी चेतन चौधरी एक ही मोबाइल में दो नंबर इस्तेमाल कर सिया से कोडवर्ड में बात करता था। राजा रघुवंशी हत्याकांड, जिसमें कारोबारी राजा को उसकी पत्नी और प्रेमी ने मेघालय में खाई में धकेला था, सिया के लिए एक संभावित प्रेरणा स्त्रोत बना, जिससे उसकी आपराधिक मानसिकता और पूर्वनियोजित साजिश का पता चलता है। घटना के कुछ चश्मदीद भी मिले हैं जिनके बयान जांच को और मजबूत कर रहे हैं।

हार्ट अटैक से सीआरपीएफ हवलदार का निधन, गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुआ अंतिम संस्कार

गोंडा। सीआरपीएफ में तैनात हवलदार श्याम बिहारी पांडेय (46) का बृहस्पतिवार सुबह नाश्ता करने के बाद बैरक में जाते समय हृदयाघात से निधन हो गया। श्रीनगर की 79 बटालियन में तैनात श्याम बिहारी पांच दिवसीय प्रमोशन ट्रेनिंग के लिए मध्य प्रदेश के नीमच गए थे। शुक्रवार को शव उनके पैतृक गांव गोंडा के नरायनपुर जैसिंह पहुंचा तो पूरे इलाके में शोक की लहर दौ? गई। परिजनों की चीत्कार से माहौल अत्यंत गमगीन हो गया। छोटे भाई अवध बिहारी पांडेय ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह भाई से फोन पर बात हुई थी। उन्होंने नाश्ता करने और आराम के लिए बैरक में जाने की बात कही थी, लेकिन किसे पता था कि अनहोनी हो जाएगी। शव लेकर पहुंचे सीआरपीएफ के कांस्टेबल जीडी संतोष कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव पर केमिकल लेप लगाने के लिए उदयपुर ले जाया गया। वहां सेना के वाहन द्वारा अहमदाबाद और फिर शुक्रवार को विमान से लखनऊ लाया गया। लखनऊ आशियाना स्थित 93वीं बटालियन के वाहन से शव को पैतृक गांव पहुंचाया गया। बिहारी पांडेय का शव दोपहर करीब 12:30 बजे पैतृक गांव पहुंचा। इसके बाद सरयू नदी के पंचवटी स्थित शुद्धेवीर घाट पर सीआरपीएफ की 63वीं बटालियन अयोध्या के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। ब? बेटे अविनाश ने नम आंखों से पिता को मुखाग्नि दी। हवलदार श्याम बिहारी पांडेय तीन भाइयों में सबसे ब? थे। उनके पिता परशुराम पांडेय पीएसी से सेवानिवृत्त हुए थे। उनका निधन हो चुका है। श्याम बिहारी के असमय निधन से उनकी पत्नी सुनीता और वृद्ध मां कृष्णा देवी बेसुध हैं। दो बेटे अविनाश (27), आयुष (20) और एक बेटी प्रियंका (17) हैं।

छतारी में काली नदी पुल के पास दो ट्रकों की भिड़ंत, एक चालक की मौत, दूसरा गंभीर घायल

बुलंदशहर। बुलंदशहर के छतारी में शुक्रवार देर रात करीब 12:30 बजे काली नदी पुल के पास एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई। दो ट्रकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में एक टैंकर चालक की दुखद मौत हो गई, जबकि दूसरे ट्रक का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक टैंकर चालक की पहचान सुभोष शर्मा के रूप में हुई है। वह बालमुकुंद शर्मा के पुत्र और जनपद मेरठ के मऊ खास, थाना मुंडाली के निवासी थे। वहीं, घायल ट्रक चालक का नाम रमेश है। रमेश पुत्र रामकुमार, जनपद रामपुर के बिसपुरी, थाना सैफनी के रहने वाले हैं। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दानपुर पहुंचाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दानपुर में चिकित्सकों ने सुभोष शर्मा को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल रमेश को प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए अलीगढ़ रेफर कर दिया।

केजीएमयू की कैंटीन में कॉकरोच पार्टी, फ्रीजर के अंदर घूम रहे कॉकरोच

लखनऊ। केजीएमयू के शताब्दी फेज-2 की कैंटीन में कॉकरोच पार्टी चल रही है। कैंटीन में लगे फ्रीजर के अंदर कॉकरोच घूम रहे हैं। मरीजों और तीमारदारों की सेहत से खिलवाड़ हो रहा है। फ्रीजर में रखी खाने-पीने के सामानों पर कॉकरोच टहल रहे हैं। शुक्रवार को फ्रीजर में मौजूद कॉकरोच का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कैंटीन की सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। शताब्दी फेज-1 और फेज-2 को जोड़ने वाले रैंप के पास कैंटीन है। इसमें रोजाना बड़ी संख्या में मरीज, तीमारदार और कर्मचारी खाने की सामग्री खरीदते हैं। कई बार मरीजों के लिए भी यहीं से खाद्य सामग्री ले जाई जाती है। ऐसे में फ्रीजर में रखे सामान पर कॉकरोच की मौजूदगी से संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ गई है। कैंटीन के कांच वाले फ्रीजर में केक, पेटीज, पेस्ट्री, सैंडविच समेत कई खाने का सामान रखा हुआ है। शुक्रवार को फ्रीजर के भीतर कॉकरोच घूमते नजर आए। तीमारदारों ने जब इस पर आपत्ति जताते हुए कैंटीन संचालक से शिकायत की। आरोप है कि उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया। संचालकों ने यह कहकर बात टाल दी कि कॉकरोच से कुछ नहीं होता है। केजीएमयू प्रवक्ता डॉ. केके सिंह का कहना है कैंटीन के फ्रीजर में रखे सामान में कॉकरोच घूमने का वीडियो मिला है। संबंधित कैंटीन संचालक से जवाब तलब किया गया है। जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी। संक्रमण फैलने का खतरा मरीजों की देखभाल के लिए अस्पताल परिसर में साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा के मानकों का पालन बेहद जरूरी माना जाता है। कॉकरोच गंदगी और संक्रमण फैलाने वाले जीवों में शामिल हैं

प्यार की सजा या पिता की जिद, 20 सेकंड में बेटी का कत्ल; 'थाना मर्डर' केस में खाकी की कहां चूक ?

बांदा। बांदा जिले के बदौसा थाना परिसर में 10 जून को जो हुआ, उसने उत्तर प्रदेश पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। थाना परिसर, जिसे सुरक्षा का सबसे सुरक्षित स्थान माना जाता है। वहां एक पिता ने अपनी ही बेटी शिवानी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। आइए, जानते हैं इस दिल दहला देने वाली घटना के पीछे का पूरा सचच बदौसा थाने में बेटी की चाकू मारकर हत्या के मामले में बदौसा थाने के परिसर में पुलिस ने सीन रिक्रिएशन कराया। सीन रिक्रिएशन (हूबहू दोबारा) में पिता हत्या करने से पहले अपनी बेटी के पांव छूता और उसके गिड़गिड़ाते हुए मिन्नत करता है कि वह यह रिश्ता तोड़ दे। इधर, बेटी शिवानी हाथ जोड़कर पति के साथ रहने की जिद पर अड़ी रहती है। वारदात होने से पहले यह दृश्य सभी पुलिस वाले देख रहे थे। इस कारण वह उसे थाने के बरामदे में छोड़ कुछ दूरी पर खड़े हो गए। 20 सेकंड के भीतर पिता ने ताबड़तोड़ पांच वार कर दिए। वह चीखी तो पुलिस दौड़ कर पहुंची। अतर्रा सीओ प्रतिज्ञा सिंह ने बताया कि बरहा इंद्रा कॉलोनी निवासी 19 वर्षीय शिवानी ने पड़ोसी ललित से शादी की थी। जिसे पुलिस 24 दिन बाद मध्य प्रदेश से थाने लाई थी। थाने में पिता सत्यकुमार ने बेटी को समझाने का प्रयास किया, लेकिन शिवानी जिद पर अड़ी रही। न मानने पर हत्यारोपी पिता ने शिवानी पर चाकू से पांच वार कर दिए । लहूलुहान शिवानी ने दम तोड़ दिया। मां की तहरीर पर पिता के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। वहीं पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने इस मामले की विभागीय जांच नगर क्षेत्राधिकारी सौरभ सिंह को सौंप सात दिन में रिपोर्ट मांगी है। मृतक शिवानी की मां रन्नो ने पिता सत्यकुमार चौहान के खिलाफ तहरीर दी, जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज हुई। घटना के चौथे दिन भी प्रेमी ललित के घर के बाहर पुलिस का कड़ा पहरा रहा। ललित और उसका परिवार आरोपी पिता के जेल जाने के बाद भी भय में जी रहा है। ललित की मां मीरा ने अपने बेटे और परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि थाने में बेटी को मारने वाला पिता बाहर आकर उन्हें नहीं बख्शेगा। बीते शुक्रवार को पुलिस ललित और शिवानी को थाने लाई थी। शिवानी के माता-पिता उससे मिलने पहुंचे और समझाने का प्रयास किया। इसी दौरान पिता सत्यकुमार चौहान ने छिपाकर लाए चाकू से शिवानी पर कई वार किए। इस घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता अवधेश तिवारी ने उत्तर प्रदेश पुलिस विनियम का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार व्यक्ति से मिलने वालों की तलाशी ली जाती है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि कोई प्रतिबंधित वस्तु अंदर न जाए। तिवारी का मानना है कि नियमों का पालन होता तो यह घटना नहीं होती। दिवंगत शिवानी का पति ललित अपने परिवार के साथ इंद्रानगर का घर छोड़ चुका है। वे नई बाजार मुहल्ले के गली वाले घर में दुबक कर रह रहे हैं। वहां दो पुलिसकर्मी भी सुरक्षा के लिए तैनात किए गए हैं। शिवानी की मां रन्नो ने बताया कि बेटी के जाने के बाद पिता आग-बबूला था और शराब पीने लगा था। वह शिवानी को सबक सिखाने की बात करता था और बीते वर्ष कांवड़ यात्रा में मिली चाकू अपने साथ रखता था। बदौसा थाना परिसर में 10 जून को अनुसूचित जाति के युवक से शादी करने वाली युवती शिवानी की हत्या के मामले में थानाध्यक्ष, दिवस अधिकारी और महिला आरक्षी को लाइन हाजिर किया गया है। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने यह कार्रवाई सीओ सदर की जांच रिपोर्ट के आधार पर की है। जांच में पाया गया कि थानाध्यक्ष अजीत प्रताप सिंह, दिवस अधिकारी उपनिरीक्षक सुरेंद्र मिश्रा और महिला आरक्षी राखी ने सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही और ड्यूटी के दौरान अपेक्षित सतर्कता नहीं बरती। इसी वजह से पिता सत्य कुमार सिंह ने चाकू से वारकर शिवानी की हत्या कर दी। सूत्रों के अनुसार रिपोर्ट में युवती की सुरक्षा को लेकर पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जाने का भी जिक्र किया गया है।

गुमशुदा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि तेजस भड़ाना उम्र- 15 साल माधोपुरा, गाजियाबाद 27 जून की सुबह 11 बजे माधोपुरा,

गाजियाबाद गायब हो गया है जिसका अभी तक कोई पता नहीं चल सका, जिसकी एफआईआई थाना विजय नगर गाजियाबाद में दर्ज है। यदि किसी सज्जन को उक्त गुमशुदा के संबंध में कोई जानकारी मिले तो कृपया निम्न नंबरों पर सूचित करने का कष्ट करें।

रमेश चन्द्र- 94650225106
आर्यन- 8287496121,
राघव- 8287496121

NAME CHANGE

I, MUHAMMAD RAHIM S/o Samiullah Shekh R/o RZ-17, Kailash Puri Extn., Palam Village, Delhi-110045, have changed my name to MOHAMMAD RAHIM permanently.

NAME CHANGE

I, ARTI GADIYA W/O SURESH KUMAR GADIYA R/O HOUSE NO. S-92 FF BLOCK SIDE SCHOOL BLOCK SHAKARPUR EAST DELHI, DELHI - 110092, HAVE CHANGED MY NAME TO ANJALI FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE

I RAYEES AHMED S/O SYED SIDDIQ ALI R/O H NO 1965 NALANDA POCKET NEAR NALANDA SCHOOL SECTOR-8 FARIDABAD SECTOR-7 HARYANA 121006 HAVE CHANGED MY NAME TO SYED RAYEES AHMED

NAME CHANGE

I, PRASHANT KUMAR S/o NARSINGH CHARAN KHUNTIA R/o D-731, Ground Floor, C R Park, Delhi-110019, have changed my name to PRASHANT KUMAR KHUNTIA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Khalid Khan S/O LATE Mr. SAGEER AHMED R/O 3064,3rd Floor Shyam Bhawan Darya Ganj Delhi-110002, I have changed my name from MOHAMMAD KHALID KHAN TO KHALID KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Shaila Paul D/O Krishan Sandooja R/O Dg-2, 96 C SFS Flats Vikas Puri Weset Delhi 110018 Have changed my name to Shaila Sandooja for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Anjana Bansal W/O Sushil Kumar Bansal R/O C-479/F, Majlis Park Azadpur, N.S Mandi North West Delhi 110030 have changed my name to Anjana Bansal for all future purposes.

NAME CHANGE

I RAFAT NIGAR D/O MD MUSA ANSARI R/O ROOM NO -14 ,E-12 / 88 HAUZ RANI MALVIYA NAGAR DELHI 110017 have changed my name to RAFAT NEGAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MOHAMMAD ASLAM S/O MOHAMMAD ISLAM R/O S-45 , BLOCK -S JOGA BAI EXTN NEW FRIENDS COLONY JAMIA NAGAR DELHI- 110025 have changed my name to MOHD ASLAM Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I JASWINDER KAUR BHARARA W/O PARAMPAL SINGH R/O FLAT NO- 10 PANCHDEEP APARTMENTS, VILAS PUR NEW DELHI -110018 have changed to JASVINDER KAUR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, No.-15419170Y Rank-HAV Name-MOHAN LAL JAT legal father of MANSHI residing at- VILL-VISHANPURA CHARANWAS, PO-ETAWA BHOPJI, TEHSIL-CHOMU, DIST-JAIPUR, RAJASTHAN-303804, have changed my minor daughter's name from MANSHI to MANSI CHOUDHARY for all future purposes vide affidavit dated 06/07/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto Known as AARJU CHAUDHARY D/o AMARJEET SINGH residing at B-221, 3rd Floor, B – Block Mandir, Phase – 1, Ashok Vihar, North West Delhi - 110052 have changed my name and shall hereafter be known as AARZU CHAUDHARY

NAME CHANGE

It is for general information that I, RINKU KUMAR YADAV S/o RAMGOPAL YADAV , R/o Village-Baraula, Sector - 49, Noida, Tehsil – Dadri, District – Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, declare that name of my minor daughter has been wrongly written as RINKU KUMAR YADAV in my daughter namely UMANG YADAV, aged 6 years in her Aadhar Card No. 9564 9439 5636. The actual name of my minor daughter is UMANG YADAV, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I SUNITA DEVI Legally wife of Army No. - 15213880W Rank - HAV, Name - RISHIRAJ Presently Residing At, village : khaperiya Post- TASSING Teh - BEHROR, Dist - KOTPUTLI BEHROR State-RAJASTHAN Pin - 301701 have changed my name from SUNITA DEVI to SUNITA for all future purposes, Vide Affidavit dated 06/07/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I JULFEKAR S/o SHABIR AHMED R/o H.N. – B 357 , Near Pankha Road , JJ Colony , Uttam Nagar , West Delhi , Delhi – 110059 declare that the name of mine and my Father has been wrongly written as JULAF KAAR and SABBIR AHMAD in my Passport No. C4285709. The actual name of mine and my Father are JULFEKAR and SHABIR AHMED respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

General Public is informed that my client Saif Khan Resident of 2158, First Floor, MP Street, Darya Ganj, New Delhi, is the co-owner and sharer of his ancestral properties that is i.e. (1.) Property Number 2158 and 2159 Pataudi House Darya Ganj, New Delhi (2.) Farid Book Depot Pvt Ltd 216, and 218, S.V.P. Road, Dongri Near Khoja Qabristan, Mumbai-9 and he has undivided share in said properties. The said properties can not be sold out without the consent of my said client anybody dealing or purchasing the said property without the consent of my client can do so at his on cost and risk.

PARTH GUPTA Advocate
Ch. No. C&D, Chandrika Hotel,
4/9, Asaf All Road, New Delhi

NAME CHANGE

I, Vinod Kumar S/O Dhoop Singh, R/O Ward No 5, Behind Radha Swami Satsang Bhawan, Dev Nagar, Ganaur, Sonipat, Haryana-131101 have changed my name to Vinod Saini for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Savita, W/O Vinod Saini, R/O Ward No 5, Behind Radha Swami Satsang Bhawan, Dev Nagar, Ganaur, Sonipat, Haryana- 131101 have changed my name to Savita Saini for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Rajesh Chauhan, S/O Kishan Lal Chauhan, R/O A-277, Dwarkadish Enclave, Sector-26, Rohini, Sector-7, Delhi-110085 have changed my Son's name from Virean to Virean Chauhan for all future purposes

NAME CHANGE

I Suman Sharma W/O Ashutosh Sharma R/O A-13 Rajpark SP Road, Nangloi, Delhi 110086 have changed my name from Suman Sharma to Suman For all future purposes.

NAME CHANGE

I Dinesh Garg, S/O Dhani Ram Garg, R/O H.NO 2942, First Floor, GALI NO.2, SGM Nagar, Block-A, Faridabad, Haryana- 121001 have changed my name to Dinesh Kumar Garg for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Harjot Kaur , D/o Gurvinder Singh Sethi, R/o H-97, Third Floor, Vikaspuri, New Delhi–110018, hereby changed my name to Harjot Kaur Sethi for all purposes.

NAME CHANGE

I BASAVARAJ S/O VIJAYAKUMAR R/O 1497-B, UGF, RIGHT SIDE, GALI NO.13, GOVINDPURI, KALKAJI, DELHI-110019, HAVE CHANGE MY NAME TO BASAVARAJ JOTEPPA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I MANAV AHUJA R/O A-16 1ST FLOOR, ANAND VIHAR, SHAHDARA, DELHI -110092 HAVE CHANGE MY MINOR SON NAME RIDHAN AHUJA TO RIDHAAN AHUJA FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I NOOR JAHAN MALIK W/O AKHTAR MALIK R/O RZ-54 GALI N0-6, TUGHLAKABAD EXTN. DELHI-110019 HAVE CHANGE MY NAME TO NOORJAHAN MALIK FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, BHAUMIK S/o VINOD YADAV R/o RZF-771/13A, Gali No.12, Raj Nagar-2, Palam Colony, Delhi-110077, have changed my name from BHAUMIK to BHAUMIK YADAV permanently.

NAME CHANGE

I, Rajender Kumar, S/O Banwari Lal, R/O 48/52 Front Side, LG Floor, West Punjabi Bagh, Delhi-110026 have changed my name to Rajender Sehgal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Sandeep Kumar Sharma, S/O Ram Kumar, R/O H No 310, Balore Road Gali No-4, Near Community Center Arya Nagar Bahadurgarh, Jhajjar-124507 have changed my minor Son's name from Namish Kaushik Alias Niyan Kaushik to Niyan Kaushik for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Harjot Kaur , D/o Gurvinder Singh Sethi, R/o H-97, Third Floor, Vikaspuri, New Delhi–110018, hereby changed my name to Harjot Kaur Sethi for all purposes.

NAME CHANGE

I, Mukesh Chandra Jha S/o Chandra Kant Jha, R/o B-211, Sanskriti Vihar, GC10 , Gaur City 2, Sector-16C, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, have changed the name of my minor daughter Thanvi Jha, aged 09 years and she shall hereafter be known as Taanvi Jha.

NAME CHANGE

I,hitherto Known as SHYORAWATI W/O JAY KISHAN R/O C-59, Sector-20, Noida, PO : Noida Dist Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh 201301 have changed my name and shall hereafter be known as SAROJ.

NAME CHANGE

I,Gaurav Pratap Singh S/o Prem Singh Chauhan R/o D-220, Sector-61, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh 201301, have changed the name of my minor Son Rachit Pratap Singh aged 4 years and he shall hereafter be known as Aruj Pratap Singh. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

It is for general information that I Deepti Mishra daughter of Shri Shivdas Mishra residing at House No. N-169, 1st Floor, Sector-12, Near Noida Stadium, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh – 201301 declare that name of mine and my father have been wrongly written as Km. Deepti and Shiv Das in my educational documents and further name of mine has been wrongly written as Deepti. The actual name of mine and my father are Deepti Mishra and Shivdas Mishra respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as SATTE S/O RAGHURAJ R/O Agraula , Loni, Ghaziabad, Uttar Pardesh, PIN code-201102 have changed my name and shall here after be known as SATPAL.

NAME CHANGE

I hitherto known as ENJAL C/O: JITENDRA SINGH, Azad Nagar, Rabupura (Rural), DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 203209 have changed my name and shall hereafter be known as ANGEL SINGH.

NAME CHANGE

I, NIKHAT W/O MOHD ZAKIR R/O HOUSE NO 465 THIRD FLOOR GALI BAHAR WALI CHATTA LAL MIAN DARYA GANJ DELHI-110002 HAVE CHANGED MY NAME FROM NIKHAT FROM NIKHAT PARVEEN FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I MOHAMED ZAKIR MOHAMOOD HASAN S/O MOHAMOOD HASAN RESIDING AT HOUSE NO. 465 3RD FLOOR GALI BAHAR WALI CHATTA LAL MAIN DARYA GANJ NEW DELHI 110002 HAVE CHANGED MY NAME FROM MOHAMED ZAKIR MOHAMOOD HASAN TO MOHAMMAD ZAKIR FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I Ashish Gupta S/O Satish Chand Gupta R/o F-270, First Floor, Sushant Lok-2, Sector-57, VTC.Wazirabad (75), P.O. Wazirabad, District Gurgaon, State Haryana-122003 have changed the name of my minor son aged 3 years from Tushit Gupta to Aryav Gupta for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as ARUN KUMAR S/O CHOHAL SINGH R/O Plot No-21, Second Floor, Sector-10A, Vasundhra, Ghaziabad Uttar Pradesh-201012 have changed my name and shall hereafter be known as ARUN KUMAR DUHOON.

NAME CHANGE

I, hitherto known as MAJID GHAZI S/O JALALUDDIN R/O 144, Ghosipur, PO: Ghosipur, DIST: Meerut, Uttar Pradesh-250002 have Changed my name and shall hereafter be known as NAEEM.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SHEIBA D/O SHAKIR HUSAIN R/O H No 116/A Makbara Ghosiyan, Meerut, PO: Meerut City, DIST: Meerut, Uttar Pradesh-250002 have Changed my name and shall hereafter be known as SHEIBA SHAKIR.

NAME CHANGE

I, NO-15734361K, Rank-NK, Name-SATHISH PM residing at VILL-PUNGAMPAPTTI, PO-CHAPPARTHI, TEHSIL & DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635106 have changed my mother's name from MUNIAMMAL to MUNIYAMMAL MADHU for all future purposes vide Affidavit dated 04/07/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-15734361K, Rank-NK, Name-SATHISH PM residing at VILL-PUNGAMPAPTTI, PO-CHAPPARTHI, TEHSIL & DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635106 have changed my father's name from MAADHU to MADHU G for all future purposes vide Affidavit dated 04/07/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, SABINA BANO W/O ZUBAIR HASSAN R/O 47/14 ZAKIR NAGAR OKHLA SOUTH DELHI DELHI-110025 declare that name of mine has been wrongly written as SABINA HASSAN in my minor son namely YOUSUF HASSAN aged 14 years in his school record.The actual name of mine is SABINA BANO which may be amended accordingly.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, No-15421477H Rank-NK Name-DAKURKAR PRABHAKAR NAMDEO Presently residing at VILL-BRAMHAWADGAON, PO-ROHINA (BK), TEHSIL-PARTUR, DIST-JALNA, MAHARASHTRA-431501, have changed my mother's name from ASHAMATI to ASHAMATI NAMDEV DAKURKAR for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 09/07/1956 instead of her correct date of birth as 25/11/1955 vide Affidavit dated 06/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, CHAVADA ZEELBA mother of NO – 15711185L, Rank - L/HAV, Name – CHAVDA MAHIPAT SINH JASAWANT SINH residing at VPO-SOJA, TEHSIL-KALOL, DIST-GANDHINAGAR, GUJRAT-382735, have changed my name from CHAVADA ZEELBA to JILABA CHAVDA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/06/1964 instead of my correct date of birth as 01/01/1969 vide Affidavit dated 06/07/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती विमला कोशिक (पत्नी श्री जय भगवान शर्मा) प्लॉट नंबर-17 (50 वर्ग गज जमीन का LIHS आधा हिस्सा, जो खसरा नंबर 755, उत्तरांचल विहार कॉलोनी, गाँव बेहटा हाजीपुर, परगना लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद, .P. में स्थित है) को श्रीमती बृज बाला की माता को बेचने जा रही हैं। यह बिक्री 20.01.2006 की नोटरीकृत जीपीए और वसीयत (जो श्री उदय वीर धामा, पुत्र श्री जगमेर द्वारा निष्पादित की गई थी) के आधार पर की जा रही है और इसके लिए स्मॉल इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का भी उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार/हित/टाइटल हे या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।.

Rahul Raj, Advocate,
SGRR Associates
LLP B-01, Plot no. 20,
Kaushambi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MRS. SARITA KUMARI IS OWNER AND IN POSSESSION OF "THIRD FLOOR, WITH ROOF RIGHTS, ADMEASURING 34 SQ.YDS. PART OF PROPERTY NO. B-55, KHASRA NO. 175/2-MIN, SITUATED IN NEW MODERN SHAHDARA, VILLAGE SHAHDARA, DELHI-110032" AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE REGD. GPA DATED 18.08.2022 AS DOC. NO. 963 ALONG WITH ATS AND WILL EXECUTED BY MR. JATIN KUMAR GOEL IN FAVOUR OF MRS. SARITA KUMARI AND PREVIOUSLY MR. JATIN KUMAR GOEL ACQUIRED THE 34 SQ. YARDS PROPERTY BASIS THE RELINQUISHMENT DEED DT. 21.06.2021 DONE BY LEGAL HEIRS OF MR. RAM NIWAS GOYAL. NOW MRS. SAVITRI DEVI IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MRS. SARITA KUMARI, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH PNB HOUSING FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 07 DAYS OF THIS PUBLICATION.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, 1ST FLOOR, E-BLOCK,
MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि सुश्री नैना, संपत्ति संख्या-102, क्षेत्रफल 65 वर्ग गज अर्थात् 54.350 वर्ग मीटर, जो खसरा संख्या-907 से निर्मित है तथा ग्राम नवादा की राजस्व संपदा में स्थित, आबादी क्षेत्र गुलाब बाग, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 के अंतर्गत स्थित निर्मित अपर ग्राउंड फ्लोर (फ्रंट साइड), बिना छत/टेरेस अधिकार सहित, को श्रीमती श्रुति गुप्ता से क्रय करने का प्रस्ताव रखती हैं। श्रीमती श्रुति गुप्ता ने उक्त संपत्ति को श्रीमती सत्यवती से दिनांक 28.04.2026 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से क्रय किया था। श्रीमती श्रुति गुप्ता द्वारा हमें सूचित किया गया है कि उक्त संपत्ति से संबंधित मूल विक्रय विलेख, जो दस्तावेज संख्या-7812, पुस्तक संख्या-1, वॉल्यूम संख्या-2166, पृष्ठ संख्या 122 से 131, दिनांक 23.05.2017, उप-पंजीयक कार्यालय (SR-IIB), जनकपुरी, नई दिल्ली में पंजीकृत है, खो गया/गुम हो गया है। उक्त दस्तावेज की तलाश हेतु यथासंभव प्रयास किए गए, किन्तु वह प्राप्त नहीं हो सका। उक्त दस्तावेज के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन एफआईआर, एल.आर. संख्या 401568/2026 दिनांक 27.06.2026 दर्ज कराई गई है। कृपया यह भी संज्ञान में लिया जाए कि उक्त संपत्ति को क्रय करने हेतु हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, उत्तम नगर शाखा, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित (Finance) किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मनीष कुमार (प्रस्तावित उधारकर्ता) प्रॉपर्टी आई.डी. नं. 3BKTWHJ3, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, जो खेवट नं. 354, खाता नं. 462, म्यू. एवं किला नं. 23//20/1, स्थित नेताजी नगर, रेलवे लाइन पार, नगर परिषद परनाला, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा में स्थित है, को श्री राम परशाद से क्रय करने का इरादा रखते हैं, श्री राम परशाद ने उक्त संपत्ति को श्रीमती संगीता रानी से दिनांक 23.05.2018 की विक्रय विलेख, दस्तावेज़ संख्या 1467, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 17/375, पृष्ठ संख्या 34-36, उप-पंजीयक कार्यालय, बहादुरगढ़ में पंजीकृत, के माध्यम से क्रय किया था, उक्त संपत्ति के स्वामित्व श्रृंखला में श्रीमती संगीता रानी पत्नी श्री महेंद्र सिंह के पक्ष में निष्पादित मूल विक्रय विलेख दिनांक 19.04.2011, दस्तावेज़ संख्या 454, जो उक्त संपत्ति से संबंधित है, कहीं गुम/खो गई है। पर्याप्त खोजबीन एवं प्रयास करने के बावजूद उक्त मूल दस्तावेज़ प्राप्त नहीं हो सका। उक्त मूल विक्रय विलेख के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन एफ.आई.आर. संख्या 424832/2026 दिनांक 06.07.2026 दर्ज कराई गई है, यह भी सूचित किया जाता है कि प्रस्तावित संपत्ति का क्रय हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, उत्तम नगर शाखा, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है, अतः यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक अथवा वित्तीय संस्थान का उपरोक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, आपत्ति, बंधक, ग्रहणाधिकार अथवा कोई अन्य दावा हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर संबंधित दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी/हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के समक्ष अपना दावा प्रस्तुत करें। अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा या आपत्ति नहीं है तथा प्रस्तावित क्रय एवं ऋण प्रक्रिया बिना किसी अन्य सूचना के आगे बढ़ा दी जाएगी। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री अब्दुल हसन प्लॉट संख्या बी-56, क्षेत्रफल 37 वर्ग गज, जो खसरा संख्या 1640 का भाग है, के स्वामी हैं। उन्होंने उक्त संपत्ति श्री महेश से दिनांक 01.04.2026 की पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से क्रय की है, जो दस्तावेज संख्या 3950, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 23539, पृष्ठ संख्या 377 से 406, कार्यालय उप-पंजीयक (एस.आर.) सदर-II, गाज़ियाबाद में दिनांक 01.04.2026 को पंजीकृत है, उक्त संपत्ति की मूल स्वामिनी श्रीमती संत्रा थीं, जिन्होंने यह संपत्ति दिनांक 08.06.2009 की पंजीकृत विक्रय विलेख, दस्तावेज संख्या 4138, के माध्यम से अर्जित की थी, तत्पश्चात, श्रीमती संत्रा ने दिनांक 05.07.2013 को वसीयतनामा निष्पादित किया, जो दस्तावेज संख्या 30 के रूप में पंजीकृत है, जिसके द्वारा उन्होंने उक्त संपूर्ण संपत्ति श्री सुरेश एवं श्री महेश के पक्ष में वसीयत की, इसके उपरांत दिनांक 22.04.2018 को श्रीमती संत्रा का निधन हो गया। उनके निधन के पश्चात उनका जीवित सदस्य प्रमाण-पत्र प्राप्त किया गया। तत्पश्चात श्री सुरेश ने उक्त संपूर्ण संपत्ति में अपनी ½ (आधी) अविभाजित हिस्सेदारी दिनांक 30.01.2026 की पंजीकृत उपहार विलेख, दस्तावेज संख्या 1159, के माध्यम से श्री महेश के पक्ष में हस्तांतरित कर दी, फलस्वरूप, श्री महेश उक्त संपूर्ण संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी बन गए तथा उन्होंने दिनांक 01.04.2026 की उपर्युक्त पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री अब्दुल हसन के पक्ष में विधिवत विक्रय कर दी, प्रस्तुत दस्तावेजों के परीक्षण एवं उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर श्री अब्दुल हसन ने उक्त संपत्ति पर वैध एवं विपणन योग्य स्वामित्व अधिकार प्राप्त कर लिया है तथा वर्तमान में वे उक्त संपत्ति के शांतिपूर्ण एवं वास्तविक कब्जे में हैं, मेरे परीक्षणानुसार उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार, प्रभार, बंधक, कुर्की, अधिग्रहण, न्यायालयीन विवाद अथवा किसी तृतीय पक्ष के दावे से मुक्त प्रतीत होती है, अतः उपलब्ध अभिलेखों एवं प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त संपत्ति का स्वामित्व स्पष्ट एवं विपणन योग्य प्रतीत होता है तथा यह संपत्ति आरबीएल बैंक लिमिटेड, बिल्डिंग संख्या 1, प्रथम तल, मोदी मिल कंपाउंड, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषण किए जाने हेतु उपयुक्त है। अतः यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा अन्य किसी पक्ष का उपरोक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार, दावा, हित, आपत्ति, बंधक, भार, वाद-विवाद अथवा अन्य कोई आपत्ति हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 (सात) दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति के समर्थन में समस्त संबंधित दस्तावेजों सहित लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को पंजीकृत डाक तथा ई-मेल के माध्यम से प्रेषित करे, यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई दावा अथवा आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो यह माना जाएगा कि किसी भी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार, दावा अथवा आपत्ति नहीं है तथा बाद में प्रस्तुत किया गया कोई भी दावा या आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी और उसे उक्त संपत्ति के संबंध में निरस्त एवं अप्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री मुकेश अग्रवाल संपत्ति संख्या 4668, क्षेत्रफल 45 वर्ग गज (37.62 वर्ग मीटर), वार्ड संख्या XII, स्थित मुरारी लाल, बिल्डिंग संख्या-2, रोशनआरा रोड, सब्ज़ी मंडी, दिल्ली-110007 में निर्मित संपूर्ण द्वितीय तल (बिना छत के अधिकार सहित) (जिसे आगे उक्त तल कहा जाएगा) को श्रीमती शालू गुप्ता से क्रय करना चाहते हैं, उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्रीमती बिशन देवी एवं श्री कृष्ण लाल सुनेजा थे, जिन्होंने यह संपत्ति श्री भजन लाल उर्फ भजन राम द्वारा उनकी समस्त चल एवं अचल संपत्तियों के संबंध में निष्पादित दिनांक 29.09.1988 की पंजीकृत वसीयत के आधार पर प्राप्त की थी, इसके उपरांत श्री भजन लाल उर्फ भजन राम का दिनांक 20.01.1991 को निधन हो गया। तत्पश्चात उक्त दिनांक 29.09.1988 की पंजीकृत वसीयत के संबंध में सक्षम न्यायालय द्वारा श्रीमती बिशन देवी एवं श्री कृष्ण लाल सुनेजा के पक्ष में प्रोबेट आदेश पारित किया गया, जिसके फलस्वरूप उक्त संपत्ति पर उनका वैध स्वामित्व स्थापित हुआ, इसके पश्चात श्री कृष्ण लाल सुनेजा ने उक्त संपत्ति के संबंध में दिनांक 28.03.2024 को पंजीकृत सामान्य मुख्तारनामा, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत श्रीमती दया वंती सुनेजा के पक्ष में निष्पादित किए। तत्पश्चात श्रीमती दया वंती सुनेजा ने दिनांक 08.05.2024 की विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती रीता देवी मिश्रा के पक्ष में हस्तांतरित की। इसके उपरांत श्रीमती रीता देवी मिश्रा ने दिनांक 24.03.2025 की विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती शालू गुप्ता के पक्ष में हस्तांतरित की, जो दस्तावेज संख्या 2025/19/I/3763, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 12008, पृष्ठ संख्या 1 से 20, पंजीकरण दिनांक 23.07.2025 के रूप में दर्ज है, इस प्रकार श्रीमती शालू गुप्ता ने उक्त संपत्ति पर वैध स्वामित्व प्राप्त कर लिया है तथा वर्तमान में उक्त संपत्ति पर उनका शांतिपूर्ण एवं वास्तविक कब्जा है। मेरे समक्ष प्रस्तुत स्वामित्व संबंधी दस्तावेजों एवं उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के बंधक, ऋणभार, प्रभार, कुर्की, अधिग्रहण, न्यायालयीन वाद-विवाद, तृतीय पक्ष के दावे अथवा किसी अन्य प्रकार के भार एवं अवरोध से मुक्त प्रतीत होती है, मेरे मुवक्किल श्री मुकेश अग्रवाल उक्त संपत्ति को श्रीमती शालू गुप्ता से क्रय करने का प्रस्ताव रखते हैं तथा इस प्रस्तावित क्रय के लिए वित्तीय सहायता आरबीएल बैंक लिमिटेड, बिल्डिंग संख्या-1, प्रथम तल, मोदी मिल कंपाउंड, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली द्वारा प्रदान की जानी है। यदि किसी व्यक्ति, बैंक, वित्तीय संस्था अथवा अन्य किसी प्राधिकरण का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का स्वामित्व, अधिकार, हित, दावा, आपत्ति, बंधक, प्रभार, ऋणभार, न्यायालयीन वाद या अन्य कोई दावा हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर अपने दावे के समर्थन में सभी प्रासंगिक दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई दावा अथवा अधिकार शेष नहीं है तथा प्रस्तावित क्रय-विक्रय की कार्यवाही बिना किसी अन्य सूचना के पूर्ण कर दी जाएगी।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री अशोक कुमार एवं श्रीमती राज बाला नगर निगम संपत्ति संख्या 6226, वार्ड संख्या XII, प्लॉट संख्या 39, ब्लॉक-एफ (एफ-39), कमला नगर, दिल्ली-110007 में स्थित लगभग 9.54 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली भूतल पर स्थित एक दुकान (बिना छत/टेरेस अधिकार सहित), श्रीमती राशी जैन एवं श्री अंकुर जैन से क्रय करने का प्रस्ताव रखते हैं, उक्त संपत्ति की स्वामित्व श्रृंखला, उक्त संपत्ति की मूल स्वामिनी श्रीमती सुषमा गुप्ता थीं, जिन्होंने दिनांक 22.05.1979 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से संपत्ति अर्जित की, तत्पश्चात उन्होंने दिनांक 03.03.1980 को दस्तावेज संख्या 619 द्वारा उक्त संपत्ति M/s Dua Plastic Product के पक्ष में विक्रय विलेख निष्पादित किया, इसके उपरांत श्री रोशन लाल दुआ का निधन हो गया तथा उनके प्रथम श्रेणी के विधिक उत्तराधिकारी निम्नलिखित रहे, (श्रीमती सुमन लता दुआ (पत्नी), श्रीमती सपना ग्रोवर (पुत्री), श्रीमती रिप्सी आनंद (पुत्री) × श्री संजय दुआ (पुत्र)), तत्पश्चात श्रीमती सपना ग्रोवर, श्री संजय दुआ एवं श्रीमती रिप्सी आनंद ने दिनांक 26.07.2003 को दस्तावेज संख्या 3714 के माध्यम से संपूर्ण भूतल में अपने-अपने 1/4 अविभाजित हिस्से का त्याग (Relinquishment Deed) श्रीमती सुमन लता दुआ के पक्ष में किया, इसके बाद दिनांक 08.11.2004 को दस्तावेज संख्या 7360 द्वारा श्रीमती सुमन लता दुआ ने संपूर्ण भूतल श्री योगेश कुमार खानिजो एवं श्रीमती संगीता सोबती के पक्ष में विक्रय किया, तत्पश्चात दिनांक 31.03.2009 को दस्तावेज संख्या 1938 द्वारा श्री योगेश कुमार खानिजो ने संपूर्ण भूतल के ½ अविभाजित हिस्से (बिना छत अधिकार) को श्रीमती सुमन अरोड़ा के पक्ष में विक्रय किया, इसके बाद दिनांक 10.05.2010 को दस्तावेज संख्या 4402 द्वारा श्रीमती सुमन अरोड़ा एवं श्रीमती संगीता सोबती ने उक्त दुकान श्रीमती बबीता के पक्ष में विक्रय की, तत्पश्चात दिनांक 21.01.2011 को दस्तावेज संख्या 541 द्वारा श्रीमती बबीता ने उक्त दुकान श्री नील कमल शर्मा के पक्ष में विक्रय की, इसके बाद दिनांक 14.10.2011 को दस्तावेज संख्या 9367 द्वारा श्री नील कमल शर्मा ने उक्त दुकान श्री श्रीदत्त शर्मा के पक्ष में विक्रय की, तत्पश्चात दिनांक 26.03.2016 को दस्तावेज संख्या 2634 द्वारा श्री श्रीदत्त शर्मा ने उक्त दुकान श्रीमती अंजू गुप्ता के पक्ष में विक्रय की, इसके बाद दिनांक 14.08.2017 को दस्तावेज संख्या 6388 द्वारा श्रीमती अंजू गुप्ता ने उक्त दुकान श्रीमती जाहिदा परवीन के पक्ष में विक्रय की, दुर्भाग्यवश श्रीमती जाहिदा परवीन का निधन हो गया तथा उनके विधिक उत्तराधिकारी निम्नलिखित है, (सुश्री फैजा सिद्दीकी (पुत्री), सुश्री रुबीना अयाज़ अहमद सिद्दीकी (पुत्री), श्री सुलेमान (पुत्र)), तत्पश्चात दिनांक 24.07.2024 को दस्तावेज संख्या 2024/19/ड्ड/8156 द्वारा उपरोक्त सभी विधिक उत्तराधिकारियों ने उक्त दुकान श्रीमती राशी जैन एवं श्री अंकुर जैन के पक्ष में विक्रय विलेख निष्पादित किया, इस प्रकार श्रीमती राशी जैन एवं श्री अंकुर जैन ने उक्त संपत्ति पर वैध स्वामित्व प्राप्त कर लिया है तथा वर्तमान में वे उक्त संपत्ति के शांतिपूर्ण एवं वास्तविक कब्जे में हैं, मेरे द्वारा उपलब्ध कराए गए अभिलेखों एवं प्रस्तुत तथ्यों के परीक्षण के आधार पर उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के बंधक, प्रभार, ग्रहणाधिकार, कुर्की, अधिग्रहण, न्यायालयीन वाद-विवाद, तृतीय पक्ष के दावे अथवा अन्य किसी भार से मुक्त प्रतीत होती है, मेरे मुवक्किल उक्त संपत्ति को श्री परमजीत सिंह से क्रय करने का प्रस्ताव रखते हैं तथा उक्त क्रय-विक्रय के लिए वित्तीय सहायता आरबीएल बैंक लिमिटेड, बिल्डिंग नं. 1, प्रथम तल, मोदी मिल कंपाउंड, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली द्वारा प्रदान की जानी प्रस्तावित है। अतः यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा पक्ष को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, दावा, आपत्ति, हित अथवा दावा प्रस्तुत करना हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 (सात) दिनों के भीतर अपना लिखित दावा/आपत्ति, समस्त प्रमाणों सहित, अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय के पते पर पंजीकृत डाक तथा ई-मेल के माध्यम से प्रेषित करें। निर्धारित अवधि के भीतर कोई दावा अथवा आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में यह माना जाएगा कि किसी भी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार, दावा अथवा हित शेष नहीं है तथा उसके पश्चात प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल- kumarw®wvashwani@gmail.com

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

ग्रुप डी में सीईटी के लिए 13 लाख युवाओं ने किया आवेदन

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा ग्रुप डी के लिए आयोजित किए जाने वाले कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) के लिए रविवार शाम तक 13 लाख से अधिक युवाओं द्वारा आवेदन किया जा चुका है। इस आवेदन का वास्तविक आंकड़ा जारी किया जाएगा। सीईटी के लिए आवेदन प्रक्रिया 19 जून से शुरू हुई थी। पहले ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि तीन जुलाई की रात 11.59 बजे तक रखी गई थी। इसके बाद आयोग की तरफ से आवेदन की अवधि को दो दिन के लिए बढ़ाकर पांच जुलाई रात 11 बजकर 59 मिनट कर दिया गया। आयोग मे चेयरमैन हिम्मत सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर बताया कि आज शाम तक कुल 15 लाख 65 हजार 178 अभ्यर्थियों ने ग्रुप डी सीईटी के लिए आवेदन किया है। इनमें से 13 लाख 94 हजार 723 युवा सभी औपचारिकताएं पूरी करके फाइनल सब्मिट कर चुके हैं। आयोग के चेयरमैन ने बताया कि रविवार शाम पांच बजे तक एक लाख 70 हजार 455 युवाओं द्वारा फाइनल सब्मिट नहीं किया गया था। ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यार्थी 8 जुलाई रात 11 बजकर 59 मिनट तक अपनी फीस जमा करवा सकते हैं। एप्लीकेशन फार्म में सुधार और संपादन के लिए 9 से 11 जुलाई रात 11 बजकर 59 मिनट तक का समय दिया गया है।

आठवें वेतन आयोग से सरकारी कर्मचारियों के लिए ब्याज-मुक्त एडवांस की मांग

चंडीगढ़। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ ने आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के समक्ष सरकारी कर्मचारियों के लिए एडवांस (अग्रिम) व्यवस्था में व्यापक बदलाव की मांग उठाई है। महासंघ का कहना है कि मौजूदा व्यवस्था कर्मचारियों की जरूरतों और वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप नहीं है, जिसके कारण उन्हें निजी बैंकों और वित्तीय संस्थानों से ऊंची ब्याज दरों पर ऋण लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है। संगठन ने सभी सरकारी अग्रिमों को ब्याज-मुक्त करने और पूर्व में बंद की गई एडवांस योजनाओं को दोबारा शुरू करने की मांग की है। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने बताया कि आयोग को सौंपे गए ज्ञापन में व्यक्तिगत कंप्यूटर एडवांस की सीमा बढ़ाकर दो लाख रुपये और गृह निर्माण एडवांस एक करोड़ रुपये तक ब्याज-मुक्त उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया गया है। उन्होंने मांग की कि कर्मचारी की सेवा के दौरान मृत्यु या गंभीर बीमारी के कारण सेवा जारी रखने में असमर्थ होने की स्थिति में अग्रिम राशि की वसूली परिवार से न की जाए।वर्तमान में गृह निर्माण एडवांस की सीमा 25 लाख रुपये और कंप्यूटर एडवांस 50 हजार रुपये है। महासंघ ने कर्मचारियों की बदलती जरूरतों को देखते हुए 10 लाख रुपये तक चार-पहिया वाहन एडवांस, प्राकृतिक आपदा एडवांस, त्योहार एडवांस, चिकित्सा एडवांस, बाल शिक्षा एडवांस, विवाह एडवांस तथा सौर ऊर्जा संबंधी एडवांस जैसी नई योजनाएं शुरू करने का भी सुझाव दिया है।

एचटेट के नाम पर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ : सुरजेवाला

चंडीगढ़। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा (एचटेट) लेवल-3 (पीजीटी) में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए इसे युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बताया है। चंडीगढ़ में जारी एक बयान में सुरजेवाला ने कहा कि 4 जुलाई को 238 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित परीक्षा सील टूटे प्रश्नपत्र, ओएमआर शीट में कथित गड़बड़ी, विषय बदलकर प्रश्नपत्र देने तथा प्रश्नपत्र में अनेक त्रुटियों देखने को मिली हैं। सुरजेवाला ने दावा किया कि रेवाड़ी, चरखी दादरी और अन्य केंद्रों पर परीक्षार्थियों को सील टूटे प्रश्नपत्र मिले। उनका कहना है कि कुछ केंद्रों पर विद्यार्थियों को बताया गया कि ऐसे ही प्रश्नपत्र बोर्ड से प्राप्त हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि प्रश्नपत्र पहले से खुले थे तो उनकी गोपनीयता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि रेवाड़ी और कैथल के कुछ केंद्रों पर प्रश्नपत्र और ओएमआर शीट के सीरियल नंबर अलग-अलग मिले। कुछ परीक्षार्थियों ने दूसरे अभ्यर्थियों के रोल नंबर वाली ओएमआर शीट दिए जाने तथा बाद में उसे बदलने की शिकायत भी की। सुरजेवाला ने परीक्षा केंद्रों पर बड़ी संख्या में अतिरिक्त ओएमआर शीट उपलब्ध होने पर भी सवाल उठाए।

रेवाड़ी में स्वास्थ्य मंत्री आवास घेरने पहुंचे एमपीएचई कर्मचारी, मांगों पर सरकार को दी चेतावनी

रेवाड़ी। बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी (एमपीएचई) एसोसिएशन हरियाणा के बैनर तले प्रदेशभर से पहुंचे कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के आवास के बाहर रोष प्रदर्शन किया। कर्मचारी पहले नेताजी सुभाष चंद्र पार्क में एकत्रित हुए और नारेबाजी करते हुए स्वास्थ्य मंत्री के आवास की ओर कूच किया। एसोसिएशन की प्रदेश अध्यक्ष शर्मिला देवी, महासचिव सहदेव आर्य सांगवान तथा राज्य प्रवक्ता संदीप कुंडू ने कहा कि कर्मचारियों की मांगों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री को कई ज्ञापन और पांच स्मरण पत्र सौंपे जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे कर्मचारियों में भारी नाराजगी है। प्रदर्शनकारियों ने एनएचएम के तहत कार्यरत महिला एमपीएचडब्ल्यू कर्मचारियों को न्यायालय के आदेशानुसार नियमित करने, एफपीएल-6 वेतनमान लागू करने, एमसीएचए ड्रेस एवं यात्रा भत्ता, सेवानिवृत्ति लाभ, तबादला नीति लागू करने, शहरी क्षेत्रों में आईपीएचएस मानकों के अनुसार पद सृजित करने, नियमित भर्ती, पदनाम संशोधन, प्रोबेशन पूरा कर चुके कर्मचारियों की पुष्टि।

शिक्षित समाज के साथ व्यवस्था परिवर्तन एवं राष्ट्र निर्माण का लें संकल्पः नायब सिंह सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नशा मुक्त और शिक्षित समाज के साथ व्यवस्था परिवर्तन एवं राष्ट्र निर्माण का मिलकर संकल्प लें,तभी सेवा,सम्मान और संस्कार युक्त समाज के नवनिर्माण में अहम भूमिका निभाई जा सकती है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जालंधर में पीयूष मुनि महाराज के 39वें दीक्षांत एवं सेवा सम्मान को समर्पित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। जैन सभा द्वारा मुख्यमंत्री को शॉल, पगड़ी एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत सेवा समर्पण के साथ पूरे समाज का मार्गदर्शन करते हैं और ज्ञान रूपी दीपक से दूसरों के जीवन में रोशनी लाते हैं। उनके विचार मानवता की सेवा के लिए समर्पित होते हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य को धनवान की जगह चरित्रवान, संस्कारवान और मानवीय संवेदनाओं से युक्त बनना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा से बड़ा कोई धर्म, करूणा से बड़ी कोई पूजा तथा मानवता से बड़ा कोई मजहब

नहीं होता। सामाजिक संस्थाए नशे से सचेत एवं जागरूक करने, बेटियों को शिक्षित करने, गरीब का घर रोशन करने परिवार में वात्सल्य बढ़ाने जैसे कार्य करके समाज का भविष्य गढ रहे हैं। संतो ने सत्य, अहिंसा, संयम, सेवा, समर्पण का मार्ग दिखाया है। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रंगला पंजाब को राजनैतिक इच्छाओं ने पीछे धकेल दिया है।

पंजाब पर 4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्ज है तथा हर व्यक्ति पर सवा लाख रुपए का कर्ज है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब की मिट्टी में गुरुओं की वाणी, शहीदों की कुर्बानी, किसानों का पसीना और भाईचारे की खुशबू आती है। पंजाब और हरियाणा का रिश्ता केवल सीमाओं का नहीं है बल्कि यह दिलों का रिश्ता है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने नशा खत्म करने के बड़े-बड़े दावे किए थे। आज पंजाब नशा और गैंगस्टर संस्कृति से जूझ रहा है। भाजपा सरकार ने हरियाणा में रोजगार, कौशल विकास और खेल नीति के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक अवसर उपलब्ध करवाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा पंजाब और हरियाणा पड़ोसी राज्य हैं।

राष्ट्रसेवा में समर्पित रहा डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवनः विनोद तावड़े

एजेंसी
गुरुग्राम। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती गुरुग्राम स्थित भाजपा कार्यालय गुरुकमल में भव्यता के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े और प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने डा. मुखर्जी के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने की। इससे पहले जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े और प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता का कार्यालय पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया। अपने संबोधन में राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद विनोद तावड़े ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता दीपक की तरह स्वयं तपकर समाज और राष्ट्र के जीवन में प्रकाश फैलाने का संकल्प लेकर कार्य करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ पार्टी का चुनाव चिन्ह दीपक चुना था, क्योंकि दीपक स्वयं जलकर दूसरों के जीवन में उजाला करता है। यही भावना भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता की होनी चाहिए कि

वह अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर गरीब, वंचित और राष्ट्र के लिए कार्य करें। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि स्वतंत्र भारत के प्रथम उद्योग मंत्री के रूप में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश के औद्योगिक विकास की मजबूत आधारशिला रखी। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने उद्योग, रेलवे, विमानन, ऊर्जा और भारी उद्योग जैसे क्षेत्रों के विकास को नई दिशा दी। उनके कार्यकाल में हिंदुस्तान एयरक्राफ्ट फैक्ट्री, दामोदर घाटी निगम तथा इस्पात संयंत्रों जैसी अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शुरुआत हुई, जिन्होंने आधुनिक भारत के औद्योगिक ढांचे को मजबूती प्रदान की। केंद्रीय संसद बोर्ड की सदस्य एवं पूर्व सांसद डॉ. सुधा यादव ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रवाद, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय स्वाभिमान के लिए समर्पित रहा। डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रहित से कभी समझौता नहीं किया। जब उन्हें लगा कि तत्कालीन सरकार राष्ट्रीय हितों से समझौता कर रही है तो उन्होंने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देकर सिद्धांतों को प्राथमिकता दी।

उन्होंने एक देश में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान नहीं चलेंगे का उद्घोष करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता सहित सभी वरिष्ठ नेताओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन, संघर्ष और विचारधारा का गंभीर अध्ययन करना चाहिए, क्योंकि उनका जीवन राष्ट्रसेवा, सिद्धांतों और त्याग का अनुपम उदाहरण है।

गुरुग्राम पुलिस ने जून में 76 गुमशुदा बच्चों सहित 211 लोगों को परिजनों से मिलाया

एजेंसी
गुरुग्राम। बिछड़े हुए अपनों को उनके परिवारों से मिलाकर गुरुग्राम पुलिस की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने मानवता की मिसाल पेश की है। गुरुग्राम पुलिस ने जून-2026 माह में कुल 211 गुमशुदा बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों एवं अन्य व्यक्तियों को सकुशल ढूंढकर उनके परिजनों से मिलाया। इसमें 76 बच्चे शामिल हैं। गुरुग्राम पुलिस के अनुसार गुमशुदा बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों एवं अन्य व्यक्तियों को सुरक्षित तलाश कर उनके परिजनों तक पहुँचाना, उनके चेहरे पर मुस्कान लौटाना तथा उनके सुरक्षित भविष्य को सुनिश्चित करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी उद्देश्य से पुलिस द्वारा नियमित रूप से विशेष अभियान चलाकर गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश की जाती है। पुलिस की विभिन्न थाना टीमों एवं एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट द्वारा त्वरित कार्यवाही, तकनीकी सहायता तथा लगातार किए गए प्रयासों का परिणाम है। बरामद किए गए बच्चों, महिलाओं एवं अन्य गुमशुदा व्यक्तियों की आवश्यकतानुसार काउंसलिंग भी कराई गई। इसके बाद उन्हें सुरक्षित उनके परिवारों के हवाले किया गया। अपने लापता परिजनों के सकुशल मिलने पर परिवारों ने गुरुग्राम पुलिस की तत्परता एवं संवेदनशील कार्यशैली की सराहना करते हुए पुलिस का हार्दिक आभार व्यक्त किया। गुरुग्राम पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई बच्चा, महिला, बुजुर्ग अथवा अन्य व्यक्ति गुम हो जाए तो बिना समय गंवाए तुरंत निकटतम पुलिस थाना या डायल-112 पर सूचना दें। समय पर दी गई सूचना गुमशुदा व्यक्तियों की शीघ्र तलाश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

गणना प्रपत्रों का ऐप पर डिजिटाइजेशन एसआईआर प्रक्रिया का अहम हिस्साः डीसी

एजेंसी
झज्जर। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की अनुपालना करते हुए एक जुलाई 2026 को अर्हता तिथि मानकर चल रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण-एसआईआर प्रक्रिया में झज्जर जिला प्रशासन उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल के नेतृत्व में सभी ईआरओ-एईआरओ व सुपरवाइजर सहित बीएलओ मतदाताओं से सीधा संपर्क करते हुए गणना प्रपत्रों को भरवाकर एप पर डिजिटाइजेशन कार्य करने में प्रभावी जिम्मेवारी निभा रहे हैं। 14 जुलाई तक जिला की चारों विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं से गणना प्रपण भरवाकर उनका डिजिटाइजेशन कर दिया जाएगा। डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि मतदाता सूचियों को अधिक सटीक और अपडेट बनाने के उद्देश्य से 14 जुलाई तक विशेष गणना प्रपत्र भरवाने व डिजिटाइजेशन करने का अभियान चलाया जा रहा है। बूथ लेवल अधिकारी लगातार घर-घर जाकर मतदाताओं तक पहुंच रहे हैं, ताकि सभी पात्र नागरिकों का विवरण सही रूप में मतदाता सूची में दर्ज किया जा सके। डीसी ने कहा कि सभी मतदाता गणना अभियान के तहत वितरित किए गए गणना प्रपत्रों को हस्ताक्षर करते हुए आवश्यक जानकारी भरने उपरांत तुरंत

बीएलओ को सौंपे। यदि किसी मतदाता ने अभी तक अपना गणना प्रपत्र बीएलओ को जमा नहीं कराया है तो शीघ्र जमा कराएं ताकि समयानुसार एप पर उन्हें डिजिटाइज किया जा सके। उन्होंने कहा कि डिजिटाइजेशन प्रक्रिया से मतदाता सूची में नाम, पता, आयु एवं अन्य विवरणों का सत्यापन अधिक पारदर्शी एवं सटीक तरीके से किया जा सकेगा। इससे पात्र मतदाताओं के नामों का सही रिकॉर्ड सुनिश्चित होगा,साथ ही एसआईआर अभियान को गति मिलेगी। मतदाता सूचियों को अपडेट करने के लिए चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत झज्जर जिला में आमजन को विभिन्न जागरूकता माध्यमों से इस अभियान में सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि शिक्षा विभाग के माध्यम से जहां विद्यालयों में रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन कर बच्चों को सूत्रधार के रूप में अभिभावकों को एसआईआर के उद्देश्य से अवगत कराया जा रहा है ।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने हाईड्रोजन प्लांट का किया निरीक्षण

एजेंसी
जींद। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक राजेश कुमार पांडेय जींद रेलवे जंक्शन पर पहुंचे। उन्होंने रेलवे जंक्शन के साथ-साथ हाइड्रोजन प्लांट का भी बारिकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यात्री सुविधाओं को लेकर हर चीज की जानकारी हासिल की।

उन्होंने कहा कि ने कहा कि जो निरीक्षण किया है वो मुख्यतः स्टेशन पुर्नविकास के लिए स्टेशन बना है, वह बहुत अच्छा बना है। जितनी भी यात्री सुविधाएं होनी चाहिए, वो सभी सुविधाएं रेल यात्रियों को उपलब्ध करवाई गई हैं। रेलवे स्टेशन की बिल्डिंग भी बहुत अच्छी बनाई गई है। यहां जो भी काम हुआ वो गुणवत्ता के हिसाब से हुआ है। रेलवे के जीएम राजेश कुमार पांडेय ने निरीक्षण के बाद कहा कि अभी हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल किया जा रहा है। उत्तर रेलवे महाप्रबंधक राजेश कुमार पांडेय अपने स्पेशल ट्रेन यान से जींद जंक्शन पर पहुंचे। उनके साथ डीआरएम पुष्पेश रमन त्रिपाठी, प्रिंसिपल मैकेनिकल चीफ इंजीनियर डिंपी गर्ग सहित अन्य रेलवे अधिकारी मौजूद रहे। महाप्रबंधक ने सबसे पहले रेलवे जंक्शन परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद

पत्रकारों से बातचीत में उत्तर रेलवे महाप्रबंधक राजेश कुमार पांडेय ने हाइड्रोजन ट्रेन कब चलेगी और उद्घाटन करने कौन आर रहे के सवाल पर बताया कि हाइड्रोजन ट्रेन अभी ट्रायल स्टेज पर है। जैसे ही निर्णय होगा तो अवगत करवा दिया जाएगा। रेलवे जंक्शन पर नई बिल्डिंग के बनने पर यात्रियों के लिए प्रतीक्षालय क्षेत्र नहीं होने पर महाप्रबंधक ने कहा कि जंक्शन परिसर में वेटिंग लॉज है और आउटर पोर्च भी है। ऐसे में यहां यात्रियों के लिए काफी जगह है। नांदेड एक्सप्रेस के जींद जंक्शन पर नहीं रुकने के सवाल पर उन्होंने कहा कि व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुसार स्टेशन पर ट्रेन के स्टापेज का निर्णय लिया जाता है। ट्रेन का यहां स्टापेज नहीं होने के बारे में अभी जानकारी मिली है। इस विषय पर विचार कर निर्णय लिया जाएगा।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान ने भारत की एकता को किया मज़बूतः नायब सिंह सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए सबसे बड़ा बलिदान दिया। उन्होंने जो आवाज़ उठाई और जो सपना देखा, उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाकर पूरा किया है। आज, भारतीय तिरंगा कश्मीर से कन्याकुमारी तक शान से लहरा रहा है। नायब सिंह सैनी पंजाब के पठानकोट में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के मौके पर बोल रहे थे। इस मौके पर पठानकोट के विधायक अश्विनी शर्मा, पंजाब विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर दिनेश बब्बू, पूर्व विधायक सीमा कुमारी और दूसरे वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पठानकोट सिर्फ़ एक शहर नहीं बल्कि 'भारत माता' की उत्तरी सीमा है। यह बहादुर योद्धाओं, शहीदों, देशभक्तों और देश के महान सपूतों की धरती है, जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया। यहां की मिट्टी में वीरता की खुशबू और हवा में देशभक्ति की भावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी जी एक प्रसिद्ध शिक्षाविद् होने के साथ साथ एक प्रखर राजनेता भी थे। उन्होंने कहा कि सिर्फ़ 33 साल की उम्र में ही वे कलकत्ता यूनिवर्सिटी के

वाइस-चांसलर बन गए। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने नारा दिया था,एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे। यह सिर्फ़ एक राजनेतिक नारा नहीं था, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज़ थी। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को भारत में पूरी तरह मिलाने के लिए संघर्ष किया और बिना परमिट के इस इलाके में आने का निर्णय लिया। उन्हें माधोपुर से जम्मू और कश्मीर में प्रवेश करते समय गिरफ्तार किया गया। उस समय पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी उनके साथ थे। बाद में हिरासत में रहते हुए डॉ. मुखर्जी का निधन हो गया। यह कोई साधारण मृत्यु नहीं थी बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए किया गया सर्वोच्च बलिदान था। उन्होंने कहा कि जिस मिशन के लिए उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी, वह 5 अगस्त, 2019 को पूरा हुआ, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया।

सरकार का उद्देश्य विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना : डिप्टी स्पीकर

एजेंसी
जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा जींद जिले के समग्र एवं संतुलित विकास को प्राथमिकता देते हुए आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार का उद्देश्य विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इसी सोच के अनुरूप प्रत्येक क्षेत्र में पारदर्शी, जवाबदेह एवं जनहितकारी प्रशासन सुनिश्चित किया जा रहा है। सरकार जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। डिप्टी स्पीकर स्थानीय लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम के दौरान लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों एवं मांगों को गंभीरता से सुना तथा मौके पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए निर्धारित समयावधि में उनका समाधान सुनिश्चित करने को कहा।

डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि जिला से नौ-नौ नेशनल हाईवे निकलने से जींद राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना चुका है और आने वाले समय में यह पहचान और मजबूत होगी। जींद को जल्द ही देश की पहली हाइड्रोजन संचालित ट्रेन की सौगात मिलने जा रही है। यह परियोजना न केवल जिले बल्कि पूरे प्रदेश व देश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि जींद की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए रेलवे अंडरपास, ओवरब्रिज, शहर वासियों को जल्द मिलने वाला भाखड़ा नहर आधारित पानी, एकलव्य स्टेडियम में बिछाए जा रहे सिंथेटिक ट्रेक, 300 बेडिड अस्पातल, रानी तालाब, शहर के अटल पार्क समेत अन्य पार्कों तथा चौक व चैराहों के सौंदर्यकरण, नया बस स्टेंड, शहर के बाईपास जयंती देवी मंदिर के पास नहर पर घाट के निर्माण, अमृत सरोवरों एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के कार्य भारतीय जनता पार्टी की सरकार के दौरान करवाए गए हैं, जिनका फायदा जींद की जनता को मिल रहा है।

गुरुग्राम में शांतिपूर्ण ढंग से संपूर्ण हई टीजीटी एवं पीआरटी की परीक्षा

एजेंसी
गुरुग्राम। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी द्वारा आयोजित हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट)-2026 के अंतर्गत जिला में चार जुलाई को लेवल-3 (पीजीटी) तथा पांच जुलाई लेवल-2 (टीजीटी) एवं लेवल-1 (पीआरटी) की परीक्षाएं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा के सफल संचालन के लिए किए गए सभी प्रबंध प्रभावी रहे। सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा निर्धारित समयानुसार संपन्न हुई। तीनों स्तरों की परीक्षाओं के लिए जिले में कुल 15,367 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 10,676 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। इनमें चार जुलाई को आयोजित लेवल-3 (पीजीटी) परीक्षा के लिए 4,674 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 3,215 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए तथा 1,459 अनुपस्थित रहे। आयोजित लेवल-2 (टीजीटी) परीक्षा के लिए 6,984 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 4,936 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए तथा 2,048 अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार लेवल-1 (पीआरटी) परीक्षा के लिए 3,709 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 2,525 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी तथा 1,184

अनुपस्थित रहे।

उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य सेवाएं, यातायात प्रबंधन तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं, जिससे अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नायब तहसीलदार सुरेंद्र भारद्वाज ने फ्लाइंग स्क्वॉड के साथ सी.आर. स्कूल, झाड़सा तथा सलवान पब्लिक स्कूल, सेक्टर-15 पार्ट-2 का निरीक्षण किया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे कि परीक्षा प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, अनुचित गतिविधि अथवा अभ्यर्थियों को होने वाली असुविधा पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

गिरते भूजल स्तर के कारण जिले के गांवों में गहराया पेयजल संकट, सरकार नहीं दे रही कोई ध्यानः कुमारी सैलजा

एजेंसी
सिरसा। भीषण गर्मी और लगातार गिरते भूजल स्तर के कारण क्षेत्र के कई गांवों में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। हालात ऐसे बन गए हैं कि लोगों को अपनी दैनिक जरूरतों के लिए पड़ोसी राज्य राजस्थान से पानी लाकर गुजारा करना पड़ रहा है। गांवों में अधिकांश जलघर सूख चुके हैं। ग्रामीण इलाकों में हालात बद से बदतर हैं। दिनोंदिन पेयजल किल्लत गहरा रही है। सरकार पानी को लेकर कोई ध्यान नहीं दे रही। हर मोर्चे पर भाजपा सरकार फेल है। उक्त बात हरियाणा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्लूसी) सदस्य कुमारी सैलजा ने रविवार शहीद भगत सिंह स्टेडियम में सांसद निधि कोष से 18 गांवों को पानी के टैंकर व 4 दिव्यांगजनों को इलेक्ट्रिक स्कूटी वितरण देने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सिरसा जिले में पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली, पानी के टैंकर और अन्य साधनों से राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में जाकर पानी भरकर ला रहे हैं। इस कारण लोगों को समय के साथ अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी उठाना पड़ रहा है। महिलाओं और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें कई किलोमीटर दूर तक पानी लाने के लिए जाना पड़ता है। पर्याप्त वर्षा नहीं होने और भूजल के अत्यधिक दोहन के कारण स्थिति और गंभीर हो गई है। कई गांवों में पीने योग्य पानी की उपलब्धता बेहद सीमित रह गई है, जिससे लोगों की चिंता बढ़ती जा रही है। भाजपा सरकार पेयजल किल्लत को लेकर गंभीर नहीं है। सांसद ने कहा कि सिरसा जिले के प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

तेल कंपनियों के घाटे कम होने पर पेट्रोल-डीजल सस्ता होने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई बड़ी गिरावट भारतीय ईंधन बाजार के लिए राहत की नई उम्मीद लेकर आई है। यदि वैश्विक कीमतें अगले 7 से 10 दिनों तक अपने मौजूदा स्तर पर स्थिर रहती हैं, तो तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल की बिक्री में नो-प्रॉफिट नो-लॉस की स्थिति में पहुंच जाएंगी, जिसके बाद कीमतों में राहत मिलने की संभावना बढ़ जाएगी। वर्तमान में, सरकारी तेल कंपनियां पहले खरीदे गए महंगे स्टॉक के कारण अंडर-रिकवरी का सामना कर रही हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उन्हें 75,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है, जिससे उन पर दबाव है। विशेषज्ञों के अनुसार, कीमतें स्थिर रहने पर कंपनियां धीरे-धीरे घाटे से उबरकर संतुलन पर आएंगी। हालांकि, रसोई गैस (एलपीजी) पर अब भी प्रति सिलेंडर करीब 500 रुपये का नुकसान हो रहा है। इस गिरावट के कई कारण हैं। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बाद कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ी है। साथ ही, सऊदी अरब और रूस के नेतृत्व में प्रमुख उत्पादक देशों ने उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य खुलने से आपूर्ति सामान्य हुई है। ईरान और वेनेजुएला से तेल आपूर्ति बढ़ने से भी वैश्विक बाजार को राहत मिली है।

मॉनसून ने पकड़ी रफ्तार, वर्षा की कमी घटी; खरीफ की बुआई को मिली संजीवनी

देश में बारिश की कमी 40 से घटकर 24 फीसदी हुई, मध्य जुलाई तक सक्रिय रहने के आसार

नई दिल्ली ।

पहले 40 प्रतिशत रही बारिश की कमी अब घटकर 24 प्रतिशत पर आ गई है। इससे खरीफ फसलों की बुआई, जो जून अंत तक पिछले साल की तुलना में 22 प्रतिशत कम थी, को अब नई जान मिली है। पश्चिम और मध्य भारत में सुस्त मॉनसून के कारण बुआई ठहर गई थी। खरीफ की अच्छी फसल महंगाई, खासकर दलहन और तिलहन की कीमतों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि बंगाल की खाड़ी में अनुकूल मौसम पैटर्न के कारण मॉनसून का यह सक्रिय चरण जुलाई के मध्य तक जारी रहेगा। स्काइमेट वेदर सर्विसेज के महेश पालवात के अनुसार, इससे मौसमी बारिश की कमी का बड़ा हिस्सा दूर हो जाएगा और जुलाई में सामान्य बारिश होगी। मॉनसून का प्रदर्शन जुलाई में जून से बेहतर रहने की उम्मीद है।

ओपेक प्लस के उत्पादन वृद्धि से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी

ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड कई महीनों के निचले स्तर पर, वैश्विक आपूर्ति बढ़ने से निवेशक चिंतित

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड 71.73 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 68.43 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार करते हुए कई महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गए। इस गिरावट की मुख्य वजह तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक प्लस का उत्पादन बढ़ाने का फैसला और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव में कमी आना है। ओपेक प्लस ने अगले महीने (अगस्त) से रोजाना 1.88 लाख बैरल अतिरिक्त तेल उत्पादन को मंजूरी दे दी है, जिसमें सऊदी अरब और रूस अग्रणी भूमिका निभाएंगे। इस फैसले के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों पर सामान्य आवाजाही बहाल होने से आपूर्ति बाधित होने का खतरा टल गया है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे प्रमुख उत्पादकों का निर्यात भी लगभग संघर्ष-पूर्व स्तर पर पहुंच गया है, जिससे वैश्विक उपलब्धता और बढ़ी है। निवेशकों को अब आशंका है कि मांग के मुकाबले आपूर्ति की अधिकता हो सकती है, जिससे कीमतों पर दबाव बना रहेगा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 24 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.42 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 10 पैसे की गिरावट के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 पर आ गया। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने से रुपये पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी निवेश आने पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) रुपये को बहुत अधिक मजबूत होने देने के बजाय अपने विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से बढ़ाने का प्रयास करता है।

आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.25 प्रति डॉलर पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 95.28 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को 17 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.18 पर बंद हुआ था।

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के

मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ 100.95 पर रहा।

एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार

मुंबई ।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन अधिकांश एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिली। दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 0.62 प्रतिशत और चीन का सीएसआई 300 लगभग 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आया। तकनीकी शेयरों में खरीदारी लौटने और कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी आने से एशियाई बाजारों को समर्थन मिला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रही। ब्रेंट क्रूड का जुलाई वायदा भाव करीब 71.78 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा, जो पिछले स्तर से लगभग 0.47 प्रतिशत नीचे था।

बाजार पर दबाव इसलिए भी बना क्योंकि ओपेक प्लस देशों ने जून और जुलाई के बाद अगस्त से भी उत्पादन बढ़ाने पर सहमति जताई है। वहीं, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में कोई खास प्रगति नहीं हुई है, लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से तेल आपूर्ति फिलहाल सामान्य बनी हुई है। कमोडिटी बाजार में कीमती धातुओं की कीमतों में मजबूती देखने को मिली। गोल्ड फ्यूचर्स में करीब 2.11 प्रतिशत और सिल्वर फ्यूचर्स में 3.56 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र की ऋण वृद्धि पहली तिमाही में 27 प्रतिशत

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का कुल ऋण चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़कर 3.06 लाख करोड़ रुपये हो गया।गत वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही के अंत में उसका बकाया ऋण 2.41 लाख करोड़ रुपये था। पुणे मुख्यालय वाले इस बैंक ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कुल ऋण में खुदरा, कृषि और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम खंड को दिए गए ऋण शामिल हैं, जो सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 1.87 लाख करोड़ रुपये हो गए।समीक्षाधीन तिमाही में बैंक का कॉरपोरेट ऋण भी 21 प्रतिशत बढ़कर 1.11 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पहली बार एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा।बैंक ने बताया कि इस तिमाही में उसकी कुल जमा राशि 13 प्रतिशत बढ़कर 3.44 लाख करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के अंत में यह 3.05 लाख करोड़ रुपये थी। इसके परिणामस्वरूप बैंक का कुल कारोबार (कुल ऋण व जमा) 19 प्रतिशत बढ़कर 6.51 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो 30 जून, 2025 को 5.46 लाख करोड़ रुपये था।बैंक ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में चालू खाता एवं बचत खाता (कासा) अनुपात कुल जमा का 49 प्रतिशत रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 50 प्रतिशत था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 521, निफ्टी 159 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। । आज ऑटो, रियल्टी और तेल एवं गैस शेयरों में विशेष रुप से अच्छी खरीदारी हुई। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 521.16 अंक ऊपर आकर 78,285.07 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 159.50 अंक उछलकर 24,430.35 पर बंद हुआ। निफ्टी में सबसे ज़्यादा बढ़त हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, बजाज ऑटो और एमएंडएम के शेयरों में आई। वहीं टीसीएस मैक्स हेल्थकेयर और बजाज फिनसर्व के शेयर गिरे। सेक्टर के हिसाब से आज रियल्टी के क्षेत्र में सबसे अधिक तेजी रही। इसके बाद कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , ऑटो और ऑयल एंड गैस के शेयर उछले। मेटल इंडेक्स में भी बढ़त रही। दूसरी ओर, मीडिया सेक्टर में गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा पीएयू बैंक और आईटी शेयर भी गिरे। दूसरी ओर निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी रही।

आज कारोबार के दौरान, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 480.24 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर लगभग 482.33 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे एक ही सत्र में निवेशकों को करीब 2 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ। पश्चिमी एशिया में शांति की उम्मीद और कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव नहीं होने से भी बाजार को बल मिला। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई। आज सुबह निफ्टी 80.25 अंकों की बढ़त के साथ 24,351.10 के स्तर पर जबकि सेंसेक्स भी 315 अंक चढ़कर 78,078.76 के स्तर पर खुला।

अमेरिकी न्याय विभाग का अदाणी मामले पर यू-टर्न केस शुरू ही नहीं होना चाहिए था

दो साल की जांच के बाद डीओजे ने कानूनी व अधिकार-क्षेत्र संबंधी आधारों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली ।

अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने अदाणी ग्रुप के खिलाफ अपने ही एक हाई-प्रोफाइल मामले पर चौंकाने वाला यू-टर्न लेते हुए कहा है कि यह केस कभी शुरू नहीं किया जाना चाहिए था। लगभग दो साल की कड़ी अंतरराष्ट्रीय जांच के बाद आई यह टिप्पणी एक अभूतपूर्व कानूनी बदलाव है, जिसने अदाणी ग्रुप के निवेशकों की धारणा पर गहरा असर डाला था और बाजार में अरबों की वैल्यू खत्म की थी। डीओजे ने अपनी 4 जुलाई की कोर्ट फाइलिंग में मामले के कानूनी और अधिकार-क्षेत्र से जुड़े आधारों पर सवाल उठाए हैं। विभाग ने आरोपों को नाम खराब करने की एक ऐसी कोशिश बताया जो मुकदमा चलने की किसी भी वास्तविक संभावना के बिना की गई थी। डीओजे का स्पष्टीकरण है कि सिक्योरिटीज से जुड़े आरोप कभी नहीं लगाए जाने चाहिए थे और केस समाप्त करने का फैसला कई कानूनी, सबूतों व नीतिगत कारणों से सही था। विभाग के दोबारा मूल्यांकन का मुख्य आधार यह निष्कर्ष है कि कथित गड़बड़ी मुख्य रूप से भारत में हुई थी, जहां भारतीय अधिकारियों ने पहले ही इन आरोपों की जांच की थी और कोई कार्रवाई योग्य गड़बड़ी नहीं पाई थी। डीओजे के अनुसार जिन सिक्योरिटीज का मामला है, उनमें एक पैसा भी नहीं डूबा है। विभाग ने प्रॉसिक्यूशन की कई बड़ी खामियां भी स्वीकार कीं। हालांकि अदालत ने अभी केस खारिज करने पर कोई फैसला नहीं सुनाया है, डीओजे का यह स्पष्ट और कड़ा मूल्यांकन मामले की समझ को गहराई से प्रभावित करेगा।

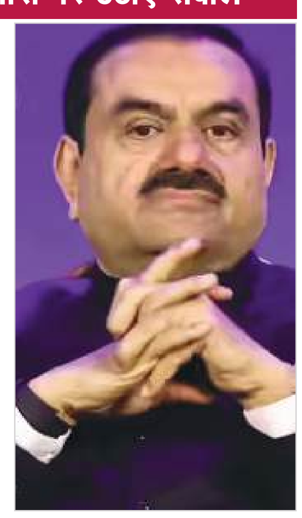

नेक्स्ट भारत वेंचर्स का 2,000 करोड़ रुपए का नया कोष

कृषि, स्वास्थ्य, फिनटेक व सामाजिक हित में एआई स्टार्टअप पर फोकस

नई दिल्ली ।

जापान की सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन समर्थित नेक्स्ट भारत वेंचर्स ने सोमवार को 2,000 करोड़ के अपने दूसरे निवेश कोष की घोषणा की। यह कोष भारत में कृषि, वित्तीय समावेश, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक हित जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग करने वाले स्टार्टअप को समर्थन देगा। नेक्स्ट भारत वेंचर्स का लक्ष्य ग्रामीण भारत, छोटे व मझोले शहरों तथा असंगठित व गिग क्षेत्र से जुड़े कामगारों के स्थानीय समुदायों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने वाले स्टार्टअप्स में निवेश करना है। कंपनी इससे पहले अपने 340 करोड़ रुपए के पहले कोष के माध्यम से 20 से अधिक इम्पैक्ट ऑर्गेनाइजेशन में निवेश कर चुकी है। नेक्स्ट भारत वेंचर्स के एक अे धिकारी ने बताया कि नए कोष का अधिकतर निवेश सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन एक एंकर लिमिटेड पार्टनर के रूप में करेगी। इसके अलावा, जापान की अन्य कंपनियों से भी निवेश जुटाया जाएगा। नाथ ने इस रणनीति का कारण बताते हुए कहा कि जापानी संस्थान निवेश के मामले में कहीं अधिक धैर्यवान होते हैं। कंपनी अगले तीन से चार वर्षों में इस 2,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बना रही है।

वाहन बिक्री ने जून में बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड 21.83 फीसदी की बंपर वृद्धि दर्ज

फाडा ने बताया अब तक का सबसे बेहतर जून, सभी खंडों में रिकॉर्ड प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

भारतीय वाहन खुदरा बाजार ने जून में शानदार प्रदर्शन किया, जहां कुल बिक्री सालाना आधार पर 21.83त्न बढ़कर 25,57,234 इकाई हो गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने सोमवार को बताया कि यह अब तक का सबसे बेहतरीन जून महीना रहा, जिसमें सभी खंडों - दोपहिया, तिपहिया, वाणिज्यिक और यात्री वाहन - ने रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की है। फाडा के आंकड़ों के अनुसार, यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 28.63 फीसदी बढ़कर 4,10,853 इकाई और दोपहिया वाहनों की बिक्री 21.22 फीसदी बढ़कर 18,28,458 इकाई पर पहुंच गई। वहीं, तिपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में क्रमशः 16.2 फीसदी और 16.88 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने इस प्रदर्शन को ऐतिहासिक करार दिया। जुलाई के लिए, 51.24 फीसदी डीलरों ने बिक्री में वृद्धि की उम्मीद जताई है, जो मजबूत सकारात्मक दृष्टिकोण दर्शाता है। इस आशावाद का आधार मानसून की स्थिति में सुधार, खरीफ बुवाई में तेजी और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी है। फाडा ने जुलाई-सितंबर 2026 तिमाही के लिए डीलरों के भरोसे में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जहां 66.17 फीसदी डीलर बाजार में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में नकदी प्रवाह में सुधार, इलेक्ट्रिक और सीएनजी वाहनों की बढ़ती मांग तथा नए मॉडल लॉन्च इस सकारात्मक रुझान को बनाए रखेंगे।

मिडकैप फंड्स में निवेशकों का अटूट भरोसा- मई में भी 4,000 करोड़ निवेश

सरकारी खर्च, मजबूत डिफेंस ऑर्डर और बढ़ती मांग ने मिडकैप कंपनियों के लिए खोले नए रास्ते

नई दिल्ली ।

भारतीय इक्विटी बाजार में मिडकैप सेगमेंट निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है। मई 2026 में भी मिडकैप म्युचुअल फंड्स में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया, जो अप्रैल के बाद लगातार दूसरा महीना है जब इस कैटेगरी में इतना भारी निवेश आया है। खास बात यह है कि मई में कोई नया मिडकैप फंड लॉन्च न होने के बावजूद निवेशकों का भरोसा कायम रहा, जो इन कंपनियों के बेहतर ग्रोथ आउटलुक को दर्शाता है। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2026 में मिडकैप फंड्स में 4,780.58 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया था, जबकि मई में यह आंकड़ा 4,385.06 करोड़ रुपये रहा। मई के दौरान कुल 8,270.23 करोड़ रुपये का निवेश इन फंड्स में आया और 3,885.16 करोड़ रुपये की निकासी हुई, जिससे शुद्ध निवेश 4,385.06 करोड़ रुपये रहा। इसके साथ ही, मिडकैप फंड्स का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट बढ़कर करीब 4.88 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।कोटक म्युचुअल फंड के सीनियर फंड मैनेजर अतुल भोले के अनुसार, सरकार के बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च, डिफेंस सेक्टर के मजबूत ऑर्डर, इलेक्ट्रॉनिक्स व सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को मिल रहा बढ़ावा, हेल्थकेयर की बढ़ती मांग और निर्यात के बेहतर अवसरों ने मिडकैप कंपनियों के लिए नए ग्रोथ के मौके पैदा किए हैं। देश की युवा आबादी, बढ़ता घरेलू निवेश और नए आर्थिक सुधार भी इन कंपनियों की कमाई बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अगले 12 महीनों के आउटलुक पर बात करते हुए भोले ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और कच्चे तेल समेत कई कमोडिटी की कीमतों में नरमी से कंपनियों की लागत घटने की उम्मीद है। पिछले साल के कमजोर प्रदर्शन के मुकाबले इस साल बिक्री और मुनाफे में सुधार देखने को मिल सकता है। मजबूत बैंक लोन ग्रोथ, बढ़ता जीएसटी कलेक्शन और बेहतर आर्थिक गतिविधियां भी इस सकारात्मक रुख की ओर इशारा कर रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में मिडकैप कंपनियां बड़ी कंपनियों के मुकाबले बेहतर ग्रोथ दिखा सकती हैं, खासकर वे जिनके पास कारोबार बढ़ाने और बाजार हिस्सेदारी मजबूत करने की क्षमता है।

टाटा टेक्नोलॉजीज 17 को जारी करेगी पहली तिमाही वित्त वर्ष 27 नतीजे

बोर्ड बैठक में अनऑडिटेड वित्तीय नतीजों को मिलेगी मंजूरी, जून 24 से इनसाइडर ट्रेडिंग विंडो बंद

नई दिल्ली ।

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज ने अपनी पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026-27) के नतीजों की घोषणा के लिए 17 जुलाई 2026 की तारीख तय की है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इस दिन बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक होगी, जहां जून तिमाही के अनऑडिटेड वित्तीय नतीजों को मंजूरी दी जाएगी। उम्मीद है कि नतीजे बाजार बंद होने के बाद जारी होंगे, जैसा पिछली बार हुआ था। कंपनी की रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, 24 जून 2026 से ट्रेडिंग विंडो बंद कर दी गई है। यह विंडो तिमाही नतीजे सार्वजनिक होने और स्टॉक एक्सचेंज पर उनकी जानकारी जारी होने के 48 घंटे बाद तक बंद रहेगी। इसका मुख्य उद्देश्य कंपनी से जुड़े इनसाइडर्स को शेयरों में खरीद-बिक्री करने से रोकना है। पिछली मार्च 2026 तिमाही में टाटा टेक्नोलॉजीज का प्रदर्शन शानदार रहा था। कंपनी का कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा 8 फीसदी बढ़कर 204 करोड़ रुपए हो गया था, जबकि ऑपरेशन से आय 22त्न बढ़कर 1,572 करोड़ तक पहुंच गई थी। ऐ बिटा मार्जिन भी 14.1 फीसदी से बढ़कर 16 फीसदी हो गया था।

इस तिमाही में कंपनी ने शेयरधारकों के लिए कुल 11.70 प्रति शेयर का डिविडेंड भी घोषित किया था। शुक्रवार को टाटा टेक्नोलॉजीज का शेयर 715.85 रुपए पर 0.50 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ।

गुरुग्राम में ओबेरॉय रियल्टी की 8,109 करोड़ की लग्जरी इकाइयां बिकीं

दिल्ली-एनसीआर में पहली आवासीय परियोजना थ्री सिक्स्टी नॉर्थ को मिला जबरदस्त प्रतिसाद

नई दिल्ली ।

मुंबई की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनी ओबेरॉय रियल्टी लिमिटेड ने गुरुग्राम के रियल एस्टेट बाजार में धमाकेदार प्रवेश किया है। कंपनी ने अपनी पहली दिल्ली-एनसीआर आवासीय परियोजना में हाल ही में लॉन्च की गई लग्जरी इकाइयों से मजबूत मांग के दम पर 8,109 करोड़ रुपए की सकल बुकिंग दर्ज की है।

यह सफलता कंपनी के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

ओबेरॉय रियल्टी ने शेयर बाजार को सूचित किया कि गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर स्थित उसकी पहली लग्जरी आवासीय परियोजना थ्री सिक्स्टी नॉर्थ को खरीदारों से उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली है। कंपनी ने 29 जून को इस परियोजना के पहले चरण की शुरुआत की घोषणा की थी, जिसमें छह टावर में कुल 832 आवासीय इकाइयां शामिल हैं।

इस 14.8 एकड़ की परियोजना में 13.52 लाख वर्ग फुट का रेरा कारपेट क्षेत्र (कुल 23.10 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र) बेचा गया है।

कंपनी ने बताया कि इस परियोजना में कुल 6,000 करोड़ रुपए का निवेश और 16,000 करोड़ रुपए की संभावित आय का अनुमान है। ओबेरॉय रियल्टी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक विकास ओबेरॉय ने परियोजना के लॉन्च के समय विश्वास व्यक्त किया था कि उनका ब्रांड एनसीआर बाजार में भी सफलतापूर्वक स्थापित हो सकता है, जो अब शुरुआती बिक्री आंकड़ों से सच साबित होता दिख रहा है।

योगी के घर लंच, केशव के घर चाय और ब्रजेश के घर आम पार्टी के जरिये भाजपा ने दिया बड़ा संदेश

नीरज कुमार दुबे

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दो दिवसीय लखनऊ दौरे ने यह साफ कर दिया कि पार्टी ने 2027 के मिशन की औपचारिक शुरूआत कर दी है। संगठनात्मक बैठकों, रणनीतिक विमर्श और सहयोगी दलों के साथ लगातार संवाद के बीच रविवार का दिन राजनीतिक संदेशों से भरा रहा।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में रविवार को केवल दावतें नहीं हुईं, बल्कि भाजपा ने लंच, मैंगो पार्टी और चाय पार्टी के जरिए 2027 की चुनावी एकजुटता का खुला संदेश दिया। देखा जाये तो उत्तर प्रदेश की राजनीति में कुछ दृश्य केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं होते बल्कि वे सीधे सत्ता और संगठन के भीतर के संदेश बन जाते हैं। वर्ष 2022 के चुनावों से ठीक पहले जिस तरह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के घर पहुंचे थे, उसी राजनीतिक संकेत को भाजपा ने इस बार और ज्यादा व्यापक रूप में दोहराया। फर्क सिर्फ इतना रहा कि इस बार तस्वीर और भी ज्यादा मजबूत दिखाई दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और वरिष्ठ नेताओं का साथ में लंच, फिर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के यहां मैंगो पार्टी और उसके बाद उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के घर चाय पार्टी ने साफ कर दिया कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व उत्तर प्रदेश में किसी भी तरह के मतभेद की अटकलों को पूरी तरह खत्म करना चाहता है। योगी, केशव और ब्रजेश की साझा मौजूदगी ने केंद्रीय नेतृत्व को यह भरोसा दिला दिया कि 2027 का चुनाव भाजपा पूरी राजनीतिक एकजुटता, संगठनात्मक तालमेल और साझा रणनीति के साथ लड़ेगी। सत्ता, संगठन और सामाजिक समीकरणों को एक मंच पर लाकर भाजपा ने यह संदेश दे दिया कि चुनावी बिगुल बज चुका है और पार्टी अब पूरी ताकत के साथ मैदान में उतर चुकी है।

देखा जाये तो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दो दिवसीय लखनऊ दौरे ने यह साफ कर दिया कि पार्टी ने 2027 के मिशन की औपचारिक शुरूआत कर दी है। संगठनात्मक बैठकों, रणनीतिक विमर्श और सहयोगी दलों के साथ लगातार संवाद के बीच रविवार का दिन राजनीतिक संदेशों से भरा रहा। दिन की शुरूआत भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ चाय पर चर्चा से हुई, जहां संगठन की पुरानी ताकत, पुराने अनुभव और आने वाले चुनाव की नई रणनीति पर गंभीर मंथन हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री बीएल संतोष और कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ने यह संकेत दिया कि भाजपा इस बार चुनाव को केवल सत्ता बचाने की लड़ाई नहीं, बल्कि एक बड़े राजनीतिक अभियान के रूप में देख रही है।

लेकिन असली राजनीतिक संदेश तब सामने आया जब औपचारिक बैठकों के बाद भाजपा नेतृत्व ने अपने अंदाज को पूरी तरह राजनीतिक प्रतीकों में बदल दिया। सबसे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और अन्य वरिष्ठ नेता उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के आवास पहुंचे, जहां आम पार्टी आयोजित की गई थी। राजनीतिक तपिश के बीच आम की मिठास ने माहौल को हल्का जरूर किया, लेकिन इसके भीतर छिपा संदेश बेहद गंभीर था।

ब्रजेश पाठक ने सभी नेताओं का स्वागत किया और प्रदेश के प्रसिद्ध आम परोसे। माहौल में राजनीतिक तनाव की जगह सहज बातचीत, हंसी और आत्मीयता दिखाई दी। सबसे चर्चित क्षण तब आया जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने हाथ में आम उठाया, उसे दांतों से छीलते हुए मुस्कुराए और फिर उसका स्वाद लिया। वहां मौजूद नेताओं के बीच ठहाके गूंज उठे। यह दृश्य केवल एक अनौपचारिक क्षण नहीं था, बल्कि भाजपा नेतृत्व की अंदरूनी सहजता और पारस्परिक विश्वास का सार्वजनिक प्रदर्शन भी था।

आम पार्टी के बाद पूरा काफिला उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास पहुंचा, जहां चाय पार्टी आयोजित की गई। यहां नितिन नवीन का पारंपरिक अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया और उन्हें भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंट की गई। योगी आदित्यनाथ, बीएल संतोष, ब्रजेश पाठक और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ने इस मुलाकात को और अधिक राजनीतिक महत्व दे दिया।

दरअसल, भाजपा अच्छी तरह जानती है कि उत्तर प्रदेश का चुनाव केवल विकास योजनाओं या चुनावी नारों से नहीं जीता जाता, बल्कि संगठनात्मक एकजुटता और सामाजिक समीकरणों की मजबूती भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। यही कारण है कि 2022 से पहले जिस तरह योगी आदित्यनाथ का केशव मौर्य के घर जाना चर्चा का केंद्र बना था, उसी तरह इस बार भी वही तस्वीर दोहराकर भाजपा ने यह संदेश देने की कोशिश की कि पार्टी में कोई दूरी नहीं है, कोई खेमेबाजी नहीं है और पूरा नेतृत्व एक साथ खड़ा है।

नितिन नवीन ने भी अपने पूरे दौरे के दौरान बार-बार यही संकेत दिया कि यह समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा के विस्तार का समय है। भाजपा की रणनीति साफ दिखाई दी। एक ओर संगठन को सक्रिय करना, दूसरी ओर राजग सहयोगियों को साथ लेकर चलना और तीसरी ओर नेतृत्व की एकजुट तस्वीर को जनता के सामने रखना।

ताज होटल में आयोजित राजग सहयोगियों की बैठक में राष्ट्रीय लोक दल, निषाद पार्टी, सुभासपा और अपना दल के नेताओं ने जिस तरह 2027 में ऐतिहासिक जीत का दावा किया, उसने भाजपा की चुनावी तैयारियों को और स्पष्ट कर दिया। केशव प्रसाद मौर्य ने साफ शब्दों में कहा कि भाजपा 2027 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि जनता विकास, सुशासन और सुरक्षा चाहती है, न कि गुंडाराज और परिवारवाद।

देखा जाये तो भाजपा की पूरी कवायद का सबसे बड़ा संदेश यही था कि उत्तर प्रदेश में 2027 का चुनाव केवल सीटों का संघर्ष नहीं होगा, बल्कि राजनीतिक मनोबल, संगठनात्मक शक्ति और नेतृत्व की एकजुटता की भी परीक्षा होगा। योगी आदित्यनाथ, केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की एक साथ मौजूदगी ने यह साफ कर दिया कि भाजपा ने चुनावी बिगुल फूंक दिया है और पार्टी अब हर स्तर पर अपने कार्यकर्ताओं, सहयोगियों और समर्थकों को यह भरोसा दिलाना चाहती है कि सत्ता और संगठन दोनों पूरी तरह एक सुर में हैं। लखनऊ में रविवार को दिखाई दी यह राजनीतिक तस्वीर केवल चाय और आम पार्टी की तस्वीर नहीं थी, बल्कि 2027 की चुनावी पटकथा का पहला सार्वजनिक दृश्य थी।

संपादकीय

जीवन-रक्षक न्यायिक पहल

कैसी विडंबना है कि जिस जिम्मेदार व्यवहार को शासन-प्रशासन को अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए करना चाहिए, उसकी पहल अदालत को करनी पड़ रही है। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एक जरूरी नागरिक समस्या की ओर शासन-प्रशासन का ध्यान दिलाया है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है- सड़कों के किनारे छोड़े गए दुर्घटनाग्रस्त वाहन। जिनसे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। दरअसल, शिमला एयरपोर्ट तक जाने वाली सड़क और जिला अदालत के आस-पास पड़ी अनेक दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को देखकर ही अदालत ने यह बात कही। कोर्ट का कहना है कि ये दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियां सड़क सुरक्षा के लिये खतरा और पर्यावरण के लिये नुकसानदेह हैं। निस्संदेह,यह प्रशासनिक लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है। पहाड़ी राज्यों में, जहां सड़कें संकरी और घुमावदार होती हैं और लगातार भूस्खलन का खतरा बना रहता है, वहां सड़क की हर इंच जगह कीमती होती है। तार्किक ही है कि छोड़ी गई गाड़ियां सड़क की चौड़ाई को कम कर देती हैं। वहीं दूसरी ओर तीव्र मोड़ों पर देखने में बाधा डालती हैं। ये आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही में भी बाधक बनती हैं। निस्संदेह, इससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। विशेष रूप से बरसात के मौसम में जब फिसलन भरी सड़कों और कम दृश्यता के कारण वाहन चालक पहले ही ड्राइविंग में मुश्किलों का सामना कर रहे होते हैं। ऐसे में सड़कों को कबाड़खाने में तब्दील करने की इजाजत किसी भी कीमत पर नहीं दी जा सकती। दूसरी तरफ इन दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव की भी अनदेखी नहीं की जा सकती। इनका पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव भी एक गंभीर समस्या है। क्षतिग्रस्त वाहनों से अक्सर ईंधन, इंजन ऑयल,कूलेंट, ब्रेक फ्लूइड तथा बैटरी एसिड रिसता रहता है। जिससे मिट्टी तथा जल-स्रोत प्रदूषित हो सकते हैं। हिमालय पर्वत शृंखलाओं जैसे पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में इस तरह के प्रदूषण के दूरगामी घातक प्रभाव हो सकते हैं। निश्चित रूप से पुलिस, परिवहन विभाग, नगर निकायों, बीमा कंपनियों और न्यायपालिका के बीच तालमेल न होने के कारण ही समस्या जटिल बनी हुई है। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के संबंध में जांच लंबित होने, बीमा संबंधी विवादों और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के लिये निर्धारित जगह न होने से यह समस्या जटिल बनी हुई है। इन सभी कारणों से ये दुर्घटनाग्रस्त वाहन सड़कों के किनारे यूं ही पड़े रहते हैं। यही वजह है कि हाईकोर्ट ने समस्या के निदान के लिये एक कारगर एक्शन प्लान की मांग की है। जिसमें जब्त वाहनों के लिये खास यार्ड बनाने, डिजिटल तरीके से पड़ताल, जब्त वाहनों को छोड़ने के लिये समयबद्ध प्रक्रिया और स्क्रैपिंग सेंटरों के जरिये वैज्ञानिक तरीके से रीसाइक्लिंग की सख्त जरूरत है।

चिंतन-मनन

जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारण थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सब मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर। इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम आएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा। हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगें। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं। अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती। क्योंकि कोई तेरह नंबर पर ठहरने को राजी नहीं है। तेरह शब्द से ही घबराहट होती है। बारह नंबर के कमरे के बाद चौदह नंबर आता है। असल में होता तो वह तेरहवां ही है, लेकिन जो ठहरता है, उसे चौदह याद रहता है। तेरह की चिंता नही पकड़ती।

चीन में बड़े अर्थपूर्ण कारण से यह विश्वास फैला। तेरह अपशकुन है। तुम चौदहवें हो और तुम्हें चौदहवें का कोई पता भी नहीं। तुम न जीवन हो, न मौत। तुम दोनो के पार हो। अगर इन तेरह के प्रति सजग हो जाओगे, पृथक हूं, मै अन्य हूं। शरीर और, मैं और। और यह जो भीतर भिन्नता, शरीर से अलग चैतन्य का अविर्भाव होगा, इसकी न कोई मृत्यु है, न कोई जीवन है। यह न कभी पैदा हुआ, न कभी मरेगा।

क्षमा से ही खिलता है जीवन का सच्चा सौंदर्य

कांतिलाल मांडोत

हर वर्ष 7 जुलाई को विश्व क्षमा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को पुराने मतभेदों, कटु स्मृतियों और वैरभाव को भुलाकर स्वयं तथा दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रेरित करना है। वर्ष 1994 में कनाडा में क्राइस्ट्स एंबेसडर्स क्रिश्चियन एंबेसी द्वारा इस दिवस की शुरूआत की गई थी। आज यह दिन केवल किसी एक देश या समुदाय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया में शांति, प्रेम, सहिष्णुता और मानवीय मूल्यों का संदेश देने वाला अवसर बन चुका है। आधुनिक जीवन की भागदौड़, तनाव, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ के बीच क्षमा का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। यह केवल एक शब्द नहीं बल्कि जीवन को प्रकाशमान करने वाली ऐसी साधना है, जो व्यक्ति के भीतर के अंधकार को समाप्त कर देती है।

क्षमा का अर्थ केवल किसी से औपचारिक रूप से यह कह देना नहीं कि मैं तुम्हें क्षमा करता हूँ। वास्तविक क्षमा हृदय की अनुभूति है। जब मन से क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और प्रतिशोध का भाव समाप्त हो जाता है, तभी सच्ची क्षमा जन्म लेती है। क्षमा अंतरात्मा का वह प्रकाश है जो मनुष्य को भीतर से निर्मल और शांत बनाता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में क्षमा को धर्म, तप और महानता का प्रतीक माना गया है। शास्त्रों में कहा गया है कि क्षमा वीरस्य भूषणम्, अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण है। जो स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही वास्तव में दूसरों को क्षमा करने की क्षमता रखता है।

विश्व क्षमा दिवस का महत्व केवल आध्यात्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अनेक स्वास्थ्य अध्ययनों में यह प्रमाणित हो चुका है कि क्षमा करने वाला व्यक्ति तनाव, चिंता और अवसाद से अपेक्षाकृत जल्दी मुक्त हो जाता है। जब मन में कटुता रहती है तो उसका प्रभाव शरीर पर भी पड़ता है। रक्तचाप बढ़ता है, नींद प्रभावित होती है और मन अशांत बना रहता है। इसके विपरीत क्षमा का भाव मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और भावनात्मक संतुलन प्रदान करता है। इसलिए क्षमा केवल दूसरों के लिए नहीं बल्कि स्वयं के लिए भी सबसे बड़ा उपहार है।

भारतीय संस्कृति में क्षमा की परंपरा अत्यंत प्राचीन और समृद्ध रही है। विशेष रूप से जैन धर्म में क्षमा को आत्मशुद्धि का सर्वोच्च साधन माना गया है। चातुर्मास के दौरान आने वाले पर्यूषण पर्व के समापन पर संवत्सरी महापर्व मनाया जाता है। इस दिन प्रत्येक जैन श्रद्धालु अपने द्वारा जाने-अनजाने में हुई सभी भूलों के लिए सभी प्राणियों से क्षमा याचना करता है। वह विनम्र भाव से कहता है– मिच्छामि दुक्कडम्, अर्थात यदि मुझसे मन, वचन या कर्म से कोई भूल हुई हो तो मुझे क्षमा करें। इसी भावना को प्राकृत गाथा में व्यक्त किया गया है–

खामेमि सव्वे जीवा, सव्वे जीवा वि खमंतु में। मित्ति में सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ॥

इसका भावार्थ है कि मैं सभी जीवों से क्षमा मांगता हूँ, सभी जीव मुझे क्षमा करें। मेरा सभी प्राणियों के साथ मैत्रीभाव है और किसी के प्रति कोई वैर नहीं है। यह संदेश केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए शांति का सूत्र है।

क्षमा का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है जब हम केवल अपने प्रियजनों से ही नहीं बल्कि उन लोगों से भी क्षमा मांगें या उन्हें क्षमा करें जिनसे हमारे संबंधों में कटुता आ गई हो। अक्सर देखा जाता है कि लोग औपचारिक रूप से क्षमायाचना का संदेश भेज देते हैं, लेकिन मन में द्वेष बनाए रखते हैं। ऐसी क्षमा केवल शब्दों तक सीमित रहती है। सच्ची क्षमा वही है जो हृदय की गहराइयों से निकले और संबंधों में नई मधुरता का संचार करे। यदि हम अपने विरोधी के प्रति भी मैत्रीभाव रख सकें, तभी क्षमा का वास्तविक स्वरूप प्रकट होता है।

जीवन में कषाय अर्थात क्रोध, मान, माया और लोभ ही अधिकांश दुखों का कारण बनते हैं। जैन आगमों में कहा गया है कि कषाय ही कर्मों का मूल कारण है। इसलिए मनुष्य को अपने भीतर उठने वाले क्रोध और अहंकार को शीघ्र समाप्त कर देना चाहिए। परिवार और समाज में अधिकांश विवाद छोटी-छोटी बातों से प्रारंभ होते हैं, लेकिन यदि समय रहते क्षमा और संवाद का मार्ग अपनाया जाए तो बड़े से बड़ा विवाद भी समाप्त हो सकता है। क्षमा संबंधों को जोड़ती है, जबकि अहंकार उन्हें तोड़ देता है।

इतिहास और धर्मग्रंथों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहाँ क्षमा ने असंभव प्रतीत होने वाली परिस्थितियों को भी बदल दिया। भगवान महावीर ने अपने विरोधियों के प्रति भी करुणा और क्षमा का भाव रखा। भगवान राम ने अपने धैर्य और विनम्रता से अनेक कठोर परिस्थितियों को सहज बना दिया। भगवान विष्णु ने भृगु ऋषि के पदाघात को भी सहजता से स्वीकार किया। भगवान बुद्ध ने अपमान और कटु वचनों का उत्तर भी शांत मुस्कान से दिया। महात्मा गांधी ने भी सत्य और अहिंसा के साथ क्षमा को अपने जीवन का आधार बनाया। इन सभी महापुरुषों ने सिद्ध किया कि क्षमा दुर्बलता नहीं बल्कि आत्मबल और आध्यात्मिक शक्ति का सर्वोच्च स्वरूप है।

आज का समाज अनेक प्रकार के तनाव, पारिवारिक विघटन, सामाजिक संघर्ष और मानसिक अशांति से जूझ रहा है। ऐसे समय में विश्व क्षमा दिवस हमें आत्मचिंतन का अवसर देता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जीवन बहुत छोटा है। यदि हम क्रोध, ईर्ष्या और द्वेष को अपने भीतर स्थान देते रहेंगे तो सबसे अधिक नुकसान हमारा ही होगा। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने मन को शुद्ध करें, दूसरों की भूलों को क्षमा करें और अपनी भूलों के लिए विनम्रता से क्षमा मांगें। यही आत्मविकास का सबसे सरल और श्रेष्ठ मार्ग है।

विश्व क्षमा दिवस केवल एक तिथि नहीं बल्कि मानवता का उत्सव है। यह हमें सिखाता है कि प्रेम, करुणा, मैत्री और क्षमा ही स्थायी सुख के आधार हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में क्षमा का भाव विकसित कर ले तो परिवारों में प्रेम बढ़ेगा, समाज में सौहार्द स्थापित होगा और विश्व में शांति का वातावरण बनेगा। यही इस दिवस का वास्तविक संदेश है कि हम अपने भीतर के अहंकार को त्यागकर प्रेम और सद्भाव के दीप जलाएँ। आइए, इस विश्व क्षमा दिवस पर हम संकल्प लें कि किसी भी व्यक्ति के प्रति मन में वैरभाव नहीं रखेंगे। यदि हमसे किसी के प्रति कोई भूल हुई है तो विनम्रतापूर्वक क्षमा मांगेंगे और जिसने हमें कष्ट पहुँचाया है, उसे भी खुले मन से क्षमा करेंगे। यही आत्मशुद्धि का मार्ग है, यही धर्म का सार है और यही मानव जीवन की सबसे बड़ी विजय है। सच ही कहा गया है–

प्रेम क्षमा सद्भाव का संवत्सर दिन खासआतप घटे कषाय का बढ़े धर्म की प्यास।

डिजिटल पायरेसी पर निर्णायक प्रहार जवाबदेही के नए दौर में डिजिटल प्लेटफॉर्म

विनोद कुमार सिंह

भारत तीव्र गति से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। मनोरंजन,शिक्षा,व्यापार, पत्रकारिता और संचार का बड़ा हिस्सा अब ऑनलाइन माध्यमों पर निर्भर है।तकनीकी विकास ने रचनात्मक उद्योगों के लिए अभूतपूर्व अवसर पैदा किए हैं,वहीं डिजिटल पायरेसी जैसी चुनौती भी उतनी ही गंभीर होती गई है।कभी पायरेटेड सीडी और डीवीडी इस अवैध कारोबार का माध्यम थीं, फिर टोरेंट वेबसाइटों का दौर आया और अब एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म,क्लाउड स्टोरेज,निजी डिजिटल समूह तथा स्वचालित बॉट नेटवर्क पायरेटेड सामग्री के प्रसार के नए माध्यम बन चुके हैं। ऐसे परिदृश्य में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा Telegram को जारी नोटिस केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं,बल्कि भारत की डिजिटल शासन व्यवस्था में उभर रहे नए दृष्टिकोण का स्पष्ट संकेत है।सरकार ने Telegram से अपेक्षा की है कि वह केवल शिकायत मिलने पर सामग्री हटाने तक सीमित न रहे,बल्कि अपने प्लेटफॉर्म पर पायरेटेड फिल्मों, ओटीटी सामग्री और अन्य कॉपीराइट संरक्षित ऑडियो- विजुअल कंटेंट की पहचान, रोकथाम और निष्कासन के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करे तथा निर्धारित समय में विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करे।यह संदेश भी स्पष्ट है कि डिजिटल मध्यस्थ होने का अर्थ केवल तकनीकी मंच उपलब्ध कराना नहीं,बल्कि कानून के अनुरूप आवश्यक सावधानी और उत्तरदायित्व का पालन करना भी है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब भारत विश्व के सबसे बड़े फिल्म निर्माण देशों में शामिल होने के साथ-साथ सबसे तेजी से बढ़ते ओटीटी बाजारों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है।भारतीय भाषाओं की फिल्में और वेब सीरीज आज वैश्विक दर्शकों तक पहुँच रही हैं। डिजिटल माध्यमों ने छोटे शहरों के कलाकारों,स्वतंत्र फिल्मकारों और नए रचनाकारों को भी विश्वस्तरीय मंच प्रदान किया है।यह परिवर्तन केवल मनोरंजन उद्योग तक सीमित नहीं, बल्कि भारत की उभरती हुई क्रिएटर इकोनॉमी का आधार बन चुका है। डिजिटल पायरेसी का सबसे बड़ा नुकसान केवल फिल्म निमार्ता तक सीमित नहीं रहता।किसी भी फिल्म या वेब सीरीज के निर्माण में लेखक,निर्देशक, संगीतकार, गीतकार, अभिनेता, तकनीशियन, कैमरामैन, संपादक, ध्वनि विशेषज्ञ,ग्राफिक्स कलाकार, वितरक,प्रचार एजेंसियाँ और हजारों प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष कर्मचारी जुड़े होते हैं। किसी फिल्म की वैध आय में कमी का अर्थ इन सभी के श्रम और निवेश का अवमूल्यन है। यही कारण है कि विकसित देशों में बौद्धिक संपदा संरक्षण को आर्थिक विकास,नवाचार और निवेश की अनिवार्य शर्त माना जाता है।भारत में भी कॉपीराइट संरक्षण के लिए पर्याप्त कानूनी व्यवस्था उपलब्ध है।सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम,2000,सूचना प्रौद्योगिकी(मध्यस्थ दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021,कॉपीराइट अधिनियम, 1957 तथा सिनेमैटोग्राफ अधिनियम के विभिन्न प्रावधान डिजिटल माध्यमों पर होने वाले उल्लंघनों से निपटने का आधार प्रदान करते हैं। न्यायपालिका ने भी समय-समय पर जॉन डो अथवा अशोक कुमार आदेश तथा डायनेमिक इंजंक्शन जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से यह स्वीकार किया है कि डिजिटल अपराध स्थिर नहीं होते, इसलिए उनके समाधान भी तकनीक के अनुरूप गतिशील होने चाहिए।विश्व के अनेक देशों ने इसी अनुभव के आधार पर डिजिटल प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही बढ़ाई है।अमेरिका में डिजिटल मिलेनियम कॉपीराइट एक्ट,यूरोपीय संघ में डिजिटल सर्विसेज एक्ट तथा जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की नीतियाँ इस दिशा में स्पष्ट संकेत देती हैं कि तकनीकी कंपनियाँ केवल निष्क्रिय माध्यम बनकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकतीं। भारत का वर्तमान दृष्टिकोण भी इसी वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप दिखाई देता है।

हालाँकि यह विषय केवल कानून लागू करने का नहीं है। डिजिटल प्लेटफॉर्म आज शिक्षा,शोध, व्यापार,नागरिक संवाद और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के भी प्रमुख माध्यम हैं।करोड़ों भारतीय Telegram जैसे प्लेटफॉर्मों का उपयोग पूरी तरह वैध उद्देश्यों के लिए करते हैं। इसलिए पायरेसी के विरुद्ध किसी भी कार्रवाई में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि वैध उपयोगकताओं की निजता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और डिजिटल अधिकारों पर अनावश्यक प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। लोकतांत्रिक शासन की सफलता इसी संतुलन में निहित है कि अपराध पर कठोरता हो, लेकिन नागरिक अधिकार सुरक्षित रहें।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग और एन्क्रिप्टेड संचार प्रणालियों ने डिजिटल पायरेसी को और जटिल बना दिया है।पहले किसी पायरेटेड फिल्म को बड़े पैमाने पर प्रसारित करने के लिए संगठित नेटवर्क की आवश्यकता होती थी,जबकि अब कुछ ही मिनटों में स्वचालित बॉट,निजी समूह और क्लाउड लिंक के माध्यम से वही सामग्री हजारों स्थानों तक पहुँच सकती है। परिणामस्वरूप केवल सामग्री हटाने की पारंपरिक व्यवस्था पर्याप्त नहीं रह गई है। दुनिया भर में अब रोकथाम, पूर्व पहचान और तकनीकी निगरानी आधारित मॉडल पर अधिक बल दिया जा रहा है।भारत के सामने भी यही चुनौती है।किसी एक प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई करके डिजिटल पायरेसी की समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। इंटरनेट की प्रकृति ऐसी है कि एक माध्यम बंद होने पर दूसरा सक्रिय हो जाता है। इसलिए सरकार ,डिजिटल प्लेटफॉर्म, इंटरनेट सेवा प्रदाता, फिल्म उद्योग,ओटीटी कंपनियाँ, साइबर विशेषज्ञ और कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सतत समन्वय विकसित करना होगा। यह केवल कानूनी नहीं,बल्कि तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग का भी विषय है। रचनात्मक उद्योगों को भी समय के अनुरूप अपनी रणनीति बदलनी होगी।अनेक देशों के अनुभव बताते हैं कि जब फिल्में और डिजिटल सामग्री उचित मूल्य पर,उच्च गुणवत्ता के साथ और समय पर वैध मंचों पर उपलब्ध होती हैं,तब पायरेसी स्वतः घटती है।इसलिए केवल दंडात्मक कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी।उपभोक्ता-अनुकूल डिजिटल पारिस्थितिकी,तेज वैध वितरण और किफायती सेवाएँ भी इस लड़ाई का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।इसके साथ-साथ समाज में बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति सम्मान विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है।हमारे यहाँ अक्सर बिना भुगतान के फिल्म या वेब सीरीज देखना गंभीर अपराध नहीं माना जाता,जबकि वास्तव में यह किसी रचनाकार के श्रम और अधिकार का अतिक्रमण है।जिस प्रकार भौतिक संपत्ति की चोरी सामाजिक रूप से अस्वीकार्य है, उसी प्रकार बौद्धिक संपदा की चोरी को भी नैतिक और सामाजिक स्तर पर अस्वीकार किया जाना चाहिए। यह परिवर्तन केवल कानून से नहीं, बल्कि जन-जागरूकता और शिक्षा से आएगा।ळी'ींे को जारी नोटिस का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि भारत में व्यापार करने वाली डिजिटल कंपनियों को भारतीय कानूनों के अनुरूप उत्तरदायी भी होना होगा।भविष्य में संभव है कि अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्मों के लिए भी इसी प्रकार के मानक विकसित किए जाएँ।यदि इनका क्रियान्वयन पारदर्शी, न्यायसंगत और तकनीकी रूप से सक्षम ढंग से किया जाता है,तो भारत अपनी रचनात्मक अर्थव्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने के साथ-साथ वैश्विक डिजिटल शासन के क्षेत्र में भी संतुलित और उत्तरदायी मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति केवल आधारभूत संरचना, विनिर्माण और निवेश से संभव नहीं होगी। ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था, फिल्म, संगीत, एनीमेशन, गेमिंग, डिजिटल पत्रकारिता, ऑनलाइन शिक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित रचनात्मक उद्योग भी भारत की भविष्य की आर्थिक शक्ति के प्रमुख स्तंभ होंगे। इन क्षेत्रों में निवेश तभी बढ़ेगा,जब रचनाकारों को यह विश्वास होगा कि उनके श्रम,प्रतिभा और निवेश की प्रभावी कानूनी सुरक्षा उपलब्ध है। डिजिटल युग में यह केवल फिल्मों की पायरेसी का प्रश्न नहीं रह गया है।यह उस विश्वास की रक्षा का प्रश्न है,जिसके आधार पर कोई लेखक पुस्तक लिखता है,कोई संगीतकार धुन रचता है,कोई फिल्मकार करोड़ों रुपये का निवेश करता है और कोई युवा डिजिटल मंच पर अपने सपनों को आकार देता है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी न्याय विभाग ने अदाणी मामले को 'दोषपूर्ण' बताया, स्थायी रूप से आरोप हटाने का आग्रह

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी और अन्य सात आरोपियों के विरुद्ध दर्ज आपराधिक मामले को स्थायी रूप से समाप्त करने का अनुरोध किया है। विभाग ने अपने विस्तृत हलफनामे में कहा है कि यह मामला 'एक वर्ष पहले ही समाप्त कर दिया जाना चाहिए था या फिर इसे कभी दर्ज ही नहीं किया जाना चाहिए था।' न्याय विभाग के अनुसार इस मामले के अधिकांश कथित घटनाक्रम भारत में हुए, भारतीय कंपनियों और भारतीय अधिकारियों से जुड़े थे तथा इसकी जांच भारतीय एजेंसियों ने भी की थी। विभाग का कहना है कि ऐसे मामलों में भारत की न्याय व्यवस्था अधिक उपयुक्त है और अमेरिका को 'दुनिया का पुलिसकर्मी' बनने की आवश्यकता नहीं है। विभाग ने 2024 में जो बाइडन प्रशासन के तहत अदाणी और अन्य पर आरोप लगाए थे। उन पर भारतीय सरकारी अधिकारियों को 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर की रिश्वत देने की योजना में शामिल होने का आरोप था। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने अमेरिकी निवेशकों से कम से कम 175 मिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाए थे। न्याय विभाग ने कहा कि अभियोजकों को मामले छोड़ने के निर्णयों को सार्वजनिक रूप से उचित ठहराने की आवश्यकता भविष्य में ऐसी बर्खास्तगियों को हतोत्साहित करेगी। यह आंतरिक विचार-विमर्श को उजागर करेगा और कार्यकारी शाखा के सांविधानिक अधिकार का उल्लंघन करेगा।

ईरान : गाजा-लेबनान में इस्राइल की कार्रवाई पर भड़के पेजेशकियन, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को घेरा

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शनिवार (स्थानीय समय) को पश्चिम एशिया में इस्राइल की कार्रवाइयों की निंदा की। उन्होंने अमेरिका पर इस्राइल को समर्थन देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में बुद्धिजीवियों, वैज्ञानिकों और प्रभावशाली लोगों की निशाना बनाकर हत्याएं की गई हैं। समाचार एजेंसी आईआरएनए ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति पेजेशकियन तेहरान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'इमाम खामेनेई; द इटरनल लीडर ऑफ रेजिस्टेंस' में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रभाव पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ये संस्थाएं मानवाधिकारों की रक्षा का दावा करती हैं। लेकिन ऐसी घटनाओं को रोकने में विफल रही हैं। पेजेशकियन ने कहा, अगर इस्लामी देश मिलकर काम करें तो गाजा, लेबनान और फलस्तीन में संघर्ष और मानवीय संकट को रोका जा सकता है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इस्लामी संप्रदायों और जातीय समूहों में विभाजन बाहरी ताकतों को क्षेत्र में तनाव बढ़ाने का मौका देता है। उन्होंने कहा, दिवंगत अयातुल्ला अली खामेनेई का मार्गदर्शन दुनियाभर में आज भी प्रेरणा देता है। उनका संदेश एकता, गरिमा, स्वतंत्रता और प्रतिरोध के रूप में पहले से ज्यादा मजबूत हो गया है। राष्ट्रपति ने घरेलू और विदेशी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि यह सम्मेलन इस्लामी दुनिया में एकता और सहयोग को मजबूत करेगा तथा हिंसा, आतंकवाद और प्रभुत्व (दबदबे) की नीतियों के खिलाफ मिलकर काम करने की प्रेरणा देगा। उन्होंने अली खामेनेई की मौत का जिक्र किया और इसे दुखद लेकिन प्रेरणादायक बताया। पेजेशकियन ने कहा कि ऐसे दिव्य नेताओं के विचार उनकी मृत्यु के बाद भी जीवित रहते हैं और आने वाली पीढ़ियों को न्याय और प्रतिरोध की राह पर प्रेरित करते रहते हैं।

कांगो में छात्रों को ले जा रही नाव नदी में डूबी, कम से कम 20 लोगों की मौत

किंशासा, एजेंसी। मध्य अफ्रीकी देश कांगो में राज्य स्तरीय परीक्षा देकर लौट रहे छात्रों को ले जा रही एक नाव शुक्रवार को नदी में डूब गई। अधिकारियों के अनुसार, इस हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह नाव कसाई प्रांत में संकुरू और कसाई नदियों के संगम क्षेत्र में प्रवेश करते समय डूब गई। कांगो में नाव हादसे आम हैं। देर रात यात्रा, क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाना, कमजोर सुरक्षा व्यवस्था और दूरदराज के इलाकों में बुनियादी ढांचे की कमी के कारण पिछले कुछ वर्षों में ऐसे हादसों में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। कसाई प्रांत के इलेबो क्षेत्र के प्रशासक फ्रांस्वा कबुला ने कहा, '80 लोगों को बचा लिया गया है और 20 शव बरामद किए गए हैं।' हालांकि, हादसे के प्रत्यक्षदर्शी त्शिकुडी जीन ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया कि नाव में 200 से अधिक लोग सवार थे।

अमेरिकी कांग्रेस की सुनवाई में सीआईए ने विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और जेलों के इस्तेमाल की जांच की

वाशिंगटन, एजेंसी। इस हफ्ते हुई कांग्रेस की एक सुनवाई में अमेरिकी खुफिया एजेंसी (सीआईए) के कोल्ड वॉर के दौर के एमके-अल्ट्रा प्रोग्राम की फिर से जांच शुरू हुई। इसमें सांसदों और एक्सपर्ट गवाहों ने आरोप लगाया कि एजेंसी ने दशकों तक इस प्रोग्राम के दायरे को छिपाए रखा और अमेरिका में यूनिवर्सिटी, हॉस्पिटल, जेल और दूसरी जगहों का इस्तेमाल करके बिना जानकारी वाले लोगों पर 'माइंड-कंट्रोल' (दिमाग पर काबू पाने) के एक्सपेरिमेंट किए। फेडरल सीक्रेट्स को सार्वजनिक करने के मामले में 'हाउस ओवरसाइट एंड अकाउंटेबिलिटी कमेटी' की टास्क फोर्स ने इतिहासकार स्टीफन किन्जर और पत्रकार टॉम ओ'नील के बयान सुने। उन्होंने तर्क दिया कि सीआईए प्रोग्राम के अहम पहलू अभी भी छिपे हुए हैं, क्योंकि कई रिकॉर्ड जान-बूझकर नष्ट कर दिए गए थे या उनमें से कई जानकारियां हटा दी गई थीं। सुनवाई की शुरुआत करते हुए टास्क फोर्स की अध्यक्ष अन्ना पॉलिना लुना ने कहा कि एमके-अल्ट्रा प्रोग्राम न तो कोई पॉलिसी की विफलता थी और न ही कोई ऐसा अति-उत्साही कार्यक्रम, जो नियंत्रण से बाहर हो गया हो।

उन्होंने कहा, 'यह सरकार का एक सोच-समझकर और व्यवस्थित तरीके से चलाया गया ऑपरेशन था, जिसमें अमेरिकी नागरिकों, कैदियों, अस्पताल के मरीजों, पूर्व सैनिकों और आम लोगों को उनकी जानकारी या सहमति के बिना एलएसडी, इलेक्ट्रोशॉक, सम्मोहन (हिप्नोसिस), सेंसरी डिप्राइवेशन (इंद्रियों को संवेदना से वंचित रखना) और मानसिक प्रताड़ना का शिकार बनाया गया। लुना ने आरोप लगाया कि तत्कालीन सीआईए निदेशक रिचर्ड हेल्स ने 1973 में पद छोड़ने से पहले एमके-अल्ट्रा फाइलकों को नष्ट करने का आदेश दिया था, जिसे उन्होंने 'न्याय में बाधा' और 'संघीय अभिलेखों का आपराधिक विनाश' बताया। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि एमके-अल्ट्रा के अतिरिक्त अभिलेखों की खोज की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने और प्रतिनिधि एरिक बर्लिसन ने हाल ही में सीआईए मुख्यालय का दौरा किया था। लुना ने कहा, 'सीआईए वर्तमान में हाल ही में मिले दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की प्रक्रिया में है। उन्होंने आगे कहा कि ये रिकॉर्ड एमके-अल्ट्रा के तहत चलाए जा रहे एक जालसाजी कार्यक्रम से संबंधित हैं। पॉइजनर इन चीफ के लेखक किंजर ने गवाही दी कि यह प्रोग्राम अमेरिका और विदेशों में जेलों, क्लीनिकों और सेफ हाउस तक फैला हुआ था। उन्होंने कहा, 'इंसान के दिमाग और शरीर को खत्म करने के तरीकों की तलाश में एमके-अल्ट्रा ने मानव पर अब तक के सबसे खतरनाक एक्सपेरिमेंट किए, जो किसी अमेरिकी सरकारी एजेंसी ने कभी नहीं किए।' उन्होंने कहा कि किसी भी स्टैंडर्ड से वे मेडिकल टॉर्चर के तौर पर सही हैं। उन्होंने कहा कि बचे हुए रिकॉर्ड दिखाते हैं कि एमके-अल्ट्रा में कम से कम 149 सबप्रोजेक्ट्स थे, जिनमें 80 से ज्यादा इंस्टीट्यूशन और 185 नॉन-गवर्नमेंट रिसर्चर शामिल थे। किंजर ने कांग्रेस से डीक्लासिफाइड फाइलों से बाकी बचे हुए बदलावों को हटाने की मांग की। उन्होंने कहा, 'अब 70 साल बीत चुके हैं। यह बात अब वैलिड नहीं रह सकती।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं इस कमेटी से आग्रह करूंगा कि हमारे पास जो डॉक्यूमेंट्स हैं, उनमें सभी खाली जगहों को भरने की कोशिश करे। ओ'नील, जो 'कैओस' के लेखक हैं, ने सांसदों से कहा कि उनका मानना ??है कि पिछली कांग्रेस की जांच में प्रोग्राम का पूरा ब्योरा नहीं दिया गया था। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि कांग्रेस को इस कार्यक्रम की वास्तविक उपलब्धियों के बारे में कभी सच नहीं बताया गया। एजेंसी ने 1977 में कांग्रेस को गुमराह किया था जब उसने एमके-अल्ट्रा को एक असफल कार्यक्रम बताया था। उन्होंने गवाही दी कि उनके शोध में मनोचिकित्सक लुई जोल्योन वेस्ट और सिडनी गॉटलिब, जो एमके-अल्ट्रा का नेतृत्व करने वाले सीआईए वैज्ञानिक थे, के बीच पत्राचार का पता चला, जिसमें एलएसडी, सम्मोहन और अनजाने मानव विषयों से जुड़े प्रयोगों पर चर्चा की गई थी। ओ'नील के अनुसार, उन्हें मिले दस्तावेजों में अनिच्छुक व्यक्तियों से सच्ची जानकारी निकालने और उनमें झूठी जानकारी डालने तथा पहले से वफादार व्यक्तियों के दृष्टिकोण और विश्वासों को बदलने के प्रयासों का वर्णन किया गया है। सांसदों ने गवाहों से बार-बार उन आरोपों के बारे में सवाल किए कि विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, जेलों और सैन्य सुविधाओं का इस्तेमाल सीआईए द्वारा वित्त पोषित संगठनों के माध्यम से गुप्त प्रयोग करने के लिए किया गया था। ओ'नील ने लेक्सिंगटन एडिक्शन सेंटर, लैकलैंड एयर फोर्स बेस हॉस्पिटल, होम्सबर्ग जेल, वैकाविल जेल और कई विश्वविद्यालयों सहित उन संस्थानों की पहचान की, जो सुनवाई के दौरान चर्चा किए गए शोध से जुड़े थे। दोनों गवाहों ने पीड़ितों की पहचान करने और अतिरिक्त रिकॉर्ड जारी करने के लिए नए सिरे से प्रयास करने का आह्वान किया। ओ'नील ने बताया कि 1977 की सुनवाई के बाद वादा की गई संघीय जांच कभी पूरी तरह से साकार नहीं हुई, जबकि किंजर ने कांग्रेस से शेष गोपनीय फाइलों की जांच करने और पहले से जारी की गई फाइलों से संपादन हटाने का आग्रह किया।

अमेरिका का 250वां स्वतंत्रता दिवस : पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने नागरिकों से लोकतंत्र की रक्षा करने का किया आग्रह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक प्रशासन से जुड़े चार पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने साझा संदेश देते हुए कहा कि अमेरिकी लोकतंत्र अभी भी निरंतर विकसित होने वाली व्यवस्था है और इसकी मजबूती नागरिकों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। हालांकि, देश के मौजूदा राजनीतिक माहौल को लेकर चारों नेताओं ने अलग-अलग आकलन पेश किए। पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश, बराक ओबामा, बिल क्लिंटन और जो बाइडेन, सभी ने इस मौके पर अमेरिकियों से डेमोक्रेटिक मूल्यों की रक्षा करने, नागरिक जीवन में हिस्सा लेने और देश के संस्थापकों द्वारा बताए गए एक ज्यादा व्यवस्थित संघ की दिशा में कोशिश करते रहने की अपील की। पूर्व राष्ट्रपति ओबामा ने कहा, 'अमेरिका लगातार आगे बढ़ रहा है। हर पीढ़ी को पिछली पीढ़ी के अधूरे काम को आगे बढ़ाना चाहिए, जो सही है उसकी रक्षा करनी चाहिए, जो गलत है उसे ठीक करना चाहिए और हमारे यूनियन को थोड़ा और बेहतर बनाना चाहिए। 250 साल बाद, यह पहले से कहीं ज्यादा जरूरी है।'

पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन ने भी यही बात कही। उन्होंने कहा, 'हमारे डेमोक्रेसी के बारे में कुछ भी सुनिश्चित नहीं है। हमें इसके लिए लड़ना होगा, इसे बचाना होगा और इसे कमाना होगा। बार-बार, साल दर साल। यह कोई बोझ नहीं है। एक अमेरिकी होने का यही मतलब है।'

उन्होंने आगे कहा कि हालांकि अमेरिका अभी तक स्वतंत्रता की घोषणा (डिक्लेरेशन ऑफ इंडिपेंडेंस) में निहित आदर्शों को पूरी तरह हासिल नहीं कर पाया है, लेकिन हमने कभी उन आदर्शों का साथ नहीं छोड़ा है। उन्होंने अमेरिकी नागरिकों से अपील की कि वे यह सुनिश्चित करें कि हम भविष्य में भी कभी उन आदर्शों से पीछे न हटें। वहीं, पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने नागरिक जिम्मेदारी और उन स्वतंत्रताओं पर जोर दिया, जिनके बारे में उनका कहना था कि उन्होंने पीढ़ियों से अमेरिका की पहचान और मूल्यों को आकार दिया है। बुश ने एक वीडियो मैसेज में कहा, 'अगले 250 सालों में अमेरिकियों को दर्शक नहीं, बल्कि नागरिक बनना होगा। अमेरिकियों को अपने देश और जिन समुदायों में वे रहते हैं, उनके स्वास्थ्य और भलाई में सक्रिय रुचि लेने की जरूरत है।' उन्होंने वोटिंग को एक शक्तिशाली आजादी करारा दिया और कहा कि इसका हमें सम्मान करना चाहिए। उन्होंने प्रर्थना की आजादी, प्रेस की आजादी और सामुदायिक सेवा की आजादी को ऐसे स्थायी मूल्य बताया जो अमेरिकियों को एकजुट करते रहते हैं। क्लिंटन ने चारों पूर्व राष्ट्रपतियों में से सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश दिया, जिसमें उन्होंने आगाह किया कि गहरे विभाजन के एक और दौर के बीच अमेरिका अपनी 250वीं सालगिरह मना रहा है।

हाफिज सईद का बेटा तल्हा संभालेगा लश्कर-ए-तैयबा की कमान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पिछले साल भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को तहस-नहस कर दिया था। अब खबर आ रही है कि इस आतंकी गुट ने खुद को दोबारा खड़ा करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, हफ्तों तक चले आंतरिक विवाद और विचार-विमर्श के बाद संगठन ने अपने संस्थापक हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद को नया ऑपरेशनल कमांडर नियुक्त करने का फैसला किया है। लश्कर के पुराने धड़े के दबाव के कारण उम्रदराज हाफिज सईद को पूरी तरह दरकिनार नहीं किया गया है। वह संगठन के मार्गदर्शक और वैचारिक प्रमुख के रूप में अपनी भूमिका निभाता रहेगा। जमीनी अभियानों की पूरी कमान अब तल्हा सईद के हाथों में होगी।

तीन क्षेत्रों के लिए तीन कमांड : भारतीय खुफिया एजेंसियों के हाथ लगी रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की देखरेख में लश्कर ने अपने नेटवर्क का पूरी तरह से ढांचा बदल दिया है। नए प्लान के तहत, लश्कर अब पाकिस्तान के भीतर तीन अलग-अलग क्षेत्रीय ऑपरेशनल कमांड के माध्यम से काम करेगा। बलूचिस्तान विंग, खैबर पख्तूनख्वा विंग और पाक अधिकृत कश्मीर विंग। सुरक्षा विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा बल इस समय बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के हमलों से बुरी तरह बेहाल हैं। कई पाकिस्तानी सैनिकों ने अपनी चौकियां छोड़ दी हैं। इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए पाकिस्तानी तंत्र ने अब लश्कर के आतंकियों को अपनी सेना के साथ मिलकर टीटीपी और बीएलए के खिलाफ जंग में झोंक दिया है। क्षेत्रीय कमांड बनाने का मुख्य उद्देश्य स्थानीय आतंकियों को भर्ती करना है। लश्कर का मानना है कि स्थानीय लोग वहां के भूगोल और रसद से बेहतर वाकिफ होते हैं, जिससे हालिया महीनों में खुफिया विफलता के कारण जो नुकसान झेलना पड़ा है उसकी भरपाई की जा सके।

अमेरिका में आजादी के 250 साल का जश्न: ट्रम्प बोले- अमेरिका को कम्युनिज्म नहीं चाहिए

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका ने शनिवार को आजादी के 250 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस मौके पर देशभर में भव्य समारोह आयोजित किए। मुख्य कार्यक्रम वॉशिंगटन डीसी के नेशनल मॉल में हुआ, जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने राष्ट्र को संबोधित किया। बारिश और आंधी-तूफान के कारण कार्यक्रम में देरी हुई, लेकिन मौसम साफ होने के बाद समारोह शुरू हुआ। अपने संबोधन में ट्रम्प ने कम्युनिज्म पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'हम अपने देश में कम्युनिस्टों को नहीं चाहते। कम्युनिज्म हमेशा हारता आया है और आगे भी हारेगा। यह अमेरिकी व्यवस्था के बिल्कुल विपरीत है।' ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी सैनिकों ने दुनिया भर में कम्युनिज्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी, ताकि यह विचारधारा कभी अमेरिका के भीतर जगह न बना सके। भाषण के बाद नेशनल मॉल में करीब 40 मिनट तक रिकॉर्ड आतिशबाजी हुई। इस दौरान 8.5 लाख से ज्यादा फायरवर्क्स हुए। व्हाइट हाउस ने इसे अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा स्वतंत्रता दिवस फायरवर्क शो बताया।

ट्रम्प बोले- हम एक देश और एक परिवार : ट्रम्प ने कहा कि 'हम एक देश हैं, एक परिवार हैं और एक ही झंडे के नीचे खड़े हैं।' उन्होंने कहा कि अमेरिका की ताकत उसकी एकता और साझा मूल्यों में है। ट्रम्प ने कहा कि पिछले 250 वर्षों में अमेरिका ने कई चुनौतियों का सामना किया, लेकिन देश हमेशा एकजुट होकर आगे बढ़ा। उन्होंने लोगों से देश की स्वतंत्रता, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाए रखने के लिए कहा।

कम्युनिज्म हमेशा हारा है और आगे भी हारेगा : अपने भाषण में ट्रम्प ने कहा कि कम्युनिज्म हमेशा हारने वाली विचारधारा रही है और आगे भी हारती रहेगी।' उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट व्यवस्था अमेरिकी व्यवस्था के बिल्कुल विपरीत है। उनके मुताबिक, अमेरिका की पहचान आजादी, लोकतंत्र और व्यक्तिगत अधिकारों से है, जबकि कम्युनिज्म इन मूल्यों के खिलाफ है। ट्रम्प ने कहा, 'हमारे सैनिकों ने दुनिया भर के युद्धक्षेत्रों में कम्युनिज्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंने यह लड़ाई इसलिए नहीं लड़ी कि वही खतरा फिर अमेरिका के भीतर लौट आए।' ट्रम्प ने कहा कि पिछले ढाई सौ वर्षों से अमेरिका दुनिया के लिए उम्मीद, विश्वास, रोशनी और गौरव का प्रतीक रहा है। ईश्वर की कृपा से हम आगे भी ऐसे ही रहेंगे, बल्कि इससे भी बेहतर बनेंगे। उन्होंने कहा कि 4 जुलाई 1776 से 4 जुलाई 2026 तक अमेरिका ने आजादी की तानाशाही पर जीत, स्वतंत्रता की दमन पर विजय और अमेरिकी भावना की ताकत को दुनिया के सामने साबित किया है। ट्रम्प ने दावा किया कि 'आज हमारा देश पहले से कहीं ज्यादा मजबूत, ज्यादा स्वतंत्र, ज्यादा समृद्ध, ज्यादा सुरक्षित और ज्यादा गर्व से भरा हुआ है।

खतरे में शहबाज शरीफ की कुर्सी, इस सहयोगी पार्टी ने किया बगावत का ऐलान ! दी सड़कों पर उतरने की खुली धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। हाल ही में पाकिस्तान की सरकार में शामिल पार्टी मानी जाने वाली मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) शहबाज सरकार को धमकी दी है कि अगर उनसे किए गए वादे पूरे नहीं किए गए, तो उनकी पार्टी पूरे सिंध में सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू करेगी। एमक्यूएम-पी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार में गठबंधन सहयोगी है। पाकिस्तान के प्रसिद्ध अखबार डॉन के मुताबिक एमक्यूएम-पी ने आरोप लगाया है कि 2022 में हुए 18-सूत्रीय समझौते को अब तक लागू नहीं किया गया। पार्टी का कहना है कि यह समझौता सरकार बनाने से पहले राजनीतिक सहमति का हिस्सा था, जिसमें स्थानीय शासन, नौकरियों में कोटा प्रणाली और संसाधनों के बंटवारे जैसे अहम मुद्दे शामिल थे।

पूरे सिंध में करेंगे आंदोलन: एमक्यूएम-पी : कराची में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए एमक्यूएम-पी के वरिष्ठ नेता फारूक सत्तार ने इसे अंतिम चेतावनी बताया और कहा, अगर मांगें पूरी नहीं हुई तो पार्टी ऐसा विरोध आंदोलन शुरू करेगी जिसे रोकना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी ने न तो प्रांतीय सरकार में हिस्सेदारी मांगी और न ही अतिरिक्त अधिकार, बल्कि केवल अपने समझौते को लागू करने की मांग कर रही है। सत्तार ने यह भी दावा किया कि समझौते के गारंटर के तौर पर शहबाज शरीफ स्वयं शामिल थे, इसलिए अब केंद्र सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह इसे लागू कराए। उन्होंने कहा कि 18 में से एक भी बिंदु अब तक लागू नहीं हुआ है, जिससे जनता में असंतोष बढ़ रहा है। बढ़ सकती हैं शहबाज शरीफ की मुश्किलें पार्टी ने संविधान के अनुच्छेद 149 का हवाला देते हुए संघीय हस्तक्षेप या जनमत संग्रह की मांग भी उठाई। साथ ही कराची में स्थानीय सरकार व्यवस्था, फर्जी डोमिसाइल और सरकारी नौकरियों में कोटा प्रणाली खत्म करने की मांग दोहराई गई। एमक्यूएम-पी सिंध प्रांत में विपक्ष की भूमिका निभा रही है। पार्टी का कहना है कि कराची और अन्य शहरी क्षेत्रों की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे राजनीतिक तनाव बढ़ता जा रहा है। सरकार की एक सहयोगी पार्टी का इस तरह खुलकर विरोध करना शहबाज सरकार के लिए राजनीतिक चुनौती बन सकता है।

ईरान में खोदी जा रही हजारों कब्रें ! खामेनेई के जनाजे में 3,000 लोगों के मौत की आशंका

तेहरान, एजेंसी। ईरान में पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के चार महीने बाद उनका अंतिम संस्कार किया जा रहा है। 4 जुलाई को उनके जनाजे की रस्में शुरू हो गई हैं, जो 9 जुलाई तक चलेगी और इसके बाद उनके शरीर को दफना दिया जाएगा। इसी बीच एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। जिसके मुताबिक, ईरानी सरकार खामेनेई के जनाजे से पहले हजारों कब्रें खुदवा रही है। जानकारी के मुताबिक, जमर्नी के मीडिया हाउस WELT तेहरान से मिली जानकारी के आधार पर एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें कहा गया है कि ईरान की सरकार को सुप्रीम लीडर खामेनेई के जनाजे में 1,500 से 3,000 लोगों के मारे जाने की आशंका जताई गई है। इसके चलते ईरान की सरकार ने पर्दे के पीछे इस स्थिति के लिए तैयारियां भी कर ली हैं।

क्यों डरी हुई है ईरानी सरकार : ईरान सरकार ने आशंका जताई है कि अली खामेनेई के जनाजे में देशभर के लोग शामिल होंगे। सरकार के मुताबिक जनाजे में डेढ़ से दो करोड़ लोग शामिल हो सकते हैं। ईरान की सरकार जनाजे में शामिल होने वाले लोगों की संख्या को लेकर डरी हुई है। ईरान में बड़े नेताओं के जनाजे पर भगदड़ और हिंसा का पुराना इतिहास रहा है। सरकार को आशंका है कि खामेनेई के जनाजे में भी भगदड़ और अन्य घटनाएं हो सकती हैं। जिसमें 1,500 से 3,000 लोगों की जान जा सकती है। सरकार ने इन्हीं आशंकाओं के चलते एक हजार से अधिक कब्रों का इंतजाम किया है। तेहरान में नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि, हमने सच में कब्रें तैयार की हैं। जनाजे में अगर भगदड़ या गर्मी के कारण 3,000 लोगों की मौत भी हो जाती है, तो स्थिति को काबू से बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि क्योंकि इतनी भीषण गर्मी और भीड़ के बीच भगदड़ होने की संभावनाएं अधिक है। इसी बीच एक पत्रकार ने दावा किया है, नेशनल क्राइसिस मैनेजमेंट और ईरानी रेड क्रिसेंट ने ईरान के फर्स्ट वाइस प्रेसिडेंट मोहम्मद-रेजा आरिफ के एक सीक्रेट चिट्ठी भेजी है। चिट्ठी में कहा गया है कि जनाजे के दौरान भगदड़ और दूसरी घटनाओं में लोगों की मौत की आशंका के चलते तेहरान के कई कब्रिस्तानों में हजारों कब्रें तैयार की गई हैं। ईरान सरकार के इस डर के पीछे एक बड़ी वजह ईरान में बड़े नेताओं के जनाजे के दौरान लोगों की मौतों का इतिहास भी है। 1989 में जब ईरान के पहले सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खुमैनी का जनाजा निकाला गया था, तब भगदड़ में 8 लोगों की मौत हो गई थी और सैकड़ों लोग बुरी तरह घायल हो गए थे।

बांग्लादेश में ईशनिंदा के आरोपों से अल्पसंख्यकों पर संकट: 6 महीने में 17 मामले, एचआरसीबीएम ने जताई चिंता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठन ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज (एचआरसीबीएम) ने आरोप लगाया है कि देश में ईशनिंदा (ब्लासफेमी) के आरोपों का इस्तेमाल सुनियोजित तरीके से अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। संगठन के अनुसार, जनवरी से जून 2026 के बीच ऐसे 17 मामले सामने आए हैं, जो एक चिंताजनक और लगातार दोहराए जा रहे पैटर्न की ओर इशारा करते हैं।

एचआरसीबीएम ने हाल ही में सुनामगंज जिले के एक हिंदू युवक दीप्तो राय के मामले का हवाला देते हुए दावा किया कि सोशल मीडिया पर आरोप लगते ही भीड़ इकट्ठा हो जाती है, पुलिस कार्रवाई शुरू हो जाती है और डिजिटल फोरेंसिक जांच पूरी होने से पहले ही आरोपी और उसके परिवार को सामाजिक, आर्थिक और मानसिक दबाव का सामना करना पड़ता है। संगठन का कहना है कि यह केवल कानूनी मामला नहीं बल्कि अल्पसंख्यकों में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा करने का तरीका बनता जा रहा है। एचआरसीबीएम ने बांग्लादेश सरकार और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

17 मामलों का किया दावा : ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज (एचआरसीबीएम) ने कहा कि जनवरी से जून के बीच ऐसे 17 मामले दर्ज किए गए हैं, जो एक 'खतरनाक पैटर्न' को दर्शाते हैं। संगठन के अनुसार, 'हाल ही में सुनामगंज जिले के ताहिरपुर उपजिला में हिंदू अल्पसंख्यक युवक दीप्तो राय पर लगाए गए ईशनिंदा के आरोप ने इस प्रवृत्ति को फिर उजागर किया है। संगठन ने कहा कि सोशल मीडिया पर आरोप सामने आते ही भीड़ जुट जाती है, पुलिस कार्रवाई करती है, और डिजिटल फोरेंसिक जांच पूरी होने से पहले ही आरोपी और उसके परिवार पर भारी सामाजिक दबाव बन जाता है। एचआरसीबीएम ने पीड़ित परिवार और प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से कहा कि यह आरोप 'झूठा और आधारहीन' था।

धार्मिक स्थलों को बनाया गया निशाना : एफआईआर का हवाला देते हुए संगठन ने बताया कि मामले में सोशल मीडिया पोस्ट, पुलिस हिरासत, मोबाइल फोन जब्ती और साइबर कानून से जुड़े प्रावधान शामिल हैं, लेकिन गिरफ्तारी के समय यह स्पष्ट नहीं था कि संबंधित सामग्री वास्तव में आरोपी ने पोस्ट की थी या उसका नियंत्रण उसी के पास था। संगठन ने कहा कि इस घटना के बाद आरोपी के परिवार, उनकी आजीविका और स्थानीय धार्मिक स्थल पर भी हमले और दबाव की स्थिति बनी।

अल्पसंख्यकों को बनाया जा रहा निशाना : ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज संगठन ने कहा, 'बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों के लिए यह अब कोई अलग-थलग घटना नहीं है, बल्कि एक दोहराई जाने वाली सामाजिक हिंसा की प्रक्रिया बन गई है।' संगठन ने दावा किया कि पिछले वर्ष भी ईशनिंदा के आरोपों में 73 अल्पसंख्यक युवाओं की गिरफ्तारी हुई थी। एचआरसीबीएम ने कहा कि असली समस्या केवल आरोप नहीं है, बल्कि आरोप लगते ही सजा जैसा माहौल बन जाना है जबकि अदालत या फोरेंसिक जांच से पहले ही परिवारों, संपत्तियों और समुदायों को निशाना बनाया जाता है। एचआरसीबीएम संगठन ने बांग्लादेश सरकार, पुलिस, न्यायपालिका, मानवाधिकार आयोग और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से इस स्थिति को 'राष्ट्रीय अल्पसंख्यक सुरक्षा आपातकाल' के रूप में देखने की अपील की।

जानकारी

पीरियड्स को लेकर हैं वहम तो दूर कर लें माहवारी से जुड़ी गलतफहमियां

आमतौर पर माहवारी (पीरियड्स) के दौरान महिलाओं में सिर दर्द, मूड स्विंग्स जैसे कई लक्षण देखने को मिलते हैं। जिसका सीधा असर महिलाओं की सेहत पर भी पड़ने लगता है। अधिकत्तर महिलाएं इस दौरान अपनी परेशानियों को डॉक्टर या दूसरी महिलाओं से शेयर करने से कतराती हैं। जिसकी वजह से वो पीरियड्स से जुड़े कई ऐसे भ्रम पाल लेती हैं जिसका बुरा असर उनकी सेहत पर पड़ने लगता है।

लड़कियों की हर छोटी बड़ी परेशानियों को फोकस में रखकर वीमेन हेल्थ और केयर पर फोकस करने वाली वेलनेस साइट हेल्थ शॉट्स पर छपी रिपोर्ट के मुताबिक आइए जानते हैं आखिर कौन से हैं वो 3 भ्रम जिनकी वजह से महिलाओं की सेहत को हो सकता है नुकसान-

1- 28 दिनों में पीरियड्स नहीं आए तो समझो दिक्कत है

लड़कियों को अक्सर यह भ्रम रहता है कि अगर उन्हें हर 28 दिन में महावरी नहीं होती है तो कुछ गड़बड़ हो गई है। लेकिन हकीकत में ऐसा बिल्कुल नहीं है। पीरियड्स के बीच के नियमित और स्वस्थ अंतराल का समय वयस्कों में 21 से 37 दिन और किशोरों में 21 से 45 दिन तक होता है। इस अवधि को पीरियड्स के पहले दिन से लेकर आपके अगले पीरियड शुरु होने तक के बीच का समय माना जाता है। यदि आपको 28 दिन की जगह 35 दिन बाद पीरियड्स होते हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है। ऐसा तनाव, आहार में बदलाव, हार्मोनल परिवर्तन और पर्यावरण की वजह से भी हो सकता है। हां अगर यह समय सीमा 37 दिनों से बढ़कर अधिक हो जाती है, तो आपको अपने डॉक्टर से परामर्श कर लेना चाहिए।

2-पीरियड्स में शरीर से निकलता है गंदा खून

अक्सर महिलाओं के बीच यह भ्रम बना रहता है कि पीरियड्स के दौरान शरीर से निकलने वाला खून गंदा होता है। आपको बता दें, इस तथ्य में बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। इस दौरान शरीर से निकलने वाला रक्त शरीर में मौजूद सामान्य रक्त की ही तरह होता है बस इसमें साधारण रक्त की तुलना में कम रक्त कोशिकाएं होती हैं।

3-पीरियड्स के दौरान गर्भ नहीं ठहरता

अक्सर महिलाओं को कहते सुना जाता है कि पीरियड्स के दौरान सबंध बनाने से गर्भ ठहरने का खतरा न के बराबर होता है। लेकिन आपको बता दें, महिलाओं के मासिक धर्म चक्र के बीच में ओव्यूलेशन की वजह से गर्भवती होने की संभावनाएं बनी रहती हैं।

एंजियोप्लास्टी सर्जरी क्या है

धमनियों में रुकावट के आने पर इन्हें खोलने के लिए एंजियोप्लास्टी सर्जरी की जाती है। एंजियोप्लास्टी सर्जरी ब्लॉक हो चुकी दिल की धमनियों को शल्य चिकित्सा से खोलने का एक तरीका है।

कब होती है एंजियोप्लास्टी सर्जरी

कोरोनरी धमनियां दिल की मांसपेशियों को ऑक्सीजन और पोषक तत्वों से भरपूर रक्त की आपूर्ति करती हैं। एस्थ्रोस्क्लोरोसिस (धमनीकलाकाठिन्य) के कारण जब इन धमनियों में रुकावट आ जाती है तो ये हृदय की मांसपेशियों को रक्त की आपूर्ति करना कम कर देती हैं और एन्जाइन का निर्माण शुरू कर देती हैं। ब्लॉकेज की समस्या वाले कुछ रोगियों को एंजियोप्लास्टी सर्जरी की आवश्यकता हो सकती है।

जिन रोगियों की हृदय कोरोनरी समस्याएं गंभीर हो जाती हैं या चिकित्सा उपचार विफल हो जाता है तो उनकी कार्डियक कैथ जांच की जाती हैं। इस जांच को कार्डियक कैथेटराइजेशन या कोरोनरी एंजियोग्राम भी कहते हैं। हृदय कैथ, पम्प (रक्त पम्प करना) के दौरान हृदय की रक्त धमनियों और अंदर के हिस्से को दिखाता है। इसे करते समय कैथेटर कही जाने वाली एक ट्यूब रोगी के पैर के ऊपरी हिस्से, जांघ या हाथ की रक्त धमनी में डाला जाता है। इसके बाद इसे हृदय तक पहुंचाया जाता है। कैथेटर के माध्यम से डाई डाली जाती है और एक्स-रे लिए जाते हैं।

कैसे होती है एंजियोप्लास्टी सर्जरी

रक्त धमनियों के संकरा होने को कारण सीने में दर्द या हृदय आघात हो सकता है। यदि आपके भी हृदय की रक्त धमनियां संकरी हैं तो हृदय एंजियोप्लास्टी की जा सकती है। इसे पीटीसीए (परकुटेनियस ट्रांसलुमिनल कोरोनरी एंजियोप्लास्टी) या बैलून एंजियोप्लास्टी भी कहा जाता है। इस प्रक्रिया के माध्यम से रक्त प्रवाह बेहतर बनाने के लिए कैथेटर के आखिर में लगे बैलून का उपयोग रक्त धमनी खोलने के लिए किया जाता है। रक्त धमनी को खुला रखने के लिए एक स्टेंट लगाया जा सकता है। स्टेंट तार की नली जैसा छोटा उपकारण होता है।

इस तकनीक में एक गाइड वायर के सिरे पर रखकर खाली और पिचके हुए बैलून कैथेटर को संकुचित स्थान में प्रवेश कराया जाता है। इसके बाद सामान्य रक्तचाप (6 से 20 वायुमण्डल) से 75-500 गुना अधिक जल दवाब का उपयोग करते हुए उसे एक निश्चित आकार में फुलाया जाता है। बैलून धमनी या शिरा के अंदर जमा हुई वसा को खत्म कर देता है और रक्त वाहिका को बेहतर प्रवाह के लिए खोल देता है। इसके बाद गुब्बारे को पिचका कर उसी तार (कैथेटर) द्वारा वापस बाहर खींच लिया जाता है।

एंजियोप्लास्टी सर्जरी की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि ब्लॉकेज कौन सी आर्टरी में हुई है। पैरीफेरल आर्टरी में एंजियोप्लास्टी सर्जरी लगभग 98 फीसदी तक सफल रहती है। एंजियोप्लास्टी कराने वाले महज 10 प्रतिशत रोगियों के फिर से ब्लॉकेज होने की आशंका रहती है। ब्लॉकेज का जल्द पता चल जाता है तो इसके सफल होने की गारंटी और बढ़ जाती है। अब शरीर की सभी आर्टरीज की एंजियोप्लॉस्टी की जा सकती है।

एंजियोप्लास्टी सर्जरी क्यों जरूरी है

शरीर के अन्य भागों की तरह हृदय को भी रक्त की निरंतर आपूर्ति की जरुरत होती है। यह आपूर्ति दो बड़ी रक्त वाहिकाओं के द्वारा होती है, इन्हें बांयी और दांयी कोरोनरी धमनियां कहते हैं। उम्र बढ़ने के साथ ये धमनियां संकुचित और सख्त हो जाती हैं। कोरोनरी धमनियों के सख्त होने पर वे हृदय में रक्त प्रवाह को बाधित करती हैं। इस कारण एंजाइना का निर्माण हो सकता है। एंजाइना का सामान्य लक्षण सीने में दर्द होना होता है।

एंजाइना के कई मामलों में दवा से उपचार भी कारगर रहता है, लेकिन एंजाइना के गंभीर होने पर हृदय को रक्त की आपूर्ति बहाल करने के लिए कोरोनरी एंजियोप्लास्टी आवश्यक हो सकती है। अक्सर दिल का दौरा पड़ने के बाद आपातकालीन उपचार के रूप में भी कोरोनरी एंजियोप्लास्टी की जाती है।

एंजियोप्लास्टी के बाद देखभाल

गौर आपातकालीन एंजियोप्लास्टी में मरीज को उसकी स्वास्थ्य की स्थिति के अनुसार अस्पताल में रखा जाता है। आम तौर परए मरीज एक हफ्ते बाद अपनी दिनचर्या में लौट सकए हैं। दिल का दौरा पड़ने पर एंजियोप्लास्टी करने परए अस्पताल में रहने की अवधि और रिकवरी की अवधि बढ़ सकती है।

दवाओं का प्रयोग

एंजियोप्लास्टी के बाद रोगियों को दवाओं के बारे में सर्जन की सलाह का पालन करना बहुत आवश्यक है। अधिकांश समयए एंजियोप्लास्टी रोगियों को सर्जरी के बाद अनिश्चितकाल के लिए एस्पिरिन लेने की जरूरत होती है। स्टेंट प्लेसमेंट के साथ मरीजों को रक्त को पतला करने वाली दवाओं की आवश्यकता होगी। ऐसी स्थितियों में एक वर्ष या उससे अधिक की अवधि के लिए क्लोपिडोग्रेल दी जाती है।

एंजियोप्लास्टी के बाद हृदय का स्वास्थ्य बनाए रखना बहुत जरूरी है। इस सर्जरी के बाद

- धूम्रपान का सेवन न करें।
- कोलेस्ट्रॉल का स्तर बनाए रखें।
- स्वस्थ वजन बनाए रखें।
- नियमित व्यायाम करें।

जिन स्थितियों में एंजियोप्लास्टी वांछित परिणाम नहीं दे पाती वहां हृदय की क्षति को रोकने के लिए बायपास सर्जरी की जाती है।

एंजियोप्लास्टी के बाद सावधानियां

घर पहुंचने के बादए मरीजों को अत्यधिक द्रव का सेवन करना चाहिए, जिससे शरीर से कंट्रास्ट डाई निकल जाए। थकाने वाले व्यायाम न करें और भारी वजन न उठाएं। अन्य गतविधियां अपने सर्जन के कहे अनुसार करें। सर्जरी के बादए कैथेटर निशेचन की जगह पर दर्द या परेशानी या सूजन या रक्तस्त्राव होने पर बुखारए स्त्राव जैसे संक्रमण के लक्षणए तापमान में अस्थिरता थकान या कमजोरी छाती में दर्द सांस लेने में तकलीफहोने पर अपने डॉक्टर को बताएं।

एंजियोप्लास्टी की जटिलताएं

- निम्न कारकों की वजह से एंजियोप्लास्टी से होने वाले जोखिम बढ़ सकते हैं।
- मरीज की उम्र वृद्धावस्था में जोखिम ज्यादा होते हैं।
- उपचार प्रक्रिया का प्रकार आपातकालीन प्रक्रिया ज्यादा जोखिमों से भरी होती है क्योंकि इसमें सर्जरी की योजना बनाए का समय नहीं मिलता।
- गुर्दे का कोई विकाररू कंट्रास्ट एजेंट के प्रयोग के कारण गुर्दे को क्षति हो सकती है।
- हृदय की लय की असामन्यता एंजियोप्लास्टी के दौरानए हृदय की गति बढ़ या घट सकती है। हृदय की समस्याएं आम तौर पर काम समय ही रहती हैं और इनसे बचने के लिए अस्थायी पेसमेकर निशेचन या दवाओं का प्रयोग किया जा सकता है।
- कैथेटर निशेचन के स्थान पर चोट या रक्तस्त्राव।
- म्यान निशेचन की जगह पर क्षति।
- कोरोनरी धमनी को एंजियोप्लास्टी के दौरान क्षति पहुंच सकती है जिसके उपचार के लिए आपातकालीन बायपास सर्जरी करनी पड़ सकती है।

सेहत

क्या आपको भी होती है ऊनी कपड़े पहनने से खुजली

राहत के लिए करें ये उपाए

अगर आप भी उन लोगों की लिस्ट में शामिल हैं जिन्हें ऊनी कपड़े पहनते ही शरीर में खुजली होने लगती है या फिर शरीर पर लाल रैशेज हो जाते हैं तो ये खबर आपके लिए ही है। अक्सर सर्दियों में इस तरह की समस्या आम देखने को मिलती है। लेकिन क्या आप जानते हैं ऐसा क्यों होता है। आइए आपको बताते हैं आखिर क्यों ऊनी कपड़े पहनते ही लोगों को शरीर में खुजली और रैशेज होने लगते हैं।

ऊनी कपड़ों से एलर्जी होने को **'टेक्सटाइल डर्मेटाइटिस'** कहा जाता है। इस तरह की एलर्जी में लोगों को ऊनी कपड़े पहनना मुश्किल हो जाता है। आइए जानते हैं क्या होते हैं इस एलर्जी के लक्षण और बचाव के उपाए।

क्या हैं एलर्जी के लक्षण

- ऊनी कपड़े पहनने के बाद इस तरह की एलर्जी में इस तरह के लक्षण नजर आने लगते हैं।
- त्वचा पर तेज खुजली होना।
- चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों जैसे- चेहरे, हाथों, माथे आदि पर लाल-लाल रैशेज होना।
- ऊन के संपर्क में आने वाले हिस्से में सूजन आना।
- शरीर में छोटे-छोटे दाने या फिर चकत्ते निकलना।

ऊनी कपड़ों से एलर्जी का कारण

ऊनी कपड़ों से एलर्जी सेंसिटिव स्किन वाले व्यक्तियों को आमतौर पर होती है। ऊन में मौजूद छोटे-छोटे रोएं जब त्वचा पर मौजूद रोएं के साथ आपस में रगड़ते हैं तो उनमें एक तरह का खिंचाव पैदा होने लगता है। जिसकी वजह से शरीर में गर्मी पैदा होने लगती है। सेंसिटिव त्वचा इस तरह के खिंचाव से पैदा गर्मी को सहन नहीं कर पाती है। जिसकी वजह से त्वचा पर दाने, चकत्ते, रैशेज होने लगते हैं। इसके अलावा त्वचा का रूखापन भी एलर्जी और खुजली की समस्या पैदा कर सकता है। त्वचा के रोएं ऊनी कपड़ों के रोएं के साथ मिलकर शरीर में गर्मी पैदा न करें इसके लिए ठंड का मौसम शुरू होते ही पूरे शरीर पर अच्छी क्वालिटी का बॉडी लोशन लगाना शुरू कर दें। ऐसा करने से एलर्जी की संभावना कम होगी।

एलर्जी की समस्या दूर करने के उपाए

- एलर्जी की समस्या दूर करने के लिए अपने शरीर पर मॉइश्चराइजर या बॉडी लोशन लगाकर रखें।
- ऊनी कपड़े के नीचे कॉटन का कपड़ा पहनकर भी आप एलर्जी की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।
- एलर्जी की दवा का सेवन करके भी आप इस समस्या से राहत पा सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 5003

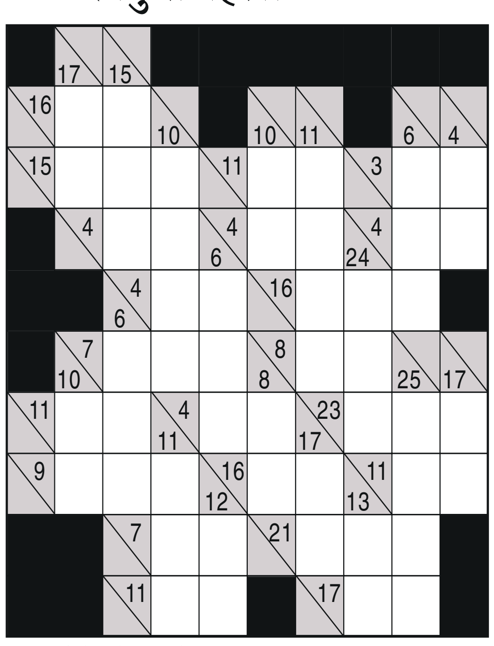

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणः

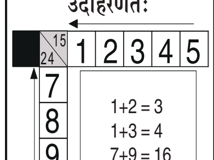

1+2=3
1+3=4
7+9=16
8+9=17

काकुरो - 5002 का हल

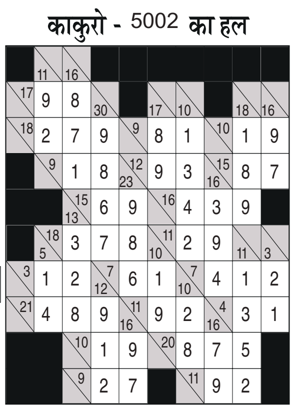

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधिश (चोर से)- एक ही रात में छह चोरियाँ करने का आरोप है। इस पर तुम्हें क्या कहना है?

चोर मुस्कुराते हुआ बोला- जी हुजूर! मेरे पूज्य ससुरजी कहा करते थे कि मेहनत से कभी भी जी नहीं चुराना चाहिए।

□ □ □

पिछले दिनों सड़क पर धूमधाम से बारात जा रही थी। घोड़े पर दूल्हे मियाँ के मुँह पर पट्टी बँधी थी।

एक राहगीर ने यह देखकर एक बाराती से पूछा : भैया, दूल्हे के मुँह पर पट्टी क्यों बँधी है?

बाराती ने मुस्कुराते हुए कहा- भाई साहब दूल्हा मोहल्ले का नेता है। वह भीड़ देखते ही भाषण देने लगता है।

□ □ □

एक बार प्रेमी और प्रेमिका डेटिंग पर गए। बहुत देर घूमने-फिरने के बाद वे एक नितांत स्थान पर बैठ गए। अपने आसपास किसी को न पाकर प्रेमी ने मौके का फायदा उठाना चाहा और प्रेमिका की गाल की ओर अपना मुँह बढ़ाते हुए बोला- चुम्बन क्या है?

शरारत भरे अंदाज में प्रेमिका बोली- चुम्बन! प्यार के गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 5003

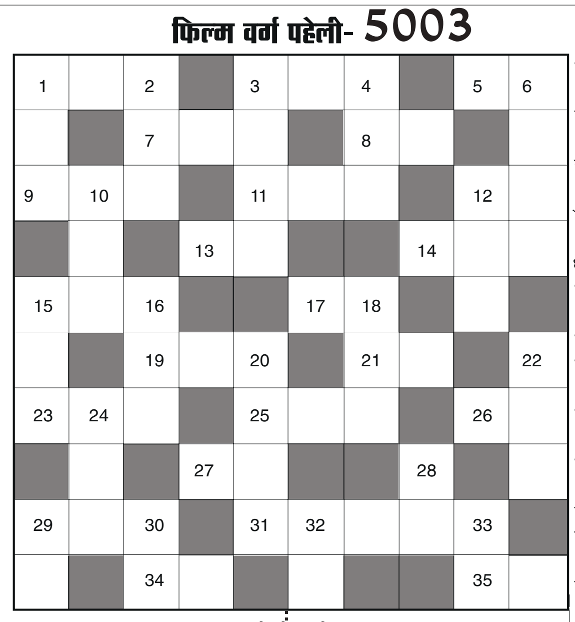

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५.अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७.गुरूदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९.चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमुताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१.चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते है' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5002

सूडोकु -5003

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु 5002 हल

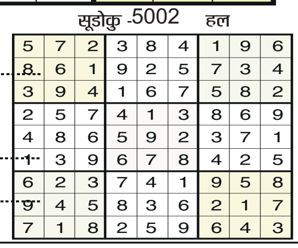

शब्द पहेली -5003

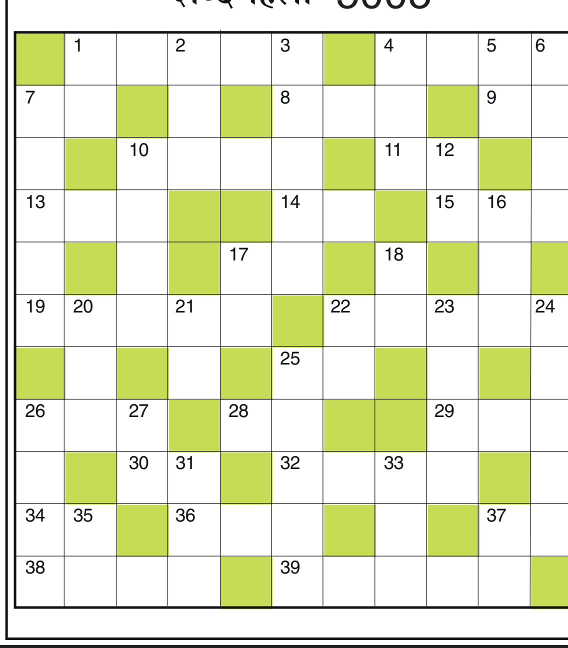

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली -5002

बालेसर में क्रेटा कार से 1.568 किलो एमडी ड्रग्स व केमिकल बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

बालेसर। बालेसर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक क्रेटा कार से 1 किलो 568 ग्राम शुद्ध एमडी ड्रग्स तथा एमडी ड्रग्स बनाने में प्रयुक्त केमिकल बरामद किया है। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार कर कार को जब्त कर लिया। बालेसर थाना प्रभारी मूलसिंह भाटी ने बताया कि पुलिस टीम भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर नियमित गश्त कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध क्रेटा कार को रुकवाकर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार से 1 किलो 568 ग्राम शुद्ध एमडी ड्रग्स के साथ तीन डिब्बों में भरा वह केमिकल बरामद हुआ, जिसका उपयोग एमडी ड्रग्स तैयार करने में किया जाता है। कार में सवार भरत बिश्नोई पुत्र मानाराम निवासी गंगावास, थाना मंडली को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बरामद मादक पदार्थ व केमिकल को जब्त कर वाहन भी अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त, सप्लाई चेन और केमिकल के स्रोत के संबंध में जानकारी जुटा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि बरामद एमडी ड्रग्स कहां से लाई गई थी और इसे किस स्थान पर पहुंचाया जाना था। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

नितिन नवीन के दौरे पर अखिलेश के सवालों का राजभर ने दिया जवाब, बोले- 'वे सिर्फ हताश और निराश'

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के लखनऊ में रोड शो पर अखिलेश यादव के सवालों का सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने करारा जवाब दिया है। राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव जिन बातों का जिक्र कर रहे हैं, वे सिर्फ उनकी हताशा और निराशा को दिखाती हैं। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बात करते हुए कहा, 'अखिलेश यादव के पास कोई काम नहीं है। वह सत्ता में नहीं आ रहे हैं, इसलिए वह सिर्फ विरोध ही कर सकते हैं। उनको यह नहीं पता हैं कि आज भाजपा 22 राज्यों में सत्ता में है, जबकि वह (अखिलेश) 2-2 बार सरकार बनाने में फेल हो गए हैं।' राजभर ने कहा, 'नितिन नवीन यहां भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर आए हैं और यह एनडीए की सरकार है। आप जिन बातों का जिक्र कर रहे हैं, वे सिर्फ उनकी हताशा और निराशा को दिखाती हैं।' इससे पहले, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने नितिन नवीन के रोड शो में भीड़ न आने का दावा करते हुए कहा, 'उत्तर प्रदेश का भाजपा संगठन जन-आक्रोश के डर के मारे अपने घरों में दुबका बैठा है या प्रदेश से बाहर भाग गया है, नहीं तो कुछ लोग तो जरूर दिखाई देते, बेचारे ''नव-निर्मित अध्यक्ष जी' हाथ हिलाने के लिए तरसते दिखाई न देते।'

मुंबई एयरपोर्ट पर 4 किलोग्राम सोना के साथ महिला यात्री गिरफ्तार

मुंबई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट पर 4 किलोग्राम सोने के साथ दुबई से आई महिला को गिरफ्तार किया है। बरामद सोने की कीमत घरेलू बाज़ार में कीमत लगभग 6 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस मामले की गहन छानबीन डीआरआई टीम कर रही है। मामले की जांच कर रहे डीआरआई अधिकारी ने बताया कि उनकी टीम को मुंबई एयरपोर्ट पर तस्करी के सोने सहित महिला के आने की पूर्व सूचना मिली थी। इसी के आधार पर उनकी टीम ने मुंबई एयरपोर्ट पर निगरानी रखी थी। सूचना के मुताबिक जैसे ही महिला यात्री दुबई से आई फ्लाईट से मुंबई एयरपोर्ट पर उतरी। डीआरआई टीम ने महिला की तलाशी ली तो उसके पैंट के अंदर तस्करी का सोना मिला, जिसे जब्त कर लिया गया और महिला को कस्टम एक्ट के तहत गिरफ़्तार कर लिया गया। अब तक की छानबीन में पता चला है कि महिला यात्री कूरियर के रुप में काम कर रही थी, इस मामले में संभावित तस्करी नेटवर्क की जांच की जा रही है।

विहिप नेता ने की चढ़ावा चोरी पर नेताओं के दावों की जांच की मांग, कहा-निराधार आरोप लगाने की अनुमति नहीं होनी चाहिए

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने श्रीराम जन्मभूमि चढ़ावा चोरी मामले में सपा नेता रामगोपाल यादव, आम आदमी पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल एवं संजय सिंह और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा सहित अन्य नेताओं की ओर से किए जा रहे दावों की जांच कराए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि इन नेताओं को जांच एजेंसियों के समक्ष दावों से जुड़े तथ्य रखने चाहिए और ऐसा नहीं कर पाने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'किसी को भी निराधार आरोप लगाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। ऐसे आरोप जिनसे घृणा, दुर्भावना और शत्रुता की भावना बढ़े। दुर्भभावना बढ़ाने वाली प्रवृत्ति रखने वालों को बिना किसी सजा के नहीं छोड़ जाना चाहिए।' विश्व हिंदू परिषद के नेता ने अयोध्या के डीएसपी आशुतोष तिवारी को इस संबंध में एक पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने राम जन्मभूमि में चढ़ावा चोरी से जुड़ी घटना में दर्ज प्राथमिकी का उल्लेख किया है। उनका कहना है कि सार्वजनिक बयानों कुछ नेता चढ़ावा चोरी के बारे में दावे कर रहे हैं। यह दावे 20 हजार करोड़ रुपये तक गबन किए जाने के किए जा रहे हैं। आलोक कुमार का कहना है कि इन व्यक्तियों के बयानों से प्रतीत होता है कि वह मामले के तथ्यों और परिस्थितियों से भली भांति परिचित हैं। ऐसे में एक निष्पक्ष और व्यापक जांच के लिए यह आवश्यक होगा की इन व्यक्तियों को कानून के प्रावधानों के तहत अपने बयान रिकॉर्ड करने के लिए बुलाया जाए।

स्कूली बच्चों के लिए 'अनुचित' कंटेंट वाली दो विवादित किताबें खरीदने पर दो अधिकारी सस्पेंड

एजेंसी

श्रीनगर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के आदेश पर स्कूल शिक्षा विभाग (एसईडी) के आठ अधिकारियों को स्कूल के बच्चों के लिए 'अनुचित' कंटेंट वाली दो किताबें खरीदने और उन्हें मंजूरी देने के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया है। आतंकियों व अलगाववादियों का महिमा मंडन करने वाली इन दो किताबों का बीजेपी ने भी विरोध किया था। स्कूल शिक्षा विभाग के कमिश्नर सेक्रेटरी राम निवास शर्मा ने आदेश में कहा कि समग्र शिक्षा को 18,328 सरकारी स्कूलों और 394 पीएम श्री स्कूलों के लिए'उम्र के हिसाब से सही किताबें खरीदने के लिए लाइब्रेरी ग्रांट मिली थी और इसके लिए ईओई (रुचि की अभिव्यक्ति) जारी की गई थी। आदेश में कहा गया है कि उम्र के हिसाब से सही किताबों को चुनने के लिए जम्मू और कश्मीर दोनों डिवीजनों के एक्सपर्ट्स और एकेडेमिशियन्स की 4 सब-कमेटी बनाई गई थीं। आदेश में यह भी कहा गया है कि ये सब-कमेटी प्राइमरी क्लास सीरीज (1) अपर प्राइमरी क्लास सीरीज (2), सेकेंडरी क्लास सीरीज (3) और हायर सेकेंडरी क्लास सीरीज (4) के लिए थीं। आदेश में कहा गया है, इन चार सब-कमेटी ने 364 पब्लिशर्स की तरफ से भेजी गई 463 किताबों को चुना। इनमें से दो किताबों में अनुचित कंटेंट पाया गया। कमिश्नर सेक्रेटरी ने आगे कहा कि इसके बाद इन किताबों को वापस ले लिया गया। इन दो किताबों में शामिल हैं 'पर्सनैलिटीज एंड लेजेंड्स ऑफ जे एंड के' (लेखकः हिलाल अहमद और संतोष मीणा, पब्लिशरः ओबेरॉय बुक सर्विस, जम्मू) और 'ग्रेट पर्सनैलिटीज ऑफ जम्मू एंड कश्मीर' (लेखकः डॉ. सुशांत गिरी, पब्लिशरः अनुराग प्रकाशन, दिल्ली)। आदेश में कहा गया है कि यह देखा गया है कि सीरियल-ढ्ढ में बताई गई 123 किताबें जम्मू, रामबन और उधमपुर जिलों में सप्लाई की गई थीं और सीरियल-IVमें बताई गई 128 किताबें जम्मू और बारामूला जिलों में सप्लाई की गई थीं। शर्मा ने यह भी कहा कि विभाग के ध्यान में यह बात आई है कि इन किताबों में बहुत ही आपत्तिजनक कंटेंट है। यह साफ है कि सब-कमेटी सीरीज-ढ्ढ के सदस्यों और सुपरवाइजरी अधिकारियों ने ऐसी किताबों की सिफारिश करने में गंभीर लापरवाही और अपने काम में कोताही बरती है। इन किताबों में अलगाववाद से जुड़ा कंटेंट था, जिससे कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो सकती थी। इसमें कहा गया है, मामले के इन तथ्यों और हालात को देखते हुए, सब-कमेटी सीरीज-IV के सदस्य सरकारी कर्मचारियों की ऐसी गंभीर चूक और लापरवाही के लिए ज़िम्मेदार लगते हैं।

राजस्थान एएनटीएफ का बड़ा एक्शनः 47 किलो गांजा जब्त, अंतरराज्यीय तस्करी सिंडिकेट का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने मणिपुर, झारखंड, मध्य प्रदेश, उड़ीसा और तेलंगाना सहित कई राज्यों में फैले अवैध मादक पदार्थ तस्करी के नेटवर्क पर अपना करारा प्रहार जारी रखा है। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन के महत्वपूर्ण मार्गदर्शन और दिशा-निर्देशन में एएनटीएफ ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। टास्क फोर्स ने सवाई माधोपुर जिले के खवांजना डूंगर थाना क्षेत्र में स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर एक अंतरराज्यीय गांजा तस्करी सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 25 लाख रुपये कीमत का 47.288 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद कर एक यूपी नंबर की लग्जरी कार को जब्त किया है और दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। एएनटीएफ के महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार ने इस बड़े ऑपरेशन की जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुकुट बिहारी (36) और हनुमान (30) के रूप में हुई है, जो कि सवाई माधोपुर के खंडार थाना इलाके के फरिया गांव के रहने वाले हैं। आरोपी इतने शातिर हैं कि पिछले 6-7 सालों से बड़े स्तर पर उड़ीसा से गांजे की खेप लाकर राजस्थान और मध्य प्रदेश में सप्लाई कर रहे थे, लेकिन पहली बार पुलिस के हत्थे चढ़े हैं।

स्पीकर देवनानी की असम के मुख्यमंत्री और स्पीकर से मुलाकात

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा से मुलाकात हुई। भेंट के दौरान स्पीकर देवनानी ने मुख्यमंत्री डॉ. सरमा को 'सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि' पुस्तक की प्रति भी भेंट की। देवनानी ने राष्ट्र निर्माण, लोकतांत्रिक मूल्यों के संवर्धन, सुशासन, जनकल्याण, विकास तथा समसामयिक विषयों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने राजस्थान विधानसभा में उनके नेतृत्व में किए गए विभिन्न नवाचारों की जानकारी भी साझा की। दोनों के बीच लोकतांत्रिक संस्थाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने को लेकर भी सार्थक चर्चा हुई। देवनानी ने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में असम विकास, सांस्कृतिक समृद्धि और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करता रहेगा तथा प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगा। देवनानी की असम स्पीकर दास से भेंट राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की असम विधानसभा में स्पीकर रंजीत कुमार दास से भेंट हुई। दोनों विधानसभा अध्यक्षों के बीच भारतीय लोकतंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने, संसदीय संस्थाओं की

गरिमा एवं प्रभावशीलता, विधायी कार्यों की गुणवत्ता, संसदीय परंपराओं के संरक्षण एवं समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप उनके सुदृढ़ीकरण, विधानसभा की कार्यप्रणाली में नवाचार, डिजिटल प्रौद्योगिकी के प्रभावी समावेश तथा जनभागीदारी को बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक एवं सार्थक विचार-विमर्श हुआ। देवनानी ने राजस्थान विधानसभा में किए गए नवाचारों की जानकारी साझा करते हुए श्री दास को बताया कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को जनता से जोड़ने, संसदीय गरिमा को सुदृढ़ करने तथा नई पीढ़ी को लोकतांत्रिक मूल्यों से परिचित कराने के उद्देश्य से अनेक अभिनव पहलें की गई हैं। देवनानी ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की सुदृढ़ता विधायी प्रक्रिया तक सीमित न रहकर यह जनविश्वास, पारदर्शिता, नवाचार और संसदीय मूल्यों के सतत संवर्धन से भी जुड़ी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विभिन्न राज्यों की विधान सभाओं के बीच अनुभवों, श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों और नवाचारों का निरंतर आदान-प्रदान भारतीय लोकतंत्र को और अधिक समृद्ध, प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। असम प्रवास के दौरान राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नीलांचल पर्वत स्थित विश्वप्रसिद्ध माँ कामाख्या शक्तिपीठ में विधि-विधान से दर्शन एवं पूजा-अर्चना की।

राज्यपाल आर. एन. रवि बोले- महर्षि नारद की सत्यनिष्ठा, सूझबूझ और राष्ट्रधर्म से प्रेरणा लें आज के पत्रकार

एजेंसी

कोलकाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचार विभाग विश्व संवाद केंद्र (दक्षिण बंगाल) की ओर से शनिवार को आयोजित 'नारद सम्मान-2026' समारोह में पत्रकारिता की भूमिका, राष्ट्रधर्म, सत्यनिष्ठा और जिम्मेदार संवाद पर गंभीर मंथन हुआ। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर. एन. रवि मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर 17 पत्रकारों को उनके साहसिक, राष्ट्रहित केंद्रित और मूल्य आधारित पत्रकारिता कार्यों के लिए 'नारद सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने महर्षि नारद का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें विश्व का पहला संवाददाता या रिपोर्टर माना जाता है। उन्होंने कहा कि महर्षि नारद केवल समाचारों के वाहक नहीं थे, बल्कि सत्य, धर्म और लोककल्याण पर आधारित संवाद के प्रतीक थे। आज के पत्रकारों के लिए उनका जीवन प्रेरणास्रोत है, क्योंकि उन्होंने सदैव परिस्थितियों की गंभीरता को समझते हुए उचित समय पर सत्य को समाज के समक्ष प्रस्तुत किया।

राज्यपाल ने कहा कि पत्रकारिता केवल घटनाओं को सामने रखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र के प्रति एक महत्वपूर्ण दायित्व भी है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार पत्रकारिता का अर्थ केवल निर्भीक होकर बोलना नहीं, बल्कि सत्य को पूरी सूझबूझ, संवेदनशीलता और राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत करना है। पत्रकारों को यह समझना चाहिए कि कौन-सी सूचना किस समय, किस संदर्भ और किस प्रकार समाज के सामने रखी जानी चाहिए, ताकि समाज में जागरूकता बढ़े और राष्ट्रहित भी सुरक्षित रहे।

बीएमएस और कर्मचारी संगठनों के 19 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने की डॉ जितेन्द्र सिंह से मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि हितधारकों के साथ नियमित संवाद से शासन व्यवस्था मजबूत होती है और सरकारी कर्मचारियों तथा पेंशनभोगियों से संबंधित मुद्दों का समय पर समाधान संभव होता है।

डॉ जितेन्द्र सिंह से आज दिल्ली पहुंचे भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) और देश भर से संबद्ध कर्मचारी संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले 19 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सरकारी कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और प्रशासनिक सुधारों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। डॉ सिंह ने कहा कि सरकार कर्मचारी कल्याण और प्रशासनिक दक्षता को मजबूत करने के लिए सुधारों को आगे बढ़ा रही है। आयुध कारखाने के लगभग 65 हजार पूर्व कर्मचारियों को नियमित सरकारी सेवा में स्थानांतरित करके उनका भविष्य सुरक्षित किया

गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार सरकारी कर्मचारियों तथा पेंशनभोगियों से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए परामर्शपूर्ण और उत्तरदायी दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रगतिशील प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से शासन को अधिक पारदर्शी, कुशल और नागरिक-केंद्रित बनाने को हमेशा प्राथमिकता दी है। मंत्री ने कहा कि प्रत्येक वास्तविक निवेदन पर संबंधित मंत्रालयों और विभागों के माध्यम से उचित विचार किया जाता है। इस दौरान प्रतिनिधियों ने सेवा से संबंधित अपनी कई मांगे सामने रखीं। इनमें अनुकंपा नियुक्ति मामलों में पुरानी पेंशन योजना का लाभ विस्तारित करना, करियर में प्रगति, कैडर से संबंधित मामले और सरकारी कर्मचारियों से संबंधित मुद्दों पर व्यापक हितधारक परामर्श शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने सुझाव दिया कि अनावश्यक मुकदमों को कम करने और कर्मचारियों को प्रभावित करने वाले सेवा संबंधी मामलों के समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाया जा सकता है। इस प्रतिनिधिमंडल में भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस), भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ (बीपीएमएस), सरकारी कर्मचारी राष्ट्रीय परिसंघ (जीईएनसी), सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारी राष्ट्रीय परिसंघ, एसएचएआर कर्मचारी ट्रेड यूनियन और अंतरिक्ष कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि शामिल थे, जो देश भर में रक्षा प्रतिष्ठानों, सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों, वैज्ञानिक संस्थानों और अन्य केंद्रीय सरकारी सेवाओं के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

बंगाल की खाड़ी में बहकर गए वैज्ञानिक डेटा बॉय को तटरक्षक बल ने बचाया

एजेंसी

नई दिल्ली। बेहद चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों में भारतीय तटरक्षक बल ने बंगाल की खाड़ी से बहकर गई वैज्ञानिक डेटा बॉय को सुरक्षित निकाला है। यह सफल कार्रवाई एक बड़ी सफलता के तौर पर देखी जा रही है। दरअसल, बंगाल की खाड़ी में यह अपनी निर्धारित स्थिति से बहकर दूर चली गई थी। यह एक एमओईएस-एनआईओटी वैज्ञानिक डेटा बॉय है। भारतीय तटरक्षक बल ने इसको सफलतापूर्वक खोजकर सुरक्षित अपने नियंत्रण में ले लिया है। चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों के बीच भारतीय तटरक्षक बल के जहाज रानी गैदिन्लियू ने इस अभियान को पूरा किया।

रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक, यह अभियान समुद्र में वैज्ञानिक उपकरणों की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति भारतीय तटरक्षक बल की प्रतिबद्धता का एक और उदाहरण है। जानकारी के अनुसार, यह वैज्ञानिक डेटा बॉय आंध्र प्रदेश के नेल्लोर तट के पास अपनी निर्धारित स्थिति से 150 किलोमीटर से अधिक दूर बह गई थी। समुद्र में तेज हवाओं और कठिन परिस्थितियों के बावजूद तटरक्षक दल ने सटीक खोज अभियान चलाकर इस बहुमूल्य वैज्ञानिक उपकरण को सुरक्षित बरामद कर लिया। यह डेटा बॉय समुद्री वातावरण से जुड़े महत्वपूर्ण वैज्ञानिक आंकड़े, जैसे समुद्र की लहरों, तापमान, धाराओं, मौसम तथा अन्य समुद्री परिस्थितियों का डेटा एकत्र करती है। इन आंकड़ों का उपयोग मौसम पूर्वानुमान, समुद्री अनुसंधान, तटीय सुरक्षा, आपदा प्रबंधन तथा समुद्री गतिविधियों की निगरानी में किया जाता है। भारतीय तटरक्षक बल ने कहा कि अपने निर्धारित दायित्वों के तहत वह केवल समुद्री सुरक्षा, खोज एवं बचाव तथा प्रदूषण नियंत्रण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि समुद्र में स्थापित वैज्ञानिक उपकरणों और अनुसंधान परियोजनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जम्मू-कश्मीर में सरकारी स्कूल की किताबों पर बड़ा विवाद : आतंकी हाफिज सईद और मकबूल भट को बताया 'महान हस्ती

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सरकारी स्कूलों की लाइब्रेरी के लिए खरीदी गई दो किताबों को लेकर घाटी से लेकर जम्मू तक एक बड़ा सियासी और सुरक्षा विवाद खड़ा हो गया है. इन किताबों में प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़े चेहरों और अलगाववादी नेताओं का महिमामंडन करने का गंभीर मामला सामने आया है, जिसके बाद पुलिस ने गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (UAPA) और भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संगीन धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. इन दो किताबों को लेकर उठा बवंडर जम्मू-कश्मीर पीपुल्स फोरम (JKPF) द्वारा सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर इस गंभीर लापरवाही को उजागर किया गया था. विवाद के केंद्र में मुख्य रूप से दो पुस्तकें हैं:

'पर्सनैलिटीज एंड लीजेंड्स ऑफ J&K' - लेखकः हिलाल अहमद और संतोष मीना (पब्लिशरः ओबेरॉय बुक सर्विस, जम्मू). 'ग्रेट पर्सनैलिटी ऑफ जम्मू-कश्मीर' - लेखकः सुशांत गिरी (पब्लिशरः अनुराग प्रकाशन, दिल्ली). इन किताबों में पाकिस्तान समर्थित अलगाववादी नेता मकबूल भट (JKLF के सह-संस्थापक, जिसे 1984 में तिहाड़ जेल में फांसी दी गई थी) को 'शहीद', हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के सैयद अली शाह गिलानी और मीरवाइज उमर फारूक को देश और राज्य का 'प्रभावशाली व्यक्तित्व' और 'आखिरी उम्मीद' के रूप में पेश किया गया है.

'समग्र शिक्षा' योजना के तहत बांटी गई थीं कॉपियां

हैरानी की बात यह है कि इन विवादित किताबों का चयन जम्मू-कश्मीर के विशेषज्ञों की 4 समितियों ने 364 पब्लिशर्स की स्क्रूटनी करने के बाद किया था. राज्य के 1,832 सरकारी और 394 'पीएम श्री' स्कूलों की लाइब्रेरी के लिए 'समग्र शिक्षा' योजना के तहत यह खरीद हुई थी. अधिकारियों के अनुसार, विवाद सामने आने से पहले एक किताब की 123 कॉपियां जम्मू, रामबन और उधमपुर में तथा दूसरी किताब की 128 प्रतियां जम्मू और बारामूला के स्कूलों में वितरित भी की जा चुकी थीं।

पब्लिशर के दफ्तर पर रेड; कड़ा एक्शन मोड में सरकार

मामला तूल पकड़ते ही राज्य सरकार और शिक्षा विभाग पूरी तरह एक्शन मोड में आ गए हैं: किताबें वापस बुलाईं: शिक्षा विभाग ने वितरित की गई सभी विवादित प्रतियों को तत्काल प्रभाव से वापस लेने के आदेश जारी कर दिए हैं.

बैन और ब्लैकलिस्टः सरकार ने इन किताबों के लेखकों और दोनों पब्लिशर्स को जम्मू-कश्मीर में पूरी तरह प्रतिबंधित और ब्लैकलिस्ट कर दिया है. उनकी अन्य सभी छपी हुई सामग्री भी वापस ली जा रही है.

उच्च स्तरीय जांचः इस गंभीर लापरवाही की जांच के लिए दो वरिष्ठ अधिकारियों की समिति नियुक्त की गई है, जिन्हें 30 दिन के भीतर अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंपनी होगी. काउंटर इंटेलिजेंस की छापेमारीः पुलिस द्वारा UAPA की धारा 13 और बीएनएस (BNS) की धाराओं के तहत देश की अखंडता को नुकसान पहुंचाने के आरोप में एफआईआर दर्ज होने के बाद काउंटर इंटेलिजेंस की टीम ने जम्मू में पब्लिशर के दफ्तर पर छापा मारा और कई दस्तावेज व डिजिटल साक्ष्य जब्त किए हैं. जम्मू-कश्मीर के पूर्व पुलिस महानिदेशक (DGP) एसपी वैद ने इस पूरे मामले पर कड़ी चिंता व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि मसरत आलम, सैयद अली शाह गिलानी और शब्बीर शाह जैसे लोग खुलेआम पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई (ISI) का एजेंडा चलाते थे. ऐसी राष्ट्रविरोधी शख्सियत और अलगाववादियों को किताबों के माध्यम से महान बताना घाटी की नई पीढ़ी के मानस पर बेहद गलत और खतरनाक असर डालेगा. उन्होंने इसे सीधे तौर पर पाकिस्तानी एजेंडे को बढ़ावा देने की कोशिश बताया।

शक्ति केंद्र मजूबत होगा तो मिलेगी बंगाल जैसी जीत : योगी

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भारतीय जनता पार्टी ने शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन के जरिए संगठन और कार्यकर्ताओं में चुनावी ऊर्जा भरने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्मेलन में विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जब जिन सरकारों के समय प्रदेश में माफिया पाले जाते थे और हर जिले में कट्टा-बम बनवाए जाते थे, वहीं आज उत्तर प्रदेश देश की सुरक्षा के लिए ब्रह्मोस मिसाइल और ड्रोन का निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए राष्ट्र सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, जबकि पिछली सरकारों का उद्देश्य केवल अपना लूटतंत्र मजबूत करना था। उन्होंने कहा कि जब शक्ति केंद्र मजबूत होगा तब बंगाल जैसी जीत मिलने में कठिनाई नहीं होगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की मौजूदगी में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है और वर्तमान पीढ़ी विकसित भारत की संकल्पना को साकार होते हुए देख रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार की सभी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है। अंत्योदय की अवधारणा को पंडित दीनदयाल

उपाध्याय ने दिया था, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने गरीब कल्याण योजनाओं के माध्यम से धरातल पर उतारा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीति का पहला सूत्र राजनीतिक स्थिरता है। बिना स्थिर सरकार के सुशासन संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने देश को स्थिर सरकार देने की परंपरा स्थापित की और भाजपा ने उसी आधार पर सुशासन का मॉडल विकसित किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने विकास और विरासत को साथ लेकर चलने का मॉडल दिया है और उत्तर प्रदेश उसकी सबसे बड़ी प्रयोगशाला बना है। अयोध्या का भव्य स्वरूप, काशी विश्वनाथ धाम का कायाकल्प और दिव्य-भव्य महाकुंभ इसी सोच का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में उभर रहा है और यहां ब्रह्मोस मिसाइल व ड्रोन जैसे रक्षा उपकरणों का निर्माण हो रहा है। विपक्ष पर हमला जारी रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल जाति की राजनीति के जरिए समाज को बांटते रहे, लेकिन डबल इंजन सरकार ने किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीबों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि यदि शक्ति केंद्र मजबूत होंगे तो पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी भाजपा की जीत का रास्ता आसान होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज यदि पश्चिम बंगाल भारत का अभिन्न हिस्सा है और वहां हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित है तो इसका श्रेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को जाता है। वहीं, जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उनके सपने को साकार किया है।

सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह सामान्य बैठक नहीं, बल्कि 2027 में 2017 से भी बड़ी जीत का श्रीगणेश है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश से माफिया राज समाप्त हुआ, विकास को गति मिली और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़े।

टनकपुर से कैलाश मानसरोवर यात्रा का पहला दल रवाना, मुख्यमंत्री धामी ने दिखाई हरी झंडी

एजेंसी

चम्पावत। उत्तराखंड से संचालित कैलाश मानसरोवर यात्रा का टनकपुर से 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष के बीच विधिवत शुभारंभ हो गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शारदा पर्यटक आवास गृह से 49 तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और सभी यात्रियों की सुरक्षित एवं सफल यात्रा की कामना की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक एकता और राष्ट्रीय समरसता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की कृपा से ही श्रद्धालुओं को इस पवित्र यात्रा का अवसर मिलता है तथा यात्रा के दौरान श्रद्धा और धैर्य बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा सीमांत क्षेत्रों के विकास का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। इससे स्थानीय पर्यटन, व्यापार, परिवहन और रोजगार को बढ़ावा मिलता है। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से स्थानीय हस्तशिल्प एवं उत्पादों की खरीद कर सीमांत क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का भी आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सनातन संस्कृति के संरक्षण और प्राचीन मंदिरों के पुनरुद्धार के लिए व्यापक कार्य किए जा रहे हैं, जिससे भारत की आध्यात्मिक विरासत को नई पहचान मिल रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का पारंपरिक छोलिया नृत्य के साथ स्वागत किया गया और पुलिस ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। उन्होंने सभी तीर्थयात्रियों का रुद्राक्ष की माला और भगवान शिव का पटका पहनाकर अभिनंदन किया तथा उनसे संवाद भी किया। शारदा पर्यटक आवास गृह के प्रबंधक मनोज कुमार ने बताया कि पहले दल में चिकित्सक सहित कुल 49 तीर्थयात्री शामिल हैं, जिनमें 34 पुरुष और 15 महिलाएं हैं। दल में आंध्र प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के श्रद्धालु शामिल हैं। तमिलनाडु के डॉ. अरुण कुमार दल के चिकित्सक हैं। राजस्थान के 68 वर्षीय पुरुषोत्तम खंडेलवाल सबसे वरिष्ठ तथा गुजरात के 21 वर्षीय हरिकृष्णा सबसे युवा तीर्थयात्री हैं। यात्रियों ने राज्य सरकार की यात्रा संबंधी व्यवस्थाओं की सराहना की। सातवीं बार कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जा रहे अनिल कुमार जैन ने सुरक्षा एवं सुविधाओं के बेहतर प्रबंध के लिए राज्य सरकार का आभार जताया।

गोल्डन बूट की रेस हुई रोमांचक

- **मेसी-एम्बाप्पे को हालैंड दे रहे कड़ी टक्कर**

नई दिल्ली। नॉर्वे के स्ट्राइकर अर्लिंग हालैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 गोल्डन बूट की रेस में फ्रांस के दिग्गज किलियन एम्बाप्पे और अर्जेंटीना के लियोनल मेसी को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। उन्होंने दो गोल करके ब्राजील को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया और नॉर्वे ने राउंड ऑफ 16 का अहम मैच 2-1 से जीत लिया। उन्होंने 79वें और 90वें मिनट में गोल किए। हालैंड के अब 7 गोल हो गए हैं, जो एम्बाप्पे और मेसी के बराबर है। एम्बाप्पे 7 गोल और 2 असिस्ट के साथ फीफा वर्ल्ड कप 2026 में गोल्डन बूट की रेस में सबसे ऊपर हैं, जबकि हालैंड और मेसी दोनों के 7 गोल और 0 असिस्ट हैं। नॉर्वे के खिलाड़ी अभी तीसरे नंबर पर हैं क्योंकि मेसी ने कम मिनट में ज्यादा गोल किए हैं। इंग्लैंड के हैरी केन 5 गोल और 0 असिस्ट के साथ चौथे नंबर पर हैं, जबकि फ्रांस के ओस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबल, ब्राजील के विनीसियस जूनियर और इस्माइला सार 4-4 गोल के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

तिलक वर्मा ने अभिषेक का रिकॉर्ड तोड़ा

बने नंबर 1, टी-20 में सबसे कम उम्र में 1500 रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के उप-कप्तान तिलक वर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में 11 गेंदों पर 2 छक्के और एक चौके की मदद से नाबाद 24 रन की पारी 218.18 की स्ट्राइक रेट के साथ खेली। तिलक वर्मा ने अपनी इस पारी के दौरान टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 1500 रन भी पूरे किए और वो टी20 क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे कम उम्र में 1500 रन बनाने वाले सबसे युवा बैटर भी बने।

- **तिलक वर्मा ने दो दिन बाद तोड़ा अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड-** इससे पहले टीम इंडिया के ओपनर अभिषेक शर्मा ने एक जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के दौरान अपने 1500 रन टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे किए थे और भारत की तरफ से क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में 1500 रन बनाने वाले सबसे युवा बैटर बने थे, लेकिन दो दिन के बाद ही यानी 4 जुलाई को तिलक वर्मा ने उनका रिकॉर्ड तोड़ दिया और पहले नंबर पर आ गए। तिलक वर्मा ने टी20आई में 1500 रन 23 साल 238 दिन की उम्र में पूरे किए जबकि अभिषेक ने ये कमाल 25 साल 300 दिन की उम्र में किया था और वो अब दूसरे नंबर पर आ गए।

इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया फाइनल के बाद टॉप-10 बल्लेबाज व गेंदबाज

श्री चरणी का जलवा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने रविवार (5 जुलाई) को इंग्लैंड को 7 विकेट से हराकर 7वीं बार महिला टी20 विश्व कप का खिताब जीता। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन इंग्लैंड की डैनी व्याट हॉज ने बनाए। उन्होंने 302 रन बनाए ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी दूसरे नंबर पर रहीं। उन्होंने 238 रन बनाए। इंग्लैंड की नट साइवर ब्रंट तीसरे नंबर पर रहीं। टॉप-10 बल्लेबाजों में दो भारतीय स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा भी हैं। स्मृति ने 205 और शैफाली ने 179 रन बनाए। टॉप-10 गेंदबाजों की बात करें तो भारतीय स्पिनर श्री चरणी शीर्ष पर रहीं। उन्होंने 15 विकेट लिए। इंग्लैंड की सोफी मोलिन्यू दूसरे, पाकिस्तान की फातिमा सना तीसरे नंबर रही। दोनों ने 1-1 विकेट लिए। इंग्लैंड सोफी एक्लेस्टोन चौथे और हेली मैथ्यूज चौथे नंबर पर रहीं। दोनों ने 10-10 विकेट लिए। इंग्लैंड की शार्लेट डीन ने भी 10 विकेट झटके।

ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड 7वीं बार जीता खिताब

फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया

लंदन (एजेंसी)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच लॉर्ड्स में खेला गया। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने बेथ मूनी और फीबी लिचफील्ड की शानदार पारी व शतकीय साझेदारी के दम पर मैच को 7 विकेट से जीत लिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 7वीं बार महिला टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने का गौरव हासिल किया। इंग्लैंड का अपने घर में चैंपियन बनने का सपना टूट गया और उसे उप-विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था और इसके बाद इंग्लैंड की टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 150 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 151 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 17.1 ओवर में 3 विकेट पर 153 रन बनाकर मैच जीत लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पारी में बेथ मूनी का शानदार अर्धशतक

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम की ओपनर जॉर्जिया वोल 9 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठीं। फीबी लिचफील्ड ने 35 गेंदों पर 48 रन की पारी खेली और आउट हो गईं, लेकिन उन्होंने दूसरे विकेट के लिए बेथ मूनी के साथ मिलकर 67 गेंदों पर 100 रन की साझेदारी की। बेथ मूनी ने अपना अर्धशतक 38 गेंदों पर पूरा किया और उन्होंने 49 गेंदों पर 64 रन की शानदार पारी खेली। एलिस पेरी 13 रन बनाकर जबकि एश्ले गार्डनर 3 रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड के लिए शार्लेट डीन, लॉरेन बेल और सोफी एक्लेस्टोन ने एक-एक विकेट लिए।

इंग्लैंड की घर में पहली हार

- **ऑस्ट्रेलिया तीसरी बार बगैर हारे बना चैंपियन, बेथ मूनी ने रचा इतिहास**

महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में इंग्लैंड की टीम रविवार (5 जुलाई) को पहली बार घरेलू सरजमीं पर हारी और दूसरी बार खिताब जीतने का उसका सपना टूट गया। वह घरेलू सरजमीं पर महिला टी20 विश्व कप में 12 मैच में 11 जीत दर्ज की है। वह पहली बार अपनी मेजाबनी में विश्व कप हारी। ऑस्ट्रेलिया ने उसका विजय रथ रोककर 7वीं बार खिताब अपने नाम किया। वह तीसरी बार टूर्नामेंट में एक भी मैच हारे बगैर चैंपियन बनी।

ऑस्ट्रेलिया की जीत में बेथ मूनी ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने लगातार तीसरी बार फाइनल में अर्धशतक लगाया। बेथ मूनी महिला टी20 वर्ल्ड कप में दो बार प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी भी बनीं। इससे पहले वह 2020 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं। पुरुषों में यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है।

प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड

मूनी टी20 वर्ल्ड कर फाइनल (2023 और 2026) में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाली पहली खिलाड़ी हैं। मार्लन सैमुअल्स पुरुषों (2012 और 2016) में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले अकेले खिलाड़ी हैं। मूनी महिला टी20 विश्व कप के एक संस्करण में फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी बनीं। 2024 में अमेलिया केर भी फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं।

दासुन शनाका ने 4 गेंद पर झटके 4 विकेट, चेन्नई सुपर किंग्स की टीम हारी

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 में दासुन शनाका ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स की टीम टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ सिएटल ऑर्कस को जीत दिला दी। टेक्सास सुपर किंग्स को आखिरी ओवर में 15 रन चाहिए थे। शनाका ने 4 गेंद पर 4 विकेट झटके और टेक्सास सुपर किंग्स ने 9 रन से जीत दर्ज की।

जीत के लिए 122 रन का पीछा करते हुए टेक्सास सुपर किंग्स ने आखिरी ओवर में 107 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। डोनोवन फरेरा और शुभम रंजना क्रीज पर थे। फरेरा ने 19वें ओवर में एक चौका और एक छक्का लगाया था। फिर रंजना ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर शनाका को चौका जड़ा, जिससे पांच गेंदों पर 11 रन चाहिए थे।

शनाका ने फरेरा, सैवेज, मिल्ने और डी सिल्वा को आउट किया- दो गेंद बाद फरेरा एक धीमी गेंद पर आउट हो गए। फिर केल्विन सैवेज लॉन्ग-ऑन पर कैच आउट हुए। एडम मिल्ने ने हैट्रिक गेंद का सामना किया और बड़े शॉट के प्रयास में आउट हो गए। शनाका ने आखिरी गेंद पर अमशी डी सिल्वा को शिमरोन हेटमायर के हाथों कैच करा दिया।

नेमार ने लिया संन्यास

पेले के क्लब में हुए शामिल

नॉर्वे से हारकर ब्राजील बाहर

न्यूजर्सी (एजेंसी)।। ब्राजील के सर्वकालिक शीर्ष गोल स्कोरर नेमार जूनियर ने रविवार (5 जुलाई) को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने यह ऐलान ब्राजील के फीफा वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के बाद की। नॉर्वे के खिलाफ राउंड ऑफ 16 में उसे 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। 1990 के बाद पहली बार ब्राजील इतना जल्दी वर्ल्ड कप से बाहर हुआ है।

नेमार ने अतिरिक्त समय के 10वें मिनट में पेनल्टी से मैच का एकमात्र गोल दागा, जिससे ब्राजील के लिए 130 मैचों में उनके गोलों की संख्या 80 हो गई, साथ ही उन्होंने 59 असिस्ट भी किए। दिग्गज पेले के मुकाबले उन्होंने 3 गोल ज्यादा किए हैं। वह पेले के अलावा चार विश्व कप में गोल करने वाले दूसरे ब्राजीलियाई खिलाड़ी बने। नेमार ने ब्राजील के लिए 130 मैच खेले। कैफू ने (142) उनसे ज्यादा मैच खेले हैं।

नेमार रोते हुए जमीन पर बैठ गए

न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में आखिरी सीटी बजने के बाद नेमार रोते हुए जमीन पर बैठ गए। साथी खिलाड़ियों ने उन्हें मनाया। मैच के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मैंने कोशिश की। इसकी शुरुआत मेट लाइफ स्टेडियम में हुई और यहीं इसका अंत हुआ।' नेमार ने अगस्त 2010 में मेटलाइफ स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में ब्राजील के लिए डेब्यू किया और अपना पहला इंटरनेशनल गोल किया।

नेमार की फिटनेस बनी समस्या- फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले नेमार की फिटनेस चर्चा का विषय बनी हुई थी, लेकिन चिंताओं के बावजूद मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने उन्हें 26 सदस्यीय टीम में शामिल किया। दाहिने पैर की पिंडली में चोट लगने की वजह से नेमार टूर्नामेंट में ब्राजील के पांच मैचों में से सिर्फ दो में ही खेले। वह ग्रुप प्ले में स्कॉटलैंड के खिलाफ 15 मिनट तक मैदान पर रहे और नॉर्वे के खिलाफ 67वें मिनट में मैदान पर आए।

'उन्हें जेल में देखकर बहुत बुरा लगता है'

- **पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर इमरान खान को लेकर कपिल देव ने जाहिर किया अपना दर्द**

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व पीएम इमरान खान को लेकर अपने मन की बात कही। एक इंटरव्यू के दौरान कपिल देव ने इमरान खान को लेकर खुलकर बातें की और बताया कि वो किस तरह से इंसान थे। कपिल देव ने साफ तौर पर कहा कि एक ऐसा खिलाड़ी जिसने अपने देश के लिए वर्ल्ड कप जीता और फिर देश का प्रधानमंत्री भी बना उसके साथ इस तरह का व्यवहार देखकर बुरा लगता है।

इमरान की लाइफ स्टाइल को छू भी नहीं सकते

कपिल देव ने स्पोर्ट्स तक पर इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि क्या आपकी इमरान से दोस्ती थी तो उन्होंने कहा कि मैं ऐसा तो नहीं कहूंगा, लेकिन जब जरूरत होती थी हम बैठकर बात करते थे। वो भी पंजाबी थे और मुझे भी पंजाबी समझ में आती थी तो हम आसानी से एक-दूसरे की बात समझ लेते थे। इमरान खान की लाइफ स्टाइल को तो हम छू भी नहीं सकते। उनका लाइफस्टाइल काफी अलग था और ऐसा हमेशा रहा। इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट के दौरान भी ऐसा ही था।

'मेरे साथ कई बार धोखा हुआ'

पृथ्वी शॉ की मंगेतर आकृति ने किसके लिए लिखा ऐसा, क्या दोनों की राहें हुई जुदा?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ एक बार फिर से चर्चा में हैं। रविवार को उनकी मंगेतर आकृति अग्रवाल ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की जिसमें उन्होंने दावा किया कि उन्हें एक बार नहीं बल्कि कई बार धोखा दिया गया है। आकृति के इस पोस्ट के बाद पृथ्वी शॉ और उनके रिश्ते को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। आईपीएल 2026 सीजन से पहले जब दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें खिलाड़ियों की नीलामी में खरीदा था उससे पहले ही पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल की सगाई हो गई थी।

क्या पृथ्वी और आकृति में हुआ अलगाव

आकृति ने क्रिकेटर पृथ्वी के साथ अपने रिश्ते को दिखाने के लिए अपने ऑफिशियल अकाउंट से कई पोस्ट शेयर किए थे। क्रिकेट फैंस को आकृति और पृथ्वी के रिश्ते के बारे में अच्छी तरह से पता है, लेकिन इन सारी बातों के बीच आकृति ने जो पोस्ट शेयर किया वो किसके लिए है ये बड़ा सवाल है। क्या दोनों की राहें जुदा हो गई है, हालांकि अब तक आधिकारिक तौर पर ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। आकृति ने अपने पोस्ट में लिखा कि मेरे साथ कई बार धोखा हुआ, फिर भी मैंने कभी कुछ नहीं कहा। अभी भी यकीन नहीं होता कि एक कदम आगे बढ़ने के बाद... सब कुछ सच है, हर अफवाह सच है। सोशल मीडिया पर आप उनके बारे में जो कुछ भी देखते हैं। जब आकृति ने लिखा कि सब सच है तो इंटरनेट यूजर्स ने आकृति और पृथ्वी के रिश्ते में कुछ गड़बड़ होने का अंदाजा लगाना शुरू कर दिया। हालांकि आकृति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में किसी का नाम नहीं लिया। फिलहाल ना तो आकृति और ना ही पृथ्वी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान आया है। दोनों में से किसी की भी तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया न मिलने के कारण लोगों को यह नहीं पता चला है कि आकृति को सार्वजनिक रूप से इतना दुखद संदेश क्यों साझा करना पड़ा। क्या सगाई के बाद भी उनका ब्रेकअप हो गया है ये सवाल सबके मन में कौंध रहा है।

क्या '12वीं फेल' की मेधा शंकर को डेट कर रहे हैं समय रैना?

समय रैना और 12वीं फेल' की एक्ट्रेस मेधा शंकर के डेट करने की खबरें जोरों पर हैं। दोनों को एक बार फिर साथ में देखा गया है और उन्होंने कैमरा देखते ही अपना रास्ता बदल लिया। लेकिन फैंस दावा कर रहे हैं कि वे साथ हैं।

समय रैना और ' 12वीफेल' की एक्ट्रेस मेधा शंकर के डेटिंग की अफवाहें फिर से शुरू हो गई हैं, क्योंकि दोनों को एक बार फिर साथ देखा गया है। सोशल मीडिया पर दोनों का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिससे फैन्स सोच रहे हैं कि क्या उनकी दोस्ती कुछ और है और वो जान-बूझकर छिपने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया गया जिसमें दावा किया गया कि समय रैना और मेधा शंकर एक ही जगह पर साथ देखे गए। पोस्ट के मुताबिक, पैपराजी को देखते ही दोनों अलग-अलग रास्ते पर चले गए, जिससे फैंस को लगा कि वे मीडिया की नजर से बचना चाह रहे थे। वायरल पोस्ट में लिखा था, 'दोस्तों, समय रैना और मेधा शंकर डेटिंग कर रहे हैं।' इसमें आगे लिखा है, 'वे साथ देखे गए थे, और जैसे ही उन्होंने पैपराजी को देखा, वे अलग हो गए। वे अब कई बार साथ देखे जा चुके हैं। आप लोगों का क्या सोचना है?' यह पहली बार नहीं है जब समय और मेधा के डेटिंग की अफवाहें उड़ी हैं। फैंस ने पहले भी बताया है कि दोनों एक ही तरह के इवेंट्स में साथ शामिल हुए हैं, जिससे उनके रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों को और हवा मिली है।

मेधा शंकर की आखिरी रिलीज फिल्म

वहीं, मेधा शंकर आखिरी बार प्रशांत झा के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में नजर आई थीं। इस फिल्म में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर लीड रोल में थे। यह 'गिन्नी वेड्स सनी' (2020) का स्पिरिचुअल सीक्वल है।

समय रैना का 'इंडियाज गॉट लेटेंट'

इस बीच, समय रैना ने हाल ही में अपने विवादित शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के दूसरे सीजन के साथ वापसी की है। इसके पहले एपिसोड में, जो नेटफ्लिक्स और यूट्यूब पर एक साथ रिलीज हुआ था, 'अल्फा' की स्टार्स आलिया भट्ट और शर्वरी गेस्ट के तौर पर शामिल हुईं।

मेधा या समय ने नहीं दिया है जवाब

काफी चर्चा होने के बावजूद, समय रैना और मेधा शंकर, दोनों में से किसी ने भी डेटिंग की अफवाहों पर सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा है। अभी तक कॉमेडियन और एक्ट्रेस के बीच रिश्ते की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और ये अटकलें पूरी तरह से फैन्स के ऑब्जर्वेशन और ऑनलाइन वायरल हो रहे क्लिप्स पर आधारित हैं।

मुपापा का हिस्सा बने आयुष्मान

यशराज-पोशम पा पिक्चर्स मिलकर बनाएंगे

आयुष्मान खुराना ने अपने करियर में कई लीक से हटकर फिल्में की हैं। वह ऐसी ही एक फिल्म 'मोपापा' का हिस्सा बनने वाले हैं, इससे बॉलीवुड के दो बडे प्रोडक्शन हाउस मिलकर बनाएंगे। जानिए, कब रिलीज होगी आयुष्मान खुराना की यह फिल्म? फिल्म 'मुपापा' को यश राज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स मिलकर बना रहे हैं, यह इन दोनों प्रोडक्शन हाउस का पहला कोलेबोरेशन है। यह मिलकर 'मोपापा' नाम की फिल्म बना रहे हैं। इसमें आयुष्मान खुराना लीड रोल में है।

बिल्कुल अलग जॉनर की होगी फिल्म

मेकर्स के मुताबिक 'मोपापा' काफी अलग जॉनर की फिल्म है। इसे समीर सक्सेना निर्देशित करेंगे। वह अब तक 'ट्रिपलिंग', 'ये मेरी फैमिली' और 'परमानेंट रूममेट्स' जैसी सीरीज बना चुके हैं। साथ ही जितेंद्र कुमार स्टारर फिल्म 'जादूगर' का निर्देशन भी वह कर चुके हैं।

कब दस्तक देगी फिल्म?

फिल्म 'मोपापा' की रिलीज डेट भी मेकर्स ने शेयर की है। यह अगले साल वैलेंटाइल वीक के बाद रिलीज होगी। इसकी रिलीज डेट 19 फरवरी, 2027 है। फिल्म में आयुष्मान खुराना के अलावा बाकी कास्ट में कौन-कौन शामिल है, अभी इसका खुलासा नहीं हुआ।

आयुष्मान खुराना करियर फ्रंट पर क्या कर रहे हैं?

बीते दिनों आयुष्मान खुराना फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' नजर आए थे। इस साल वह दो फिल्मों में नजर आएंगे। इसमें 'उड़ता तीर' और 'ये प्रेम मोल लिया' शामिल है। इसके अलावा 'मोपापा' को लेकर उनका नाम अभी-अभी सामने आया है। सभी फिल्म अलग जॉनर की हैं।

अली गोनी ने जैस्मिन भसीन संग शादी को लेकर तोड़ी चुप्पी

टीवी इंडस्ट्री के मशहूर कपल अली गोनी और जैस्मिन भसीन की जोड़ी को दर्शक काफी समय से बेहद पसंद करते आए हैं और अक्सर सोशल मीडिया पर उनकी शादी को लेकर सवाल पूछते रहते हैं। इसी बीच अब अली गोनी ने अपने एक पोस्ट के जरिए पहली बार इस सवाल पर चुप्पी तोड़ी है। दरअसल, अली गोनी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा, ''जब शादी करनी होगी खुद बता दूंगा सबको। मेरे रिश्तेदार मेरे इतने पीछे नहीं पड़े जितना यहां इंस्टा पर लोग पड़े हैं। अपना अपना काम करो और खुश रहो और रहने दो।''

गौरतलब है कि अली से लोग सोशल मीडिया पर अक्सर उनकी शादी को लेकर सवाल पूछते रहते हैं और लगातार उनकी शादी को लेकर दबाव बनाते रहते हैं। ऐसे में अली की लोगों से ये अपील काफी चर्चा में है। बता दें कि जैस्मिन भसीन और अली गोनी की पहली मुलाकात 'खतरों के खिलाड़ी 9' के दौरान एयरपोर्ट पर हुई थी। इस शो के बाद दोनों के बीच दोस्ती की शुरुआत हुई, जो समय के साथ गहरी होती चली गई। लोगों के इस रिश्ते के बारे में पता तब चला, जब 'बिग बॉस 14' के दौरान अली गोनी ने जैस्मिन के लिए घर में वाइल्ड कार्ड एंट्री ली। इस शो में दोनों ने खुले तौर पर अपने प्यार का इजहार किया। 'बिग बॉस 14' के बाद से अली और जैस्मिन को कई बार एक साथ देखा गया। दोनों अक्सर एक-दूसरे के साथ समय बिताते हैं और सोशल मीडिया पर भी अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा करते रहते हैं।

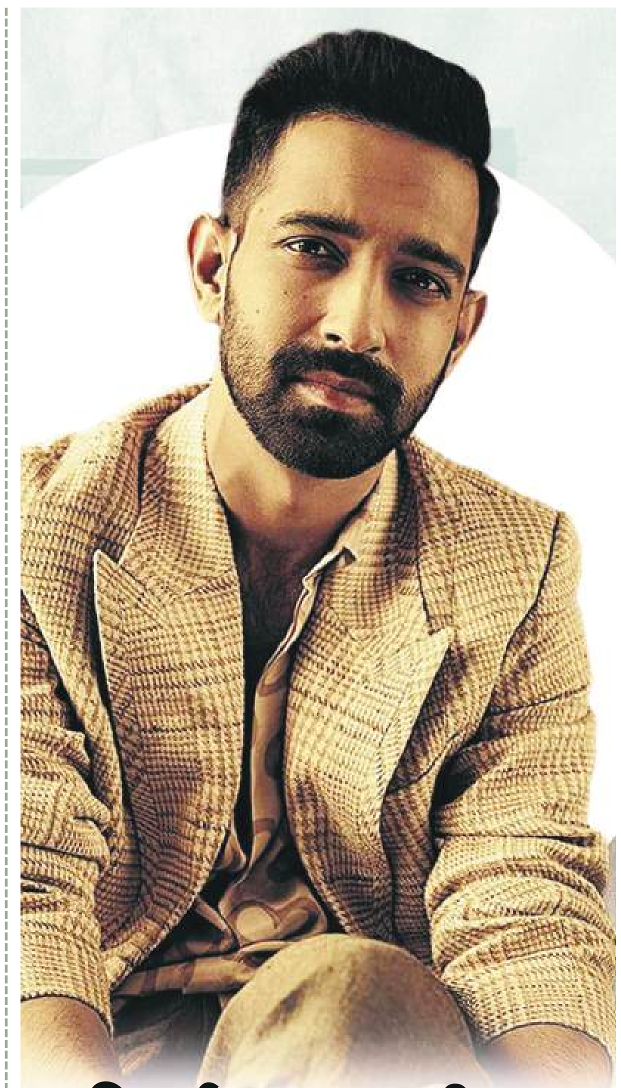

'मिर्जापुरः द मूवी' का हिस्सा नहीं हैं विक्रांत मैसी, बबलू पंडित के किरदार में नजर आएंगे जितेंद्र कुमार

विक्रांत मैसी जल्द ही आगामी वेब सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' में नजर आएंगे। इस बीच विक्रांत मैसी ने हिट वेब सीरीज 'मिर्जापुर' को लेकर बात की, जो अब 'मिर्जापुरः द मूवी' के नाम से फिल्म के रूप में बड़े पर्दे पर लौट रही है। लेकिन वेब सीरीज के पहले सीजन का हिस्सा रहे विक्रांत मैसी इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इस बीच विक्रांत ने 'मिर्जापुर' के पहले सीजन में ही अपने किरदार बबलू पंडित के मर जाने पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि काश मेकर्स उन्होंने मुझे मारा न होता। जब 'मिर्जापुरः द मूवी' की घोषणा हुई थी तो फैंस को उम्मीद थी कि बबलू पंडित के किरदार में विक्रांत मैसी की फिल्म में वापसी होगी। लेकिन जब फिल्म का टीजर जारी हुआ तो ये साफ हो गया कि विक्रांत फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह 'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार फिल्म में बबलू पंडित के किरदार में नजर आएंगे। अब हाल ही में एफएलओ बैंगलोर ऑफिशियल के साथ बातचीत में विक्रांत ने मिर्जापुर शो के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे इसमें ज्यादातर पुरुष कास्ट और क्रू थे, जो उनके अनुसार पितृसत्ता और मेल ईगो में डूबे हुए थे। उन्होंने कहा कि जब 'मिर्जापुर' मेरे पास आया, तो असल में यह बस कुछ उत्साही लोगों का एक साथ आना था। इसमें कई शानदार महिलाएं भी शामिल थीं, लेकिन मुख्य रूप से शो में मान लीजिए लगभग 85% पुरुष शामिल थे। कैमरे के आगे और पीछे दोनों जगह। यह बस लोगों का एक समूह था जो एक साथ आए और कहा, 'चलो यह शो बनाते हैं।' इस सीरीज में विक्रांत मैसी ने अली फजल के किरदार गुड्डू पंडित के भाई बबलू पंडित का किरदार निभाया था। उनके किरदार ने कहानी में गंभीरता और समझदारी भरी सोच जोड़ी। वह गुड्डू पंडित के लिए रणनीतिक दिमाग का काम करते थे। पहले सीजन में बबलू पंडित की मौत ही वह घटना थी, जिसने कॉलेज जाने वाले गुड्डू पंडित और कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) के बेटे मुन्ना भैया (दिव्येंदु) के बीच जबरदस्त दुश्मनी को जन्म दिया। 2018 में रिलीज होने के बाद इस शो को बहुत ज्यादा लोकप्रियता मिली और तब से इसके तीन सफल सीजन आ चुके हैं।

ऑटिज्म को लेकर फैली गलतफहमियों पर ईशा सिंह ने खुलकर की बात

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह इन दिनों अपने आने वाले शो 'जूही मुई' को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने करियर का अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं। ईशा इसमें ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाली लड़की 'जूही' की भूमिका में नजर आएंगी। अपने इस किरदार की तैयारी और ऑटिज्म को लेकर समाज में फैली गलतफहमियों पर अभिनेत्री ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज भी बड़ी संख्या में लोग ऑटिज्म को बीमारी समझते हैं, जबकि यह एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। एक इंटरव्यू में ईशा सिंह ने कहा, ''आज भी बहुत से लोग ऑटिज्म को सही तरीके से नहीं समझते। जागरूकता की कमी पढ़े-लिखे लोगों के बीच भी देखने को मिलती है। मेरे अपने दोस्तों में भी ऐसे लोग हैं जिन्हें ऑटिज्म के बारे में सही जानकारी नहीं है। ऐसे में सबसे जरूरी बात यह है कि लोग इस विषय को समझें और इसके बारे में सही जानकारी हासिल करें।''

ईशा सिंह ने कहा, ''ऑटिज्म को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी यह है कि लोग इसे बीमारी मान लेते हैं। जबकि सच यह है कि ऑटिज्म कोई बीमारी नहीं, बल्कि मस्तिष्क के विकास से जुड़ी एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। कुछ माता-पिता यह सोचते हैं कि ऑटिज्म एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है, जबकि यह पूरी तरह गलत धारणा है। ऑटिज्म न तो संक्रामक है और न ही यह किसी तरह की बीमारी है।''

अभिनेत्री का कहना है कि ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले बच्चे अक्सर बेहद बुद्धिमान, संवेदनशील और प्यार करने वाले होते हैं। उन्हें समाज से सहानुभूति नहीं बल्कि समझ और स्वीकार्यता की जरूरत होती है। ऐसे बच्चों को बदलने की कोशिश करने के बजाय उन्हें उसी रूप में स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि हर व्यक्ति अपनी अलग पहचान और विशेषताओं के साथ दुनिया में आता है। अपने नए शो में निभाए जा रहे किरदार को लेकर ईशा सिंह ने कहा, ''यह मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण और जिम्मेदारी भरा रोल है। चूंकि यह एक बेहद संवेदनशील विषय है, इसलिए मैंने इसकी तैयारी में कोई कमी नहीं छोड़ी। मेरा उद्देश्य ऑटिज्म से जुड़े लोगों की भावनाओं और व्यवहार को पूरी ईमानदारी के साथ दर्शकों तक पहुंचाना था।''

ईशा ने कहा, ''इस किरदार की तैयारी के दौरान मैंने ऑटिज्म पर आधारित कई इंटरव्यू देखे, विशेषज्ञों और लोगों से बातचीत की, इस विषय पर काफी रिसर्च की और कई किताबें भी पढ़ीं। यह सीखने की प्रक्रिया अभी भी जारी है। जूही का किरदार निभाते हुए मुझे हर दिन कुछ नया सीखने को मिल रहा है। मैंने अपने स्टडी, लोगों के अनुभव और अपनी व्यक्तिगत समझ को मिलाकर इस किरदार को तैयार किया है।''

अभिनेत्री ने बताया, ''जूही के किरदार के लिए मुझे अपने चलने, बोलने, बैठने, प्रतिक्रिया देने और भावनाओं को व्यक्त करने के तरीके पर भी बारीकी से काम करना पड़ा। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले लोग हर भावना को गहराई से महसूस करते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि वे उसे सामान्य तरीके से व्यक्त कर पाएं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए मैंने अपने अभिनय में किसी तरह का दिखावा नहीं रखा, बल्कि छोटे-छोटे हाव-भाव और स्वाभाविक अभिव्यक्ति पर विशेष ध्यान दिया।''

ईशा सिंह ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि जब दर्शक 'जूही मुई' देखेंगे तो उन्हें मेरे किरदार की कई ऐसी बारीकियां नजर आएंगी, जिन पर पूरी टीम ने काफी मेहनत की है। अगर इस शो के जरिए कुछ लोग भी ऑटिज्म को लेकर अपनी सोच बदलते हैं और इसे सही तरीके से समझ पाते हैं, तो मेरी मेहनत सफल मानी जाएगी।''

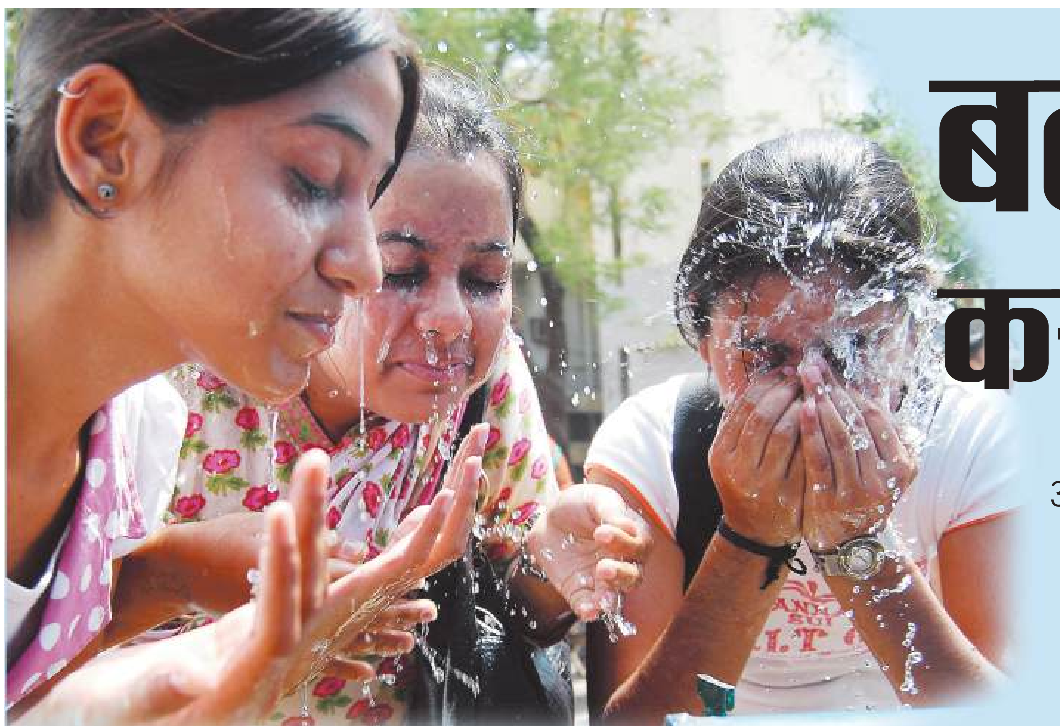

बढ़ती उमस कर न दे पस्त

मौसम अपने साथ उमस भरा माहौल भी लेकर आता है। घुटन और नमी से भरा यह मौसम कई बार असहनीय ही नहीं, हमारे स्वास्थ्य और खासकर त्वचा के लिए खतरनाक साबित होता है। उमस को अपनी सेहत पर हावी होने से कैसे रोके

वातावरण में मौजूद नमी का असर शरीर से निकलने वाले पसीने पर आसानी से देखा जा सकता है। पसीने के बारे में विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्राकृतिक तौर पर शरीर की रक्षा करने का काम करता है। शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले अतिरिक्त अल्कोहल, कोलेस्ट्रॉल और नमक को शरीर से बाहर निकालकर यह शरीर में संतुलन बनाए रखता है और विभिन्न संक्रामक रोगों से हमें बचाता है। गर्मी के मौसम में पसीना भाप बनकर उड़ जाता है और शरीर को ठंडा रखता है। लेकिन उमस वाले मौसम में यह पसीना सूख नहीं पाता है और शरीर को चिपचिपाहट से भर देता है।

उमस का असर

उमस वाले मौसम में वातावरण में बीमारियां फैलाने वाले बैक्टीरिया, वायरस और फंगस सक्रिय हो जाते हैं, जिनसे किसी भी उम्र का व्यक्ति शिकार हो सकता है। इस मौसम में त्वचा संबंधी रोग ज्यादा पनपते हैं। वातावरण की नमी हमारी त्वचा के पोर बंद कर देती है, जिससे त्वचा सांस नहीं ले पाती। त्वचा के भीतर समुचित मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता और त्वचा बेजान-सी हो जाती है। अगर साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाए तो त्वचा फंगल इंफेक्शन, रैशेज, मुंहासे और फोड़े-फुंसियों की चपेट में आ जाती है। शरीर के ऐसे हिस्से जहां पसीने ज्यादा आते हैं, वहां रैशेज पड़ जाते हैं और खुजली होने लगती है। चेहरे पर मवाद से भरे मुंहासे उभर आते हैं, जिनसे कई बार चेहरे पर निशान भी पड़ जाते है। तापमान में नमी का असर हमारे बालों पर भी पड़ता है। नियमित सफाई के अभाव में बाल चिपचिपे और बेजान हो जाते हैं। डैंड्रफ हो जाते हैं, जिससे बाल ज्यादा गिरने लगते हैं।

इसके अलावा कम पानी पीने और खानपान की गलत आदतों से आप डीहाइड्रेशन की शिकार भी हो सकती हैं। उमस के इस मौसम में पसीना बहुत आता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। उमस वाले मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है और ऐसा खाना खाने से पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है। नमी भरे मौसम से नींद आना, मांसपेशियों में ऐंठन, चक्कर, उल्टी और सिर दर्द जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

सूती और हल्के कपड़े पहनें

इस मौसम में सिंथेटिक, मोटे और टाइट फिटिंग के कपड़ों के बजाय हल्के रंगों वाले पतले और सूती कपड़े पहनें। टाइट फिटिंग और ज्यादा कसीदाकारी वाले कपड़े पहनने से बचें। ऐसा करने से आपको गर्मी और उमस से परेशानी भी कम होगी और ज्यादा पसीना आने के बावजूद आपको कम परेशानी होगी।

खान-पान का रखें ध्यान

खानपान के मामले में एहतियात बरत कर ही आप उमस भरे वातावरण में सेहतमंद रह सकती हैं। डीहाइड्रेशन से बचने के लिए भरपूर मात्रा में पानी पिएं और उबला पानी पीने की कोशिश करें। पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर पीने से विषाक्त पदार्थ आसानी से शरीर से बाहर निकल जाएंगे। मूली के रस में काली मिर्च पाउडर और एक चुटकी सेंधा नमक मिलाकर पीना भी इस मौसम में फायदेमंद है। खाने के मामले में सतर्कता बरतें। घर का बना और कम चिकनाई वाला खाना ही खाएं। खाने में अदरक, अजवायन का प्रयोग करें। तुलसी और अदरक की चाय पिएं। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होगी और उमस से लड़ने में शरीर को मदद मिलेगी।

निजी साफ-सफाई का रखें

नमी भरे वातावरण में होने वाली चिपचिपाहट से बचने के लिए अपनी साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। ठंडे पानी से दिन में दो बार नहाएं। साफ-सुथरे कपड़े पहनें। वातावरण में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और धूल के कणों पर काबू पाने के लिए एंटीबैक्टीरियल या ग्लिसरीन युक्त साबुन से स्नान करें। बालों में हर दूसरे दिन शैंपू करें ताकि नमी से उन्हें नुकसान न हो। त्वचा को संक्रमण से बचाने के लिए उसे सूखा रखें और एंटी-बैक्टीरियल पाउडर का इस्तेमाल सकती हैं।

आदत बदलें सेहत सुधारें

कभी-कभी छोटी-छोटी बातें फायदेमंद साबित हो जाती हैं। सेहत के मामले में भी ऐसा ही है। भले ही आप जिम नहीं जा पा रहीं या नियमित रूप से व्यायाम नहीं कर पा रही हैं, पर अपनी आदतों में हल्का-सा बदलाव लाकर भी अपनी सेहत को सुधार सकती हैं। सेहतमंद रहने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी क्या है? सही खानपान! हां, लेकिन यह काफी नहीं है। इसके साथ और भी कई चीजें हैं जो स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी हैं। खानपान की सही आदतों के साथ उन आदतों पर गौर करना बेहद जरूरी हो जाता है, जिनसे हमारी सेहत जुड़ी हुई है। विभिन्न आहारविदों का मानना है कि हम भले ही स्वास्थ्य के प्रति कितने भी सजग और सचेत हों, लेकिन हम अपनी रोजमर्रा की आदतों में खानपान के साथ-साथ कई ऐसी गलतियां करते हैं जिनका हमारे स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है। आइये देखें कि उन्हें कैसे सुधार सकते हैं -

पिज्जा में सॉस ज्यादा, चीज कम

पिज्जा का मजा तो तभी आता है जब उसमें खूब सारी चीज हो। खाने में लजीज लगने वाला चीज हमारे सेहत के लिए ठीक नहीं है, क्योंकि यह पूरी तरह से सैचुरेटेड फैट होता है। खाने में ज्यादा चीज दिल का दौरा, ओवेरियन डिस्ऑर्डर, कैंसर और डायबिटीज जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है। इसलिए जब अगली बार पिज्जा ऑर्डर करें तो उसमें चीज की मात्रा कम और टोमैटो सॉस की मात्रा ज्यादा करने को कहें। टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर में किसी भी तरह के ट्यूमर को विकसित होने से रोकते हैं।

खाने के साथ जूस हो

-ई लोग खाने के साथ कोल्ड ड्रिंक या एनर्जी ड्रिंक्स लेते हैं। कोल्ड ड्रिंक और एनर्जी ड्रिंक्स सेहत के लिए ठीक नहीं होते। इनमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इनका एक और नुकसान यह भी है कि ये खाने के पौष्टिक तत्वों को शरीर द्वारा अवशोषित करने नहीं देते। खाने के पौष्टिक तत्वों का पूरा लाभ उठाने के लिए कोल्ड ड्रिंक की जगह जूस लें। खासकर संतरे का जूस आयरन के अवशोषण को बढ़ा देता है।

तकिए को जांच लें

सालों साल एक ही तकिया। इन्हें बदलने के बारे में तो हम सोचते भी नहीं। लेकिन क्या आपको पता है कि गलत तकिया गर्दन, कंधों और यहां तक कि पीठ व कमर के दर्द का सबब बन सकता है? इसके अलावा इससे आलस, नींद अधूरी रहने का अहसास, थकान भी हो सकती है। इसलिए एक समय के बाद अपने तकियों को बदल डालें। लेकिन तकिये के बदलने का समय आ गया है यह कैसे पता चलेगा? तकिए को बीच से मोड़ें और फिर उसे छोड़ दें। अगर तकिया खुद दोबारा खुल जाता है तो वह अब भी इस्तेमाल लायक है, पर यदि तकिया खुलता नहीं है, तो उसे बदल डालें।

कुछ चीजों को बदलना जरूरी है

बीमारी से उठने के बाद हम कुछ चीजें करना भूल जाते हैं। मसलन, दांत साफ करने वाले ब्रश को बदलना। अगर बीमारी सर्दी या बुखार से संबंधित है तो ब्रश बदलना और भी जरूरी हो जाता है क्योंकि बीमारी के दौरान इस्तेमाल किए जाने की वजह से वे संक्रमित हो जाते हैं। ऐसे में यदि आप उन्हीं ब्रश और टंग क्लीनर को स्वस्थ होने के बाद भी इस्तेमाल करेंगी तो बीमार होने का खतरा बना रहेगा। ठीक इसी तरह आंखों के साथ भी होता है। यदि आपको आंखों में इंफेक्शन हो जाए और उस दौरान यदि आपने स्टिक काजल इस्तेमाल किया है तो उसे दोबारा इस्तेमाल न करें। सबसे आखिर में लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी बात यह कि घर में जितनी खराब हो चुकी या एक्सपायर हो चुकी दवाएं हैं उन्हें फेंक दें।

कंधों पर ज्यादा बोझ ठीक नहीं

कंधों पर ज्यादा बोझ सेहत के लिए ठीक नहीं। अमेरिकी शोधकर्ताओं के एक हालिया रिपोर्ट की मानें तो बैग का भार 1.3 किलोग्राम से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इससे ज्यादा भारी बैग आपके शारीरिक ढांचे को यानी पोस्चर को बिगाड़ सकता है।

मधुमेह के रोगियों को नेत्र रोगों का खतरा

मधुमेह से पीड़ित रोगियों के लिए जहां अपने गुर्दों और पैरों की देखभाल बहुत जरूरी होती है, वहीं उन्हें खान-पान संबंधी ढेर सारे परहेज भी करने पड़ते हैं। अब वैज्ञानिकों ने मधुमेह के संबंध में यह तथ्य भी उजागर किया है कि मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी रोगों का खतरा भी अपेक्षाकृत अधिक होता है, इसलिए उन्हें अपने गुर्दों के साथ-साथ अपनी आंखों की भी विशेष देखभाल करनी चाहिए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि मधुमेह से पीड़ित रोगियों में 'डायबिटिक रेटीनोपेथी' नामक बीमारी होने की संभावना बहुत ज्यादा होती है। इस बीमारी में रोगी व्यक्ति को न सिर्फ मोतिया बिंद की शिकायत हो सकती है बल्कि धीरे-धीरे उसकी आंखों की रोशनी भी कम होती जाती है और एक समय ऐसा भी आ सकता है जब उसकी आंखों की रोशनी पूरी तरह से समाप्त हो जाए यानी व्यक्ति नेत्रहीन हो जाए।

मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी इस तरह खतरों के मद्देनजर विशेषज्ञ यही सलाह देते हैं कि मधुमेह के रोगियों को समय-समय पर किसी अच्छे नेत्र विशेषज्ञ से अपनी आंखों का चैकअप कराते रहना चाहिए और कभी भी आंखों में किसी भी तरह की समस्या का एहसास हो तो अपने डाक्टर से डिस्कस करके तुरंत उसका इलाज कराना चाहिए।

कई रोगों की एक दवा हैं कढ़ी पत्ता

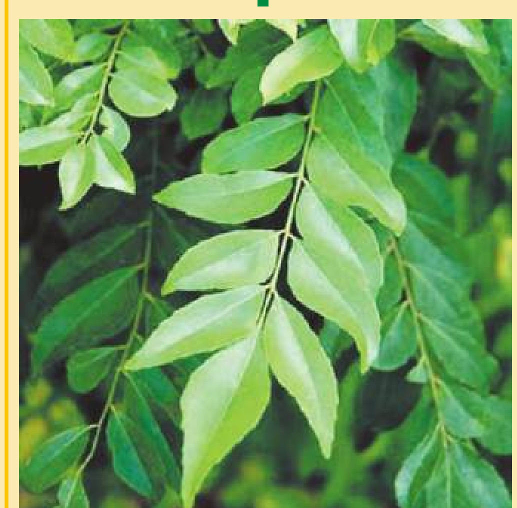

कढ़ी पत्ते का प्रयोग हर घर की रसोई में किया जाता है । यें हमारे भोजन को स्वादिष्ट बनाने के साथ-साथ हमारी सेहत को भी तंदरूस्त रखने में मदद करता है। कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस और विटामिन्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है।यें हमारे मोटापे को कम करने में भी मदद करता है।कढ़ी पत्ते में इतने औषधीय गुण पाएं जाते है जो हमारे स्वास्थ्य को निरोग रखने में मदद करते है।

- कढ़ी पत्ते का सेवन करने से कई बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकते है।मुंह में छाले होने पर और सिरदर्द से भी राहत दिलवाने में मदद करता है।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से बालों की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। कढ़ी पत्ते के सेवन से बाल जल्दी सफेद नहीं होते ।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है ।भोजन में कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पाचन क्रिया भी तंदरूस्त रहती है।
- कढ़ी पत्ता मोटोपे से भी निजात दिलवाने में मदद करता है। हर रोज कढ़ी पत्तियों को चबाकर खाने से मोटापा कम हो जाता है।
- कढ़ी पत्ते में नींबू की कुछ बूंदे मिलाकर और उसमें थोड़ी सी चीनी मिलाकर लेने ले उल्टी से राहत मिलती है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना डायबीटिज के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना किडनी के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है ।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना आंखों की रोशनी के लिए लाभकारी होता है।

मुस्कान बन जाएगी आपकी पहचान

आपकी खूबसूरती को बयां करने मे आपके मोती जैसे दांतों की अहम भूमिका होती है। जितनी सुंदर आप हैं, यदि उतनी ही अच्छी आपकी मुस्कान है तो लोगों से रूबरू होने का आपका अंदाज ही निराला होगा। आजकल दांतों की सुंदरता को बरकरार रखना पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आसान हो गया है। कैसे अपने दांतों की खूबसूरती बढ़ाकर खूबसूरत मुस्कान पाएं।

स्पिलिंट से दे सही आकार - अगर आपके दांत टेढ़े-मेढ़े हैं तो आपकी मुस्कराहट प्रभावशाली नहीं हो सकती। दांतों को सही शेप देने के लिए पहले के दौर में वायरिंग की मदद ली जाती थी। आजकल वायरिंग की जगह ले ली है, अदृश्य रहने वाली स्पिलिंट्स ने। ये प्लास्टिक के वायर ही होते हैं, जो आपके दांतों पर लगाये जाते हैं ताकि आपके दांतों को सही आकार मिले। ये पारदर्शी होते हैं इसलिए अदृश्य रहते हैं और इलाज के दौरान भी आपकी मुस्कराहट उतनी ही मोहक बनी रहती है।

वाइटनिंग कराने से नहीं कोई नुकसान - कोल्ड ड्रिंक, स्मोकिंग, जंक फूड, ड्रिंकिंग ये सब ऐसी आदतें हैं जो आपके दांतों पर पायी जाने वाली सफेद परत को नुकसान पहुंचाकर उसे खराब करती हैं और हमेशा के लिये आपके दांतों की खूबसूरती छीन लेती है। अक्सर हम इस डर से अपने दांतों के पीलेपन का इलाज नहीं कराते क्योंकि हमें लगता है कि इससे हमारे दांतों को नुकसान होगा। लेकिन इस बारे मे मौलाना आजाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइंस के डॉक्टर हिमांशु कहते हैं, 'दांतों की सफाई कराने में कोई नुकसान नहीं है। कम से कम 6 महीने में एक बार तो डेंटिस्ट से चेकअप कराकर सफाई करवानी चाहिए, क्योंकि यह पद्धति पूरी तरह से सुरक्षित होती है। बाजार में मिलने वाले वाइटनिंग टूथपेस्ट से बचना चाहिए क्योंकि उनमें कई हानिकारक केमिकल होते हैं जो आपके दांतों को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। उन्हें प्रयोग में लाने से पहले एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें।'

फिर से आया दांतों पर गहने जड़ने का फैशन

हजारों साल पहले माया सभ्यता के लोग अपने दांतों पर रत्न इत्यादि जड़वाते थे ताकि आपने दांतों को सुंदर दिखा सकें। आजकल युवाओं में ये फैशन फिर से छाया हुआ है, वजह इसकी प्रक्रिया बहुत आसान है और इसकी देखभाल भी। बस डॉक्टर्स द्वारा दांतों में भरे जाने वाले कम्पोजिट सेरेमिक से किसी भी तरह की ज्वेलरी आपके दांतों पर लगा दी जाती है और आपको बस रोजाना की तरह अपने दांतों की सफाई ही करनी होती है। तो अब आपके दांत भी आपके स्टाइल का स्पेशल हिस्सा हो सकते हैं।

इम्प्लांटेशन और सेरेमिक भी दें खूबसरती

पहले के जमाने में सोना और चांदी को लोग अपने दांतों में भरवाया करते थे, लेकिन तब वह दांतों के बीच अलग-सा दिखाई देता था। आजकल डेंटिस्ट सफेद सेरेमिक बेस के कम्पोजिट्स को दांतों के बीच की दूरी को पाटने के लिये प्रयोग करते हैं, इससे वह हिस्सा आपके दांतों में अलग से नहीं दिखाई देता और आपकी मुस्कराहट पूरी एक साथ और एक जैसी चमक बिखेरती है। इसके अलावा आजकल एक-एक दांत भी अलग से लगवाया जा सकता है और दांतों का पूरा सेट भी इंप्लांट कराया जा सकता है यानी कारण कोई भी हो आपके दांतों की खूबसूरती कभी कम नहीं होगी।